जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 17 संख्याः 249 प्रभात हिण्डौन सिटी, रविवार 13 जुलाई, 2025 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

फ्रेंच ओपन फाइनल के ठीक पांच सप्ताह बाद, विंबलडन फाइनल में सिनर और अल्कराज़ एक दूसरे के आमने सामने होंगे। अल्कराज़ ने फ्रेंच ओपन का फाइनल पांच घंटे 29 मिनट में जीता था और रविवार को इन दोनों के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है। अल्कराज़ का ग्रैण्डस्लैम फाइनल में 5-0 का रिकॉर्ड है। सिनर के नाम पर तीन ग्रैण्डस्लैम खिताब हैं। अल्कराज़ विंबलडन में लगातार 24 मैच जीत चुके हैं। इन दोनों खिलाड़ियों के बीच अभी तक जो 12 मैच खेले गए हैं, उनमें से अल्कराज़ ने आठ और सिनर ने चार मैच जीते हैं। अल्कराज़ ने इटली के खिलाड़ी के खिलाफ पिछले पांचों मुकाबले जीते हैं। अल्कराज़ ने सेमीफाइनल में टेलर फ्रिट्ज़ को 6-4, 5-7, 6-3, 7-6 (6) से हराकर लगातार तीसरी विंबलडन चैंपियनशिप जीतने की तरफ मजबूत कदम बढ़ ाए थे। यानिक सिनर ने सेमीफाइनल मुकाबले में नोवाक जोकोविच को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। शुक्रवार को खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में सिनर ने जोकोविच को 6-3, 6-3, 6-4 से हरा दिया। खिताबी मैच में अब उनका सामना कार्लोस अल्कराज़ से होगा।

भागवत, मोदी से छः दिन पहले 75 वर्ष के हो जायेंगे....(1)

क्या उस दिन अपने पद से इस्तीफा देकर, प्र.मंत्री के लिए इस्तीफे का मार्ग प्रशस्त करेंगे?

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जुलाई। क्या राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को 75 वर्ष की आयु में इस्तीफा देने के लिए प्रेरित कर रहे हैं? ज्ञातव्य है कि यह आयु-सीमा खुद मोदी ने ही 2014 में प्रधानमंत्री बनने के तुरंत बाद निर्धारित की थी, ताकि भाजपा में वे सर्वोच्च बने रहें और कोई वरिष्ठ नेता उनके निर्णयों को न चुनौती दे सके, न उलट सके।

हाल ही में नागपुर में एक पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में भागवत द्वारा किये गये 75 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्ति के आव्हान को मीडिया ने मोदी के लिए संकेत के रूप में देखा। हो सकता है कि भागवत ने व्यापक रूप से मोदी की ओर इशारा किया हो, लेकिन असल में वे स्वयं के संदर्भ में बात कर रहे थे। भागवत 11 सितंबर को, मोदी के जन्मदिन (17 सितंबर) से छह दिन पहले, 75 वर्ष के हो जायेंगे।

आरएसएस में नेतृत्व परिवर्तन की कोई कठिनाई नहीं है, क्योंकि संघ का संविधान इसकी पूरी व्यवस्था करता है। वर्तमान में संघ के सरकार्यवाह (महासचिव) दत्तात्रेय होसबोले, जो अंग्रेज़ी साहित्य में स्नातकोत्तर हैं, को भागवत के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता है। वे मार्च 2021 में सुरेश "भैयाजी" जोशी की जगह सरकार्यवाह बने थे, जो इस संगठन का दूसरा सबसे ऊँचा पद है। अगर 75 की उम्र की सीमा लागू होती है, तो होसबोले दिसंबर 2029 तक संघ के प्रमुख रह सकते हैं।

तथापि, मोदी ने अब 75 वर्ष की सेवानिवृत्ति सीमा की चर्चा बंद कर दी है, जिसे उन्होंने 2014 में सत्ता में आते ही स्थापित किया था। इसका कारण यह है कि उन्हें पार्टी के शीर्ष स्तर से कोई चुनौती नहीं दिखती, न ही उन्हें हटाने की कोई सक्रिय कोशिश पार्टी के अन्दर ही दिखाई दे रही है। सच तो यह है कि मोदी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाल ही में भागवत ने नागपुर में "बुक रिलीज़" आयोजन पर सार्वजनिक रूप से कहा था, कि 75 की आयु पहुंचते ही भाजपा/आर.एस.एस. के नेता को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। भागवत उस समय अपने इस्तीफे की बात कर रहे थे, न कि मोदी के।
- भागवत के इस्तीफा देने से संघ की गतिविधियों में कोई व्यवधान नहीं पड़ता, क्योंकि संघ के संचालक का उत्तराधिकारी नियुक्त करने की बड़ी स्थापित व्यवस्था है। अगर मोहन भागवत रिटायर होते हैं, तो सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबोले ऑटोमैटिकली संघ प्रमुख बन जाते हैं।
- ऐसा कहा जाता है कि मोदी ने 2014 में जब प्रधानमंत्री पद ग्रहण किया था, उस समय उन्होंने यह सिद्धांत स्थापित करवाया था, कि, जिन नेताओं की आयु 75 वर्ष हो जायेगी, उन्हें रिटायर हो जाना चाहिए। शायद इस सिद्धांत का व्यवहारिक महत्व यह था, कि मोदी से सीनियर कोई नेता भाजपा में न बचे, जो उनकी आंख में आंख डालकर बात कर सके।
- अब यह सिद्धांत ही भाजपा के गले की घण्टी बन गया है। मोदी को विदाई देने की स्थिति में नहीं है भाजपा, और न ही कोई उन्हें यह सुझाव दे सकता है। अतः स्वयं अपना इस्तीफा देकर, भागवत, मोदी पर इस्तीफे का दबाव बनाना चाह रहे हैं?

पिछले दस दिन में पटना के तीन प्रमुख व्यक्तियों की हत्या

तेजस्वी यादव ने एक्स पर सवाल उठाया, कि अचेत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राजधानी में बिगढ़ती हुई कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चुप्पी क्यों साधे हुए हैं

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जुलाई। आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने आज राज्य में कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की चुप्पी पर सवाल उठाए। उन्होंने पिछले 10 दिनों में हुई हत्याओं तथा शुक्रवार शाम पटना के रामकृष्णा नगर में एक स्थानीय व्यापारी की गोली मारकर की गई हत्या के बाद यह बात कही।

एक्स पर एक पोस्ट में यादव ने लिखा, "पटना में व्यापारी विक्रम झा की गोली मारकर हत्या! डीके टैक्स ट्रांसफर इंडस्ट्री राज्य में अराजकता की स्थिति का मुख्य कारण है।" उन्होंने मुख्यमंत्री की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए आगे लिखा, "बेहोश मुख्यमंत्री चुप क्यों हैं? रोज़ हो रही सैकड़ों हत्याओं के लिये जिम्मेदार कौन है? भ्रष्ट "भूंजा पार्टी" को जवाब देना होगा।"

पटना पूर्व के एसपी परिचय कुमार ने कहा "पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और उन्हें नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। हत्या के पीछे की सही वजह अभी पता नहीं चल पाई है। जांच चल रही है।" उन्होंने यह भी बताया कि झा के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है और आरोपी की पहचान करके उसे पकड़ने के लिए तलाशी अभियान शुरू किया गया है।

इस हत्या से ठीक पहले, 10 जुलाई को रानीतालाब में एक 50 वर्षीय बजरी-खनन व्यवसायी की उनके घर के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- चार जुलाई को पहली हत्या गोपाल खेमका की हुई। फिर 10 जुलाई को माइनिंग से जुड़े 50 वर्षीय बिजनसमैन की हत्या उनके रानीतलाव में स्थित निवास के बाहर हुई। तथा शुक्रवार को पटना की संभ्रांत कॉलोनी रामकृष्ण नगर में, स्थानीय व्यापारी विक्रम की हत्या हुई। पर इन सभी हत्याओं पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की चुप्पी बहुत विचलित करती है।
- तेजस्वी यादव की आक्रामक टिप्पणी के उत्तर में एन.डी.ए. नेताओं ने जवाब में कहा, "विपक्ष (आर.जे.डी.) पुनः अपना जंगलराज स्थापित करने का प्रयास कर रहा है, और ये हत्याएं इस प्रयास का ही नतीज़ा हैं।"

निशक्त हुए एईएन के बकाया वेतन का ब्याज सहित भुगतान करें

जयपुर, 12 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने एईएन के पद पर कार्यरत प्रार्थी के ब्रेन हेमरेज के कारण 80 फीसदी निशक्त हो जाने और इस कारण विभाग में गैर हाजिर रहने पर उसे वेतन नहीं देने को गलत माना है। इसके साथ ही, संबंधित विभाग को निर्देश दिया है कि वह प्रार्थी को चार सप्ताह में 6 फीसदी ब्याज सहित उसके बकाया वेतन व अन्य सेवा परिलाभ का भुगतान करे। वहीं, प्रार्थी को हर्जाना राशि के तौर पर 25 हजार रुपए भी दिए जाएं। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल ने यह आदेश सुनील कुमार गुप्ता की याचिका पर दिया।

- हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव को इस संबंध में पब्लिक सरक्युलर जारी करने के भी निर्देश दिये।

अदालत ने राज्य के मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि वे इस संबंध में पब्लिक सर्कुलर जारी करें, ताकि निशक्त व्यक्तियों को निशक्त अधिनियम 2016 का पूर्ण लाभ प्राप्त हो सके। मामले से जुड़े अधिवक्ता सीपी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

लालू यादव के ज्येष्ठ पुत्र तेज प्रताप अपनी अलग पार्टी बनायेंगे?

यह प्रश्न इसलिए उठ रहा है क्योंकि हाल ही में तेज प्रताप ने अपने पुराने क्षेत्र महुआ में एक रोड शो किया, जिसमें नया हरा व सफेद झण्डा लहराया गया, जिस पर बड़े-बड़े शब्दों में लिखा था, "टीम तेज प्रताप यादव"

- श्रीनंद झा -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 12 जुलाई। क्या राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बेटे तेज प्रताप यादव, जिन्हें पार्टी से निष्कासित किया जा चुका है, अपनी नई राजनीतिक पार्टी बनाने जा रहे हैं?

इस सवाल को लेकर अटकलें उस समय तेज हो गईं, जब तेज प्रताप ने अपने पुराने राजनीतिक गढ़ महुआ में एक रोड शो आयोजित किया, जिसमें वो "टीम तेज प्रताप यादव" लिखे हुए हरे और सफेद झंडे लहराते नजर आए।

राजद परिवार में, इस बात को लेकर लंबे समय से संघर्ष चल रहा है कि पार्टी के संस्थापक की राजनीति और विरासत का असली हकदार कौन है? जहां लालू यादव के छोटे बेटे तेजस्वी यादव ने खुद को पार्टी और लालू की राजनीतिक विरासत के असली उत्तराधिकारी के रूप में स्थापित कर लिया है, वहीं तेज प्रताप अक्सर असहज और विद्रोही रुख में दिखाई देते रहे हैं। लालू की बेटियां, मीसा भारती और रोहिणी आचार्य, भी समय-समय पर अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं जताती रही हैं।

तेज प्रताप के पास पार्टी संगठन का कोई बड़ा आधार नहीं है, लेकिन उनके पास कुछ वफादार समर्थकों का समूह जरूर है। इसके साथ ही, उन्हें पार्टी से निष्कासित किए जाने को लेकर सहानुभूति भी मिल रही है। कई लोग उनके साथ किए गए इस व्यवहार को "अत्यधिक कठोर" मानते हैं। तेज प्रताप को पार्टी से 6 साल के लिए उस समय निष्कासित किया गया, जब उन्होंने फेसबुक पोस्ट में खुद को अनुष्का यादव नाम की महिला के साथ रिश्ते में बताया था। बाद में वह पोस्ट हटा दी गई, लेकिन पार्टी ने इसे "गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार" बताते हुए निष्कासन की कार्रवाई की।

सामाजिक न्याय के प्रति अपनी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- लालू के परिवार में तेज प्रताप के अलावा, पुत्री मीशा भारती व रोहीनी आचार्य भी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं रखती हैं और दर्शाती हैं, समय समय पर।
- पारिवारिक परिस्थितियों से परिचित लोगों का मानना है कि तेज प्रताप उत्तराधिकारी के रूप में तेजस्वी को स्वीकार कर चुके हैं, पर वे टिकट के बंटवारे में तथा पार्टी के अन्य राजनीतिक मामलों में पूर्ण रूप से बैक सीट पर ही बैठे रहने को तैयार नहीं हैं, समय समय पर, और महत्व पाने की इच्छा दिखा चुके हैं।
- अंततोगत्वा तेज प्रताप को पार्टी का टिकट देकर चुनाव लड़वा दिया जायेगा और वे संतुष्ट होकर बैठ जायेंगे।
- पर, फिलहाल उन्होंने महुआ में अपने भाषण में जोर शोर से कहा, "मैं जनता की इच्छा के अनुसार ही काम करता हूँ। मैं, वहीं से चुनाव लड़ूँगा, जहां से जनता चाहती है, और मेरी पार्टी का क्या होगा, यह तो समय ही बतायेगा।"

राजस्व न्यायालयों में लम्बित केसों के निस्तारण के लिये एनओसी बनायें

जयपुर, 12 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के राजस्व व अपीलीय राजस्व न्यायालयों में पिछले कई दशकों से लंबित चल रहे केसों को गंभीरता से लेते हुए, राज्य सरकार से कहा है कि वह इनका प्रभावी निस्तारण सुनिश्चित करे और अपेक्षा है कि वह इन न्यायालयों में लंबित मुकदमों के समाधान के लिए तत्काल कार्रवाई करेगी। अदालत ने कहा कि पुराने मामलों को प्राथमिकता न दिए जाने के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को राजस्व व अपीलीय न्यायालयों में अफसरों की नियुक्ति के लिये व्यापक परीक्षा आयोजित करने के लिये कहा।

'बिहार में 10 प्रतिशत वोटर लिस्ट, यानी 77 लाख मतदाता फर्जी हैं'

स्वराज्य मैगज़ीन द्वारा किये अध्ययन व डेमोग्राफिक (जनसांख्यिकीय) सर्वे के अनुसार प्रदेश की वर्तमान मतदाता सूची में 7.89 करोड़ वोटर दिखाये गये हैं, पर मैगज़ीन के डेमोग्राफिक सर्वे के अनुसार असल में मतदाताओं की सही संख्या 7.12 करोड़ ही है

- जाल खंबाता -
- राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो -

नई दिल्ली, 12 जुलाई। जनसांख्यिकीय पुनर्निर्माण (डैमोग्राफिक रीकन्स्ट्रक्शन) पर आधारित एक नई रिसर्च में सामने आया है कि बिहार की वोटर लिस्ट में लगभग 10 प्रतिशत नाम अवैध हो सकते हैं। ये वो नाम हैं, जिन्हें जन्म, मृत्यु या प्रवासन (माइग्रेशन) जैसे किसी भी जनसांख्यिकीय कारण से समझाया नहीं जा सकता, फिर भी वो वोटर लिस्ट में बने हुए हैं, चुनावी प्रक्रिया को विकृत करते हुए और लोकतंत्र को कमजोर करते हुए।

कल्पना कीजिए कि भारत के नक्शे से एक पूरा शहर, मान लीजिए, पुणे, अचानक गायब हो जाए, लेकिन उसके निवासी हर चुनाव में वोट डालते रहें। यह कोई विचार प्रयोग नहीं है, बल्कि बिहार की चुनावी सच्चाई है।

स्वराज्य पत्रिका ने अपने अध्ययन, "डैमोग्राफिक रीकन्स्ट्रक्शन एण्ड इलैक्टोरल रोल इन्फ्लेशन : एस्टिमेटिंग द लेजिटिमेट वोटर बेस इन बिहार, इण्डिया (2025)" में पूरी तरह आधिकारिक आँकड़ों पर आधारित कठोर जनसांख्यिकीय गणनाओं का उपयोग किया है। इसमें शामिल हैं: पुराने चुनावी रिकॉर्ड, उम्र के अनुसार जीवित रहने की संभावना, जन्म दर के अनुमान और राज्य के भीतर/बाहर प्रवासन के आँकड़े।

परिणाम चौंकाने वाला है: बिहार की मौजूदा वोटर लिस्ट में 77 लाख

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- इसका मतलब है, प्रत्येक सीट पर औसतन 30 हजार फर्जी वोटर हैं। अतः कांटे की टक्कर वाले चुनाव में जहां हार-जीत का फैसला सदा बहुत कम वोटों से होता है, ये फर्जी वोट बहुत भारी महत्व रखते हैं।
- उदाहरण के लिए, 2020 के बिहार विधानसभा के चुनाव में 20 प्रतिशत सीटों पर हार जीत केवल 2.5 प्रतिशत वोटों के अन्तर से हुई थी। तथा 17 सीटें तो ऐसी थीं, जहां हार-जीत केवल एक प्रतिशत वोट से हुई थी।
- ये फर्जी वोट, जिनकी संख्या लगभग 30 हज़ार है, हर सीट पर कहां से आये, ये लोग कौन हैं, इसको कोई नहीं समझा पा रहा है। मृत्यु, जन्म या पलायन की डेमोग्राफिक स्टडी का भी सहारा लेकर कोई नहीं समझा सकता।
- यह तो ऐसा है जैसे पूरा पुणे शहर, दुनिया से गायब हो जाये, परन्तु वहां के बाशिन्दे हर चुनाव में आकर अपना वोट डाल जाते हैं।

'विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं में संसाधन व सुविधायें क्यों नहीं हैं'

जयपुर, 12 जुलाई। राजस्थान हाईकोर्ट ने, अदालती आदेशों के बाद भी, विधि विज्ञान प्रयोगशालाओं में संसाधन व सुविधाएं नहीं होने को गंभीर माना है। वहीं, आगामी सुनवाई 18 जुलाई को मुख्य सचिव को व्यक्तिगत तौर पर शपथ पत्र व तथ्यात्मक रिपोर्ट सहित पेश होकर यह बताने के लिए कहा है कि राज्य सरकार ने इस संबंध में अभी तक क्या कार्रवाई की है।

अदालत ने कहा कि आपराधिक न्याय प्रणाली के लिए उचित संसाधन व

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- हाईकोर्ट ने मुख्य सचिव से कहा कि शपथ पत्र व तथ्यात्मक रिपोर्ट के साथ पेश होकर बतायें कि अभी तक क्या कार्यवाही की है।

विचार बिन्दु

गरीबों की सेवा ही ईश्वर की सेवा है। –सरदार वल्लभभाई पटेल

आयुर्वेद के रसायन मानवता के लिये वरदान हैं

आज की चर्चा एक बार पुनः आयुर्वेद के रसायनों पर है। जैसा कि पहले चर्चा की जा चुकी है, जीवन में एक ऐसा समय आता है जब कितना ही बुद्धिमान डॉक्टर हो या कितनी ही बढ़िया चिकित्सा हो, रोग ठीक करना मुश्किल हो जाता है। यदि व्यक्ति का बल और मांस क्षीण हो जाये तो ऐसा भान होने लगता है जैसे आयु पूरी हो चुकी है। कोई महाव्याधि अचानक निवर्तित हो जाये व भोजन से मिलने वाले लाभ मिलना भी बंद हो जायें तो भी यही स्थिति बनती है (देखें, सु.सू.32.7–8): चिकित्स्यमानः सम्यक च विकारो योऽभिवर्धते। प्रक्षीणबलमांसस्य लक्षणं तद्गतायुषः।। निवर्तते महाव्याधिः सहसा यस्य देहिनः। न चाहारफलं यस्य दृश्यते स विनश्यति।। जानी–मानी व बहुत लोगों पर सफल और बढ़िया तैयार औषधि भी यदि किसी व्यक्ति में वांछित प्रभाव ना दे पा रही हो तो व्यक्ति को गैर–उपचार योग्य श्रेणी में माना जाता है। चिकित्सक की सलाह से तैयार कर दिये गये भोजन का वांछित परिणाम नहीं मिल रहा हो, तो चिंताजनक स्थिति मानी जाती है (देखें, च.इ.12.7–8): विज्ञातं बहुशः सिद्धं विधिवच्चावचारितम्। न सिध्यत्योषधं यस्य नास्ति तस्य चिकित्सितम्।। आहारमुपयुञ्जानो भिषजा सूपकल्पितम्। यः फलं तस्य नाप्नोति दुर्लभं तस्य जीवितम्।। बात यहाँ अति–कठिन परिस्थिति की है।

वस्तुतः आयुर्वेद के दृष्टिकोण से माना जाता है कि जब मृत्यु का समय निकट आता है तो कुछ अरिष्ट प्रकट होते हैं (देखें, च.इ.2.5): न त्वरिष्टस्य जातस्य नाशोऽस्ति मरणादृते। मरणं चापि तन्नास्ति यन्नारिष्टपुरः सरम्।। किन्तु माना यह भी जाता है कि अरिष्ट को निर्विवाद रूप से पहचानने में त्रुटि भी हो सकती है (देखें, च.इ.2.6): मिथ्यादृष्टमरिष्टाभमनरिष्टमजानता। अरिष्टं वाऽप्यसम्बुद्धमेतत् प्रज्ञापराधजम्।। कहने का तात्पर्य यह है कि हो सकता है वास्तव में अरिष्ट प्रकट ना हुआ हो, फिर भी त्रुटिवश प्रकट हुआ मान लिया जाये।

अतः यदि भ्रम की स्थिति हो तो चिकित्सा की जाये या नहीं? यदि हाँ, तो कैसी चिकित्सा उपयुक्त हो सकती है? मेरे विचार से अरिष्ट की सही या गलत पहचान के पचड़े से बाहर निकलकर चिकित्सा करना ही उचित है। ऐसे अनेक लोग हैं जिन्हें अंतिम स्थिति में पहुंचा हुआ मानकर धरती पर लिटाकर तुलसी और गंगाजल खिला–पिला दिया गया। गाय की बछिया की पूँछ पकड़ा कर दान–पुण्य भी करा दिया गया। पर वे फिर उठ खड़े हुये और कई साल चले। इसलिये जब तक प्राण हैं, चिकित्सा करना उपयोगी है।

अब प्रश्न यह है कि ऐसी कौन सी चिकित्सा है जो अरिष्ट निवारण में सक्षम हो सकती है? वैसे तो अरिष्ट–निवारण की सामर्थ्य कम ही व्यक्तियों में होती है, तथापि यह असंभव नहीं है। अरिष्ट प्रकट होने के बाद भी युक्ति–व्यपाश्रय, सत्त्वावजय और दैव–व्यपाश्रय की त्रिवेणी में की गयी चिकित्सा मृत्यु को टाल सकती है। इसका संकेत वैज्ञानिक–महर्षि आचार्य सुश्रुत ने दिया है। रिष्ट उत्पन्न होने पर मृत्यु निश्चित है, तथापि मानस दोषों से मुक्त विद्वान के द्वारा या रसायन, तप, और जप में पारंगत व्यक्ति द्वारा मृत्यु का निवारण किया जा सकता है (देखें, सु.सू.28.5): ध्रुवन्तु मरणं रिष्टे ब्राह्मणैस्तत् किलामलैः। रसायनतपोजप्यतत्परैर्वा निवार्य्यते।। कठिन रोगों की स्थिति में भी बचने की संभावना यहाँ साफ़ दृष्टिगोचर है।

क्या वास्तव में रसायन इतने उपयोगी और प्रभावी हैं? संहिताओं, शोध और अनुभव तीनों में ही इस प्रश्न का उत्तर धनात्मक ही मिलता है। आइये पहले संहिताओं के वे प्रमाण देखते हैं जो केवल कठिन रोगों व परिस्थितियों के सन्दर्भ में हैं। पहला प्रमाण आचार्य सुश्रुत के उस कथन से मिलता है जिसमें रोगों की सूची देते हुये संकेत किया गया है कि ये रोग रसायन के बिना असाध्य हो जाते हैं (देखें, सु.सू.33.3): ये जुष्टा व्याधयो यान्त्यवार्यताम्। रसायनाद्विना वत्स तान् शृण्वेकमना मम।। इस संदर्भ से यह संकेत तो स्पष्ट है कि रसायन से रोगों को उन अवस्थाओं में जाने से रोका जा सकता है जहां वे चिकित्सा की दृष्टि से असाध्य हो जाते हैं। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि रसायन असाध्य रोगों को भी साध्य बनाते हुये चिकित्सा में मददगार हो सकते हैं। उदाहरण के लिये, हालाँकि कुष्ठ और प्रमेह असाध्य होते हैं, पर आचार्य सुश्रुत ने स्वयं एक ऐसा योग दिया है जो असाध्य कुष्ठ और प्रमेह को भी ठीक कर देता है (सु.चि. 10.12): एषौषधायस्कृतिरसाध्यं कुष्ठं प्रमेहं वा साधयति। वस्तुतः यह उस सिद्धान्त की विजय है जिसमें आचार्य चरक ने चिकित्सा की सफलता में युक्ति को सर्वोपरि माना है। यहाँ निहितार्थ यह है कि यदि रसायन चिकित्सा की जाये तो ये रोग असाध्य नहीं हो पाते। आधुनिक वैज्ञानिक शोध में रसायन उसी प्रकार उपयोगी पाये गये हैं जैसा कि आचार्य सुश्रुत ने निर्दिष्ट किया है। दूसरा प्रमाण, चरकसंहिता की टीका में चक्रपाणि द्वारा महर्षि अगस्त्य को उद्धृत करते हुए कहा गया है कि रसायन, तप व जप में सिद्ध महान लोग काल मृत्यु को भी जीत लेते हैं, पर आलसी आदमी नहीं (देखें, च.सू.1.62 पर चक्रपाणि.): रसायनतपो जापयोगसिद्धैर्महात्मभिः। कालमृत्युरपि प्राज्ञैर्जीयते नालसैनरैः।। तीसरा प्रमाण महर्षि–वैज्ञानिक आचार्य चरक द्वारा सोसायटल कोलैप्स या जनपदोध्वंश की स्थिति–हवा, पानी, मिट्टी और ऋतुओं के प्रदूषित हो जाने से उत्पन्न महामारियाँ– में पंचकर्म व रसायनों के द्वारा समस्या निवारण हेतु सुझाया गया रास्ता है (देखें, च.वि.3.13–14): येषां न मृत्युसामान्यं सामान्यं न च कर्मणाम्। कर्म पञ्चिवधं तेषां भेषजं परमुच्यते।। रसायनानां विधिवच्चोपयोगः शस्यते। शस्यते देहवृत्तिश्च भेषजैः पूर्वमुद्धृतैः।। रसायन द्रव्यों के साथ ही अद्रव्य रसायन भी हैं जो सत्त्वावजय और दैव–व्यपाश्रय चिकित्सा में मददगार हैं। उदाहरण के लिये दान, विनम्रता, दया, सत्य, ब्रह्मचर्य, कृतज्ञता, मित्रता, रसायन व अच्छे कार्य सब उम्रवर्धक हैं (अ.हृ.शा.3.120): दानशीलदयासत्य ब्रह्मचर्यकृतज्ञताः। रसायनानि मैत्री च पुण्यायुर्वृद्धिकृद्गणः।।

एक प्रमाण-आधारित तथ्य यह भी है कि आयुर्वेद के रसायनों से बेहतर एंटी-एंग्जाइटी व वाजीकर से बेहतर एंटी-डिप्रेशेंट औषधि कोई नहीं है। बुढ़ापा आने का एक कारण ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इनफ्लेमेशन का बढ़ना भी है। रसायन द्रव्यों के उपयोग करते रहने से शरीर का व्याधिक्षमत्व बढ़ता है तथा ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इनफ्लेमेशन में कमी होती है।

संहिताओं के साथ ही आधुनिक वैज्ञानिक अध्ययनों से भी रसायनों की क्रियात्मकता के ठोस प्रमाण मिल रहे हैं। मेरे ज्ञान में रसायन योगों पर 2100 शोधपत्र और एकल रसायनों पर कम से कम 5000 शोधपत्रों में से एक भी ऐसा नहीं है जिसमें रसायनों की त्रिदोष–नियामकता पर ठोस प्रश्नचिन्ह लगाया हो। आइये कुछ उदाहरण देखते हैं।

उम्र–आधारित रोगजनन का एक प्रमुख कारण डी.एन.ए. रिपेयर मैकेनिज्म में गड़बड़ी होना माना जाता है। जीवित कोशिकाओं के गुणसूत्रों में पाये जाने वाले तंतुनुमा अणु को डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड या डी.एन.ए.कहा जाता है। इसी में अनुवांशिक कोड निहित रहता है। जैसे–जैसे डी.एन.ए.डैमेज का बोझ बढ़ता जाता है, शरीर बुढ़ापे की ओर बढ़ता जाता है। इस कारण अनेक समस्यायें जैसे कैंसर, न्यूरोडीजेनरेशन और बढ़ती उम्र के कारण होने वाली अनेक व्याधियां विकसित हो जाती हैं। शरीर की कोशिकाओं द्वारा डी.एन.ए.डैमेज के संकेत प्राप्त करना और टूट–फूट की मरम्मत करने की क्षमता उम्र के साथ घटती जाती है। इसीलिये बढ़ती उम्र में अनेक रोग लग जाते हैं।

तो क्या आयुर्वेद के रसायन बढ़ती उम्र के लोगों में डी.एन.ए. रिपेयर मैकेनिज्म की गति को बढ़ा सकते हैं? इस विषय में कई अध्ययनों से यह सिद्ध होता है कि रसायन औषधियाँ डी.एन.ए. रिपेयर की गति को बढ़ाकर बुढ़ापा आने की गति को धीमा कर देती हैं। हाल में हुये एक क्लीनिकल ट्रायल में पाया गया कि आमलकी रसायन के प्रयोग से डी.एन.ए.स्ट्रैंड में तोड़फोड़ की गति कम होती है तथा रिपेयर मैकेनिज्म तेज हो जाती है। यह रसायन सुरक्षित भी पाया गया है। एक अन्य अध्ययन में, जो 45–60 वर्ष के लागों के मध्य किया गया, पाया गया है कि आमलकी रसायन का प्रयोग रक्त की परिफेरल ब्लड मोनोन्यूलियर सेल्स में टीलोमीयर की लम्बाई में बदलाव किये बिना टीलोमेरेज क्रियात्मकता को बढ़ा देता है। इससे चूंकि टीलोमियर के क्षरण में कमी आती है, अतः हैल्थस्पान में बेहतरी होती है। एक तीसरा उदाहरण अश्वगंधा का दिया जा सकता है। कुल 50 स्वस्थ खिलाड़ियों के मध्य किये गये क्लीनिकल ट्रायल में यह पाया गया है कि अश्वगंधा की जड़ों का एक्सट्रैक्ट कार्डियोरेस्पायरेटरी सहनशीलता को बढ़ा देता है। इसके अलावा अनेक इनवाइट्रो, इन वाईवो और क्लिनिकल अध्ययन में अश्वगंधा और आमलकी सहित तमाम रसायनों द्वारा कैंसर, मधुमेह, कार्डियोवैस्कुलर बीमारियाँ, मानसिक बीमारियों तथा अपर–रेस्पायरेटरी–ट्रैक्ट संक्रमण से बचाव होता है। एक प्रमाण–आधारित तथ्य यह भी है कि आयुर्वेद के रसायनों से बेहतर एंटी–एंग्जाइटी व वाजीकर से बेहतर एंटी–डिप्रेशेंट औषधि कोई नहीं है। बुढ़ापा आने का एक कारण ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इनफ्लेमेशन का बढ़ना भी है। रसायन द्रव्यों के उपयोग करते रहने से शरीर का व्याधिक्षमत्व बढ़ता है तथा ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस और इनफ्लेमेशन में कमी होती है।

उत्तम बात यह है कि कुछ ऐसे द्रव्य हैं जो आहार, रसायन और औषधि, तीनों ही प्रकारों में वर्गीकृत हैं। फल व सूखे मेवे, खजूर, द्राक्षा, मुनक्का, बादाम, तिल, आँवला, लहसुन, सोंठ, कालीमिर्च, पिपली, हल्दी, केसर, जीरा, धनिया, मूंग, जल, दूध, घी, तुलसी, शहद, गुड़, त्रिकटु एवं त्रिफला आदि ऐसे द्रव्य हैं जिनके युक्तिपूर्वक सेवन के लिये किसी क्लिनिकल ट्रायल का इंतज़ार करने की आवश्यकता नहीं है। संहिता, साइंस और अनुभव सब इन द्रव्यों के पक्ष में हैं।

मृत्यु की तिथि तय नहीं है, अपितु प्राणियों की आयु युक्ति की अपेक्षा रखती है (च.वि. 3.29: भूतानामायुर्युक्तिमपेक्षते। युक्ति से उम्र बढ़ सकती है। असल में युक्तिव्यपाश्रय आचार्य चरक द्वारा आयुर्वेदाचार्यों पर किये गये विश्वास की पराकाष्ठा है। चिकित्सा में सफलता युक्ति पर निर्भर है (च.सू. 2.16): सिद्धिर्युक्तौ प्रतिष्ठिता। जब सफलता युक्ति पर आश्रित हो तो साध्य–असाध्य या अरिष्ट की जाँच–परख से ज्यादा महत्त्व युक्ति के प्रयोग पर दिया जाना चाहिये। और इस युक्ति में रसायन महत्वपूर्ण भूमिका रखते हैं। इसलिये मेरा मानना है कि आयुर्वेदाचार्यों की देखरेख में लिये जाने वाले रसायन मौत के मुंह से निकाल लाने की क्षमता रखते हैं। रसायनों की क्षमताओं को पहचानिये। रसायन जरा–व्याधि का नाश तो करते ही हैं, जीवन का नाश भी रोक सकते हैं।

–अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त; वर्तमान में अनेक विश्वविद्यालयों में विजिटिंगप्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

टीवी चैनलों, विश्लेषकों की सांठ-गांठ और आम निवेशक के साथ होता धोखाधड़ी का खुला खेल

क्यों चुप है सेबी और केंद्र सरकार? कठोर कदम उठाने की है आवश्यकता

सुनील दत्त गोयल

मुफ्त सलाह के नाम पर चल रहा है सबसे बड़ा घोटाला–देश के कुछ बड़े टीवी चैनलों पर इन दिनों शेयर बाजार से जुड़ी खबरों और विश्लेषणों की जो बाढ़ सी आ गई है, वह दरअसल एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा है। सुबह से लेकर शाम तक चैनलों पर बैठकर कुछ तथाकथित विश्लेषक निफ्टी, बैंक निफ़्टी, फिन निफ्टी तथा जितने भी फ्यूचर ऑप्शन के शेयर्स है तथा नकद भुगतान के शेयर भी शामिल होते हैं उनके भावों का का लेवल, ओपनिंग, क्लोजिंग, स्टॉप लॉस, टारगेट, अपर और लोअर टारगेट जैसी बातें करते रहते हैं।

ये सभी भले ही सेबी के द्वारा पंजीकृत अधिकृत सलाहकार हों, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या इन्हें यह अधिकार है कि वे आम निवेशकों को दिन–रात मुफ्त की सलाह देकर उनके निवेश के फैसलों को प्रभावित करें?

और सबसे बड़ी बात – अगर उनकी सलाह गलत साबित हो जाए, तो क्या वे उस नुकसान की भरपाई के लिए जिम्मेदार हैं? बिल्कुल नहीं! यही तो इस पूरे खेल की सच्चाई है। पिछले पांच वर्षों में सेबी ने प्रमुख मीडिया व्यक्तित्वों से लेकर फिनफ्लुएंसर्स तक विभिन्न श्रेणियों के लोगों पर तथाकथित 'सख्त कार्रवाई' की है, कई बार दोषी लोगों को बैन भी कर चुकी है। लेकिन बैन के बाद क्या हुआ? क्या इन विश्लेषकों को वाकई सजा मिली?

क्या आम निवेशक को उसका पैसा वापस मिला? बिल्कुल नहीं! उल्टा, ये विश्लेषक और चैनल फिर किसी नए नाम से, नए मंच पर धड़ल्ले से सक्रिय हो जाते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह कि जो आम निवेशक इनकी मुफ्त सलाहों के चक्कर में अपनी गाढ़ी कमाई गंवा बैठता है, उसे न तो न्याय मिलता है, न ही उसकी रकम वापस आती है।

हालिया मामले

जेन स्ट्रीट ग्रुप का मामला – इस वर्ष सबसे चर्चित मामला जेन स्ट्रीट ग्रुप का है, जिस पर सेबी ने इंडेक्स मैनिपुलेशन का आरोप लगाते हुए 4,843 करोड़ की अवैध कमाई जब्त करने का आदेश दिया है। लेकिन यह पैसा कहां जाएगा? पीड़ित निवेशकों को कब मिलेगा?

संजीव भसीन केस – पूर्व आईआईएफएल सिक्योरिटीज डायरेक्टर और प्रसिद्ध टीवी मार्केट एक्सपर्ट संजीव भसीन को 11 अन्य लोगों के साथ स्थायी रूप से प्रतिबंधित किया गया है। भसीन पर आरोप है कि वे पहले शेयर खरीदते थे और फिर टेलीविजन और टेलीग्राम ग्रुप्स पर उनकी सिफारिश करते थे।

यह तो साफ़–साफ़ धोखाधड़ी थी, फिर भी यह खेल वर्षों तक चलता रहा।

इस पूरे मामले में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि संजीव भसीन न तो कभी सेबी द्वारा पंजीकृत थे और न ही अधिकृत विश्लेषक, फिर भी उन्हें वर्षों तक टीवी पर बोलने का मौका दिया गया – और वह भी प्रमुखता के साथ।

क्या यह चैनल की जिम्मेदारी नहीं बनती कि जब वह किसी व्यक्ति को दर्शकों के सामने वित्तीय सलाह देने का मंच देते हैं, तो पहले यह सुनिश्चित करें कि वह व्यक्ति सभी नियामक संस्थाओं, विशेषकर सेबी, से अधिकृत है या नहीं?

यह केवल चैनल की लापरवाही नहीं है – सेबी की तरफ से भी यह एक गंभीर चूक रही है, क्योंकि संजीव भसीन वर्षों तक टीवी पर वित्तीय सलाह और सूचनाएं देते रहे, और सेबी के अधिकारी चुपचाप सोते रहे।

अब अचानक यह कैसे याद आया कि संजीव भसीन सेबी के पंजीकृत विश्लेषक नहीं हैं? कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि इस पूरे खेल में सभी की मिलीभगत है, और इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

लेखक स्वयं भी चार दशकों से अधिक का शेयर बाजार अनुभव रखते हैं और जयपुर स्टॉक एक्सचेंज में निदेशक एवं उपाध्यक्ष के पद पर कार्य कर चुके हैं। ऐसे में क्या ये टीवी चैनल वाले मुझे भी बोलने का मौका देंगे – बिना यह जांचे कि मैं सेबी से अधिकृत या पंजीकृत हूं या नहीं?

यह भी एक विचारणीय प्रश्न है कि सिर्फ संजीव भसीन को ही यह अवसर क्यों दिया गया?

प्रदीप पांड्या

पूर्व सीएनबीसी आवाज़ एंकर

शेयर बाजार में गोपनीय जानकारी लीक करने के कारण 5 वर्षों के लिए प्रतिबंधित

1 करोड़ का जुर्माना

अल्पेश वसांजी फुरिया – टेक्निकल एनालिस्ट

अंदरूनी जानकारी के आधार पर ट्रेडिंग के कारण 5 वर्षों के लिए प्रतिबंधित

1 करोड़ का जुर्माना

रवींद्र बालू भारती – भ्रामक निवेश सलाह देने के लिए प्रतिबंधित

नासिरुद्दीन अंसारी – फर्जी निवेश टिप्स फैलाने और (पूर्व में ट्विटर) पर झूठे बाय/सेल सुझाव देने के कारण प्रतिबंधित

सिमी भौमिक – ज़ी बिज़नेस की गेस्ट एक्सपर्ट, प्रतिबंधित

मुदित गोयल – ज़ी बिज़नेस पर नियमित विश्लेषक, प्रतिबंधित

हिमांशु गुप्ता – ज़ी बिज़नेस गेस्ट एक्सपर्ट, प्रतिबंधित

आशीष केलकर – गेस्ट विश्लेषक, प्रतिबंधित

किरण जाधव – विश्लेषक, प्रतिबंधित

हेमंत घई – सीएनबीसी आवाज़ के एंकर, फर्जी ट्रेडिंग के लिए पूंजी बाजार से प्रतिबंधित

असमिता जितेश पटेल – 'शी वुल्फ ऑफ द स्टॉक मार्केट' और 'ऑप्शन्स क्वीन' के नाम से मशहूर इस लोकप्रिय यूट्यूबर को अनधिकृत निवेश सलाहकार सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबंधित किया गया है। सेबी ने उससे और संबद्ध संस्थाओं से 53.67 करोड़ की अवैध कमाई जब्त की है।

अरशद वारसी और मारिया गोरेटी – बॉलीवुड अभिनेता अरशद वारसी और उनकी पत्नी मारिया गोरेटी 59 संस्थाओं में शामिल थे, जिन्हें साधना ब्रॉडकास्ट के शेयरों की खरीदारी की सिफारिश करने वाले भ्रामक यूट्यूब वीडियो प्रमोट करने के लिए प्रतिबंधित किया गया।

सेबी ने कुल 58.01 करोड़ की अवैध कमाई वापस करने का आदेश दिया। कुछ बड़े टीवी चैनल्स अक्सर कंपनियों के तिमाही नतीजों पर अपनी राय थोपते हैं – 'हमारे अनुमान से कम आए हैं', 'हमारे अनुमान से ज्यादा आए हैं'।

सवाल है–इनके पास ऐसा कौन सा जादुई मैनेजमेंट मैकेनिज्म है, जो कंपनी के अंदर की पूरी जानकारी रखता हो? क्या ये कंपनियां, जो सरकार के सभी कानूनों का पालन करती हैं और जिनके पास प्रोफेशनल ऑडिटर्स हैं, इन टीवी चैनलों के तथाकथित अनुमान से कमतर हैं? और जब ये अनुमान गलत साबित होते हैं, तो बाजार में भारी उतार–चढ़ाव आता है, जिसका शिकार सिर्फ और सिर्फ आम निवेशक ही होता है।

जितने भी विश्लेषक टीवी पर आ रहे हैं, यदि आप उनके पुराने रिकॉर्ड और इतिहास को जांचने की कोशिश करेंगे, तो चौंकाने वाली सच्चाई सामने आएगी। जिन भी कंपनियों को वे रिप्रेजेंट करते हैं, उन कंपनियों के क्लाइंट्स की संख्या उनके तथाकथित विश्लेषकों के टीवी पर आने से पहले क्या थी और आज कितनी है–यह डेटा बताएगा कि कैसे टीवी की पहुंच का फायदा उठाकर ये लोग अपना धंधा बढ़ाते हैं।

पिछले दो दशकों में देश के प्रमुख वित्तीय समाचार चैनलों का एक और घिनौना चेहरा सामने आया है, जो शेयर बाजार की कवरेज से कहीं अधिक चिंताजनक है। जब भी किसी कंपनी से इन चैनलों की कोई मिस अंडरस्टैंडिंग हो जाती है या वह कंपनी इनके साथ मैनेज नहीं हो पाती, तो ये चैनल उस कंपनी के खिलाफ व्यवस्थित मुहिम चलाना शुरू कर देते हैं। यह सिर्फ पत्रकारिता नहीं, बल्कि साफ तौर पर बदले की भावना से प्रेरित व्यावसायिक रणनीति है।

इन चैनलों का तरीका बेहद चालाकी भरा है–वे कंपनियों के खिलाफ नकारात्मक स्टोरीज चलाते हैं, उनके शेयर प्राइस को गिराने की कोशिश करते हैं, और फिर दर्शकों से कहते हैं कि 'हमारी खबर का असर देखिए।' कुछ चैनल विशेष रूप से अत्यधिक पक्षपाती हैं और इनका एकमात्र उद्देश्य बाजार को नकारात्मक रूप से प्रभावित करना, निवेशकों को भ्रमित करना और पैसा कमाना है।

वहीं दूसरी ओर कुछ बड़े ब्रोकिंग हाउस को विशेष तवज्जो देकर उन्हें बार–बार टीवी पर आने का आमंत्रण देते हैं या उनके ऑफिस में पहुंचकर उनके बार–बार टीवी पर इंटरव्यू लेते हैं या किसी कंपनी को बहुत ज्यादा प्रमोट कर दिखाते हैं और जिससे अनाधिकृत रूप से बाजार में उस व्यक्ति विशेष या शेयर विशेष पर तेजी का माहौल बन जाता है यह व्यक्ति विशेष अपने आपको बहुत बड़ा एक्सपर्ट साबित करता है टीवी पर बार–बार आने के माध्यम सेऔर इसमें टीवी चैनल की मार्केटिंग टीम का बहुत बड़ा योगदान होता है।

सबसे गंभीर बात यह है कि इन चैनलों की गतिविधियों के पीछे कहीं विदेशी ताकतों या ऐसे समूहों का हाथ तो नहीं, जो भारत में आर्थिक अस्थिरता या संकट पैदा करने की मंशा रखते हैं। यह संदेह इसलिए और भी गहरा हो जाता है क्योंकि इनकी कार्यप्रणाली में एक स्पष्ट पैटर्न दिखता है – जो कंपनियां इनके सिस्टम में फिट नहीं होतीं, उन्हें निशाना बनाया जाता है। इस गंभीर मुद्दे पर सरकार को तुरंत गहन छानबीन करनी चाहिए।

यह जांच सिर्फ इन चैनलों की वित्तीय पारदर्शिता तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि इनके फंडिंग सोर्स, विदेशी निवेश, और उन ताकतों की पहचान भी करनी चाहिए जो भारतीय अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने में रुचि रख सकती हैं। जब मीडिया की आड़ में व्यावसायिक हित और राष्ट्रीय सुरक्षा के सवाल जुड़ जाते हैं, तो यह सिर्फ शेयर बाजार का मामला नहीं रह जाता–यह देश की आर्थिक संप्रभुता का प्रश्न बन जाता है।

आजकल चैनलों पर 'नो योर मैनेजमेंट' जैसे शो चल रहे हैं, जो दरअसल एक सुनियोजित धोखाधड़ी का हिस्सा हैं। इन शोज के पीछे चैनल की मार्केटिंग टीम महीनों पहले कंपनियों के मैनेजमेंट से संपर्क करती है, स्क्रिप्टेड सवाल–जवाब तय होते हैं, और तय समय पर उन्हें टीवी पर लाया जाता है–तेजी के दौर में या मंदी के दौर में, जैसा बाजार को प्रभावित करने के लिए जरूरी हो। इसका नतीजा यह होता है कि शेयरों में भारी उतार–चढ़ाव आता है। अगर सेबी पिछले दो–तीन महीने के टॉप 200–300 ट्रेडर्स के खातों की जांच करे, तो सच्चाई सामने आ जाएगी कि किस तरह से बाजार को मैनिपुलेट किया जाता है।

हिंडनबर्ग जैसी कंपनियों के शॉर्ट सेलर्स भी यही सब करते हैं–वे बड़ा खेल खेलते हैं, जबकि भारतीय टीवी पर कुछ लोग छोटा खेल खेलते हैं। टीवी चैनल और उन पर आने वाले विशिष्ट विश्लेषकों की हालत यह है कि वे रोज़ कोई न कोई नई–नई शीर्षक और विषय लेकर आते हैं–जैसे अगर क्रिकेट का मौसम है, तो 20 में क्या होगा?, 20 की टॉप टीम कौन?, यदि गणेश चतुर्थी है, तो गणेश जी की कृपा किन शेयरों पर बरसेगी?, या फिर सास, बहू और साजिश की जगह सास, बहू और शेयर बाज़ार जैसे नाम रखकर मार्केट को हिप्नोटाइज़ करने का प्रयास करते हैं।

इस तरह के टाइटल्स और शो की प्रस्तुति से वे निवेशकों को भ्रमित करते हैं और मार्केट में नकारात्मक तरीके से असर डालते हैं। यह सब टीवी चैनलों की मार्केटिंग स्ट्रैटेजी का हिस्सा है कि कैसे ज़्यादा से ज़्यादा लोगों को प्रभावित किया जाए, उन्हें मूर्ख बनाया जाए और मार्केट से आसान तरीके से पैसा कमाया जाए, और अपनी टी आर पी कैसे बढ़ाई जाये। क्योंकि कानून इस क्षेत्र में न तो बहुत स्पष्ट है और न ही सख्त, इसलिए टीवी चैनल, विश्लेषक और एंकर ऐसे कंटेंट बनाते हैं जो किसी न किसी प्रकार की मनोवैज्ञानिक मार्केटिंग रणनीति हो – जिससे उनकी टीआरपी बढ़े और निवेशक उनकी बातों में आकर अपनी बुद्धि का इस्तेमाल किए बिना ही कदम उठाएं।

इस पूरे खेल का उद्देश्य विश्लेषकों और चैनलों को अधिकतम लाभ पहुंचाना है– उन्हें निवेशकों के नुकसान से कोई सरोकार नहीं होता।

सेबी की जिम्मेदारी है कि वह हर निवेशक के एक–एक रुपये की सुरक्षा की गारंटी दे। लेकिन आज हालात यह हैं कि सेबी खुद दंतविहीन नजर आ रही है। जिन विश्लेषकों ने करोड़ों कमाए, उन पर मामूली पेनल्टी लगती है, और वे फिर से सक्रिय हो जाते हैं। आम निवेशक को न तो उसका पैसा वापस मिलता है, न ही न्याय। यह एक तरह का साइबर फ्रॉड है, जिसमें लोगों को प्रलोभन देकर उनके विवेक को हिप्नोटाइज किया जाता है।

संसद में उठने चाहिए कड़े सवाल :–मैं दोनों सदनों के सभी सम्मानित सांसद महोदयों से यह जोरदार अपील करता हूँ कि वे माननीय वित्त मंत्री महोदय से यह जानकारी अवश्य प्राप्त करें तथा संसद में इस विषय पर तीखे प्रश्न उठाएँ।

अब तक ऐसे कितने विश्लेषकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है?

उनसे कितनी राशि वसूल या ज़ब्त की गई है?

जो निवेशक उनके झांसे में आकर प्रभावित हुए और ठगे गए, उन्हें कितना नुकसान हुआ?

इस नुकसान की भरपाई सेबी ने किस प्रकार की है?

क्या उन निवेशकों को न्याय मिला?

संसद में यह सवाल उठाना जरूरी है कि सेबी ने टीवी चैनलों और विश्लेषकों की सांठगांठ को रोकने के लिए क्या कठोर कदम उठाए हैं? क्या ऐसे कायदे–कानून बनाए गए हैं जिससे निवेशक इन चैनलों और विश्लेषकों के प्रभाव से बच सकें? वर्तमान में सेबी के नियम इतने कमजोर हैं कि विश्लेषक करोड़ों कमाते हैं और मामूली पेनल्टी भुगतकर फिर से सक्रिय हो जाते हैं।

सेबी को चाहिए कि वह टीवी चैनलों पर आने वाले विश्लेषकों की स्थायी रूप से जांच करे, और बिना अनुमति के किसी भी तरह की सलाह देने पर सख्त प्रतिबंध लगाए। टीवी चैनलों द्वारा कंपनियों के नतीजों पर अपनी राय देने की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगे। 'नो योर मैनेजमेंट' जैसे शोज की सख्त निगरानी हो, ज्यादा बेहतर हो कि इस प्रकार के शोज को बंद ही कर दिया जाए और चैनल मार्केटिंग टीम, एंकर, विश्लेषकों के फोन और अकाउंट्स की जांच की जाए। आम निवेशक को मुफ्त की सलाह से बचना चाहिए, और केवल प्रमाणित, फीस लेकर सलाह देने वाले सलाहकारों पर ही भरोसा करना चाहिए।

अब जबकि यह एक स्थापित तथ्य बन चुका है कि टीवी चैनलों पर मुफ्त टिप्स और सलाह देने वाले विश्लेषक न तो ईमानदार हैं और न ही निष्पक्ष हैं, बल्कि उनके अपने निहित स्वार्थ हैं, तो फिर सेबी इस हेरफेर भरी प्रथा पर प्रतिबंध क्यों नहीं लगा रही है? विकसित देशों में इस तरह की प्रथाओं की सख्त मनाही है – अमेरिका में प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग और यूरोप में यूरोपीय प्रतिभूति एवं बाजार प्राधिकरण जैसी संस्थाएं इस तरह के मैनिपुलेशन को बर्दाश्त नहीं करतीं। वहां टीवी पर आने वाले हर विश्लेषक को अपने हितों का खुलासा करना पड़ता है, और बिना रजिस्ट्रेशन के कोई भी व्यक्ति निवेश सलाह नहीं दे सकता।

भारत में जब हजारों करोड़ों का घोटाला हो चुका है, जब संजीव भसीन से लेकर असमिता पटेल तक के मामले सामने आ चुके हैं, जब यह साबित हो चुका है कि ये तथाकथित विशेषज्ञ पहले शेयर खरीदते हैं और फिर टीवी पर उनकी सिफारिश करते हैं, तो फिर सेबी की यह चुप्पी समझ से परे है। क्या सेबी को लगता है कि भारतीय निवेशक विकसित देशों के निवेशकों से कम सुरक्षा के हकदार हैं? क्या हमारे यहां आम निवेशक की गाढ़ी कमाई की कोई कीमत नहीं है?

सेबी को तुरंत इस मैनिपुलेटिव प्रथा पर स्थायी प्रतिबंध लगाना चाहिए, क्योंकि अब यह सिर्फ नियामक विफलता नहीं, बल्कि भोले–भाले निवेशकों के साथ धोखाधड़ी में मूक सहयोग का मामला बन गया है। जब तक यह व्यवस्था जारी रहेगी, तब तक आम निवेशक इन चैनलों और विश्लेषकों के चंगुल में फंसता रहेगा, और उसकी मेहनत की कमाई इन तथाकथित विशेषज्ञों की जेब में जाती रहेगी। जैसे चुनाव प्रचार मतदान से पहले बंद हो जाता है ताकि मतदाता अपने विवेक से फैसला कर सके, वैसे ही शेयर बाजार में भी टीवी चैनलों की यह कवरेज सीमित होनी चाहिए। सरकार, वित्त मंत्रालय, कॉर्पोरेट मंत्रालय, सेबी, एनएसई, बीएसई – सभी को मिलकर इस खेल पर सख्त लगाम लगानी चाहिए।

वरना वह दिन दूर नहीं जब आम निवेशक की गाढ़ी कमाई पूरी तरह लुट जाएगी, और बाजार का नियंत्रण सरकार के हाथ से बाहर हो जाएगा। अब वक्त आ गया है कि सेबी और सरकार मिलकर इस मायावी जाल को तोड़ें, सख्त कानून बनाएं, और दोषियों को कड़ी सजा दें। तभी शेयर बाजार सच में पारदर्शी, सुरक्षित और आम निवेशक के लिए फायदेमंद बन सकेगा। यह सिर्फ एक आर्थिक मुद्दा नहीं है – यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। और इसे इसी नजरिए से देखा जाना चाहिए।

–सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

राशिफल रविवार 13 जुलाई, 2025

पंडित अनिल शर्मा

सावन मास, कृष्ण पक्ष, तृतिया तिथि, रविवार, विक्रम संवत 2082, श्रवण नक्षत्र प्रातः 6:35 तक, प्रीति योग सायं 6:01 तक, वणिज करण दिन 1:25 तक, चन्द्रमा आज सायं 6:53 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य–मिथुन, चन्द्रमा–मकर, मंगल–सिंह, बुध–कर्क, गुरू–मिथुन, शुक्र–वृष, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह राशि में।

आज राजयोग प्रातः 6:53 से रात्रि 1:03 तक है। भद्रा दिन 1:25 से रात्रि 1:03 तक रहेगी। आज शनि वक्री प्रातः 9:40 पर होगा। पंचक सायं 6:55 से आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर 7:27 से 9:09 तक, लाभ–अमृत 9:09 से 12:32 तक, चर 12:32 से 3:56 तक।

राहूकालः 4:30 से 6:00 तक। सूर्योदय 5:45, सूर्यास्त 7:19

मेष
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। आज महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्यों में प्रगति होगी। आज धार्मिक स्थान की यात्रा संभव है।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी हो सकती है।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी।

सिंह
स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त–व्यस्त दिनचर्या व्यवस्थित होने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित सुविधाएं बढ़ेगी।

कन्या
आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें।

तुला
घर–परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज भाई–बंधुओं के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

धनु
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

मकर
अपने अति आवश्यक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कुंभ
आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। मन में असंतोष बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मीन
आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। आवश्यक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। घर–परिवार में सुख–सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सार-समाचार

करंट लगने से युवक की मौत

करौली, (निसं)। करौली के जिला सामान्य चिकित्सालय के पास शुक्रवार को हरिजन बस्ती के रहने वाले 10वीं कक्षा के छात्र दीपक माली की विद्युत खंभे से करंट लगने से मौत हो गई। बारिश के दौरान दीपक माली जिला अस्पताल के पास से गुजर रहा था। वह एक लोहे के विद्युत खंभे के संपर्क में आ गया। और खंभे में उस समय करंट प्रवाहित हो रहा था। स्थानीय लोगों ने तुरंत दीपक को करौली सामान्य चिकित्सालय पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे जयपुर रैफर किया गया। रास्ते मे ही दीपक पुत्र मुकेा माली की मौत हो गई घटना की सूचना मिलते ही परिजन अस्पताल पहुंचे। उन्होंने विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाया। परिजनों ने आर्थिक सहायता और दोषियों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की। अस्पताल मे ोर रावा व हंगामे कि सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस, करौली विधायक दर्शन सिंह गुर्जर और विद्युत विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे। जिन्होने परिजनों को आर्थिक सहायता का आश्वासन देते हुए समझाई कि जिस पर परिजन मान गये पुलिस ने कानूनी कार्यवाही करते हुए पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। इस घटना के बाद क्षेत्र के लोगों ने सार्वजनिक स्थलों पर लटकते तारों और खुले विद्युत खंभों की स्थिति पर सवाल उठाए हैं। (फोटो-पी-2)

विद्यालय में हुआ दीक्षा कार्यक्रम

करौली, (निसं)। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय पीतूपुरा में गिवार को स्काउट-गाइड दीक्षा कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय में नियुक्त स्काउटर एडवांस कोर्स प्रशिक्षित शिक्षक प्रेमराज मीना के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. विमल कुमार चतुर्वेदी ने की एवं रामराज मीना मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। स्काउटर प्रेमराज मीना के उल्लेखनीय कार्यों में राष्ट्रपति अवार्ड हेतु चार बालकों का नामांकन, लगभग 20 विद्यार्थियों को राज्यपाल पुरस्कार, 73 विद्यार्थियों को तृतीय सोपान सर्टिफिकेट, तथा 18वी राष्ट्रीय जंबूरी एवं प्रधानमंत्री शील्ड अवार्ड जैसे प्रमाणपत्रों की उपलब्धियाँ शामिल हैं। सचिव राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड स्थानीय संघ करौली मुकेश सारस्वत ने बताया कि विद्यालय में स्काउट-गाइड गतिविधियों को और सशक्त रूप से आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया गया है एवं निकट भविष्य में इस विद्यालय के विद्यार्थी भी नव पदस्थापित स्काउट मास्टर के सहयोग से राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त करेंगे।स्काउट गाइड विद्यार्थियों ने इस अवसर पर। वृक्षारोपण कर उनकी सुरक्षा और देखभाल की जिम्मेदारी ली । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर प्रधानाचार्य डॉ विमल शर्मा ने दीक्षा ले रहे स्काउट गाइड को स्कार्फ पहनाकर दीक्षा दिलाई इस अवसर पर गाइडर श्रीमती नीतू अठावाल,समस्त विद्यालय स्टाफ एवं बडी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य डॉ. चतुर्वेदी ने सभी का आभार प्रकट किया एवं स्काउटर प्रेमराज मीना को उज्ज्वल भविष्य की कामना दी।

बारिश ने गर्मी से दिलाई राहत

गंगापुर सिटी, (निसं)। उपखण्ड मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्र में एक बार फिर मानसून पूरी तरह से सक्रिय हो गया है। शनिवार को दोपहर बाद मौसम का मिजाज एकाएक बदल गया और रुक-रुककर कभी धीमी और कभी तेज बारिश का दौरा चला। अच्छी बारिश के बाद शहर सहित आसपास कई जगह सडकों पर पानी जमा हो गया। वहीं बारिश के बाद तापमान में गिरावट आने से गर्मी और उमस से लोगों को काफी राहत मिली। वहीं बारिश से किसान भी खुश दिखाई दिए। गौरतलब है कि विगत 2-3 दिनों से गंगापुर सिटी सहित आसपास के क्षेत्र में बारिश नहीं होने से गर्मी और उमस से लोगों का हाल बेहाल हो गया। लोग बारिश की उम्मीद लगाए हुए थे, लेकिन बारिश नहीं हो रही थी। हालांकि इस दौरान आसमान में बादल छाए लेकिन बारिश नहीं होने से लोगों को निराशा हाथ लगी। गर्मी का आलम यह था कि शरीर में चिपचिपाहट होने लगी और लोग उमस से बेहाल रहे। शनिवार को शाम को मौसम का मिजाज एकाएक बदल गया और आसमान में बादल छा गए। बादलों को देखकर लोगों को बारिश की एक बार फिर उम्मीद जगी। बूंदाबांदी का दौर शुरू हो गया और रात भर कभी धीमी गति से और कभी तेज गति से बारिश का दौर चलता रहा। शहर में फवारा चौक, नया बाजार, सालोदा, उदेई मोड सहित कई जगहों पर सडकों पर काफी मात्रा में पानी भर गया। बारिश के बाद जहां किसान खुश है और इससे खरीफ फसलों को लाभ मिलेगा।

हम्मीर ब्रिज विस्तारीकरण कार्य का कलक्टर ने किया निरीक्षण

सवाई माधोपुर, (निसं)। जिला कलक्टर काना राम ने शुक्रवार को हम्मीर ब्रिज के चौड़ाईकरण एवं विस्तारीकरण कार्य का निरीक्षण कर निर्माण की प्रगति का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए निर्माण कार्यों को गति देने एवं शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए ताकि आमजन को ट्रैफिक जाम से राहत मिल सके।

उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा शहर की यातायात समस्या के स्थायी समाधान हेतु हम्मीर ब्रिज के विस्तारीकरण कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है, ताकि नागरिकों को सुगम, सुरक्षित और निर्बाध आवागमन की सुविधा मिल सके। निरीक्षण के दौरान उन्होंने हम्मीर आरओबी (रेलवे ओवर ब्रिज) के अस्थायी फाउंडेशन कार्य में तेजी लाने एवं रेलवे विभाग के समन्वय से बो स्ट्रिंग गर्डर (रेलवे मुख्य स्पान) लॉन्चिंग शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने पिंक पैलेस साइड के रोड पर सिविल लाइन को स्थानांतरित कर चौड़ाईकरण कार्य शीघ्र शुरू करने की बात कही।

- **अधिकारियों को समन्वय से कार्य शीघ्र पूर्ण करने के दिए निर्देश**

जिला कलक्टर काना राम ने हम्मीर ब्रिज के चौड़ाईकरण एवं विस्तारीकरण कार्य का निरीक्षण कर निर्माण की प्रगति का जायजा लिया।

कलक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए कि ब्रिज पर बने गड्ढों को तत्काल भरा जाए ताकि वर्षा ऋतु में राहगीरों को किसी भी प्रकार की दुर्घटना का सामना न करना पड़े।उन्होंने एनएचएआई, नगर परिषद, रेलवे व सार्वजनिक निर्माण विभाग को आपसी समन्वय से कार्य करते हुए सितंबर 2025 तक सभी निर्माण कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। अधिकारियों से कार्य में आ रही बाधाओं की जानकारी लेते हुए उन्होंने संरचनाओं के हटाने, रेलवे अनुमोदन व अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।जिला कलेक्टर ने लालसोट साइड एवं टोंक साइड रैंप कार्य में तेजी लाने और रेलवे ट्रैक के दोनों ओर सुरक्षा मानकों के अनुरूप स्टेजिंग कार्य सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही निर्माण स्थल पर आ रही सीवरेज लाइनों को स्थानांतरित कर बाधा मुक्त कार्य संपादन के निर्देश दिए।

इस दौरान एनएचएआई के अधिशासी अभियंता वेद प्रकाश शर्मा ने बताया कि रेलवे सहित सभी आवश्यक विभागों से प्रशासनिक स्वीकृतियां प्राप्त हो चुकी हैं। होटल पिंक पैलेस एवं अन्य मुआवजा प्राप्त संरचनाओं का डिस्मेंटल कार्य प्रगति पर है और चौड़ाईकरण तेजी से चल रहा है।

मन्दिर की दानपेटी चोरी

नदबई/भरतपुर, (निसं)। नदबई क्षेत्र के गांव लखनपुर के खाटूश्याम मन्दिर पर देर रात अज्ञात चोर, दानपेटी की चोरी कर ले गया। मंदिर महंत की सूचना पर लखनपुर थाना पुलिस ने मौके पर जांच पडताल की।

सीसीटीवी कैमरों की जांच पडताल कर अज्ञात बदमाश का सुराग लगाने का प्रयास किया। लेकिन, पुलिस को सफलता नही मिल सकी। विभागीय सूत्रों की मानें तो देर रात पूजा अर्चना के बाद मन्दिर महंत हनुमानदास बाबा अपने कमरें में सो रहा। इसी दौरान अज्ञात बदमाश, मुख्यद्वार का ताला तोड़ते हुए मन्दिर में प्रवेश कर गया। बाद में खाटूश्याम बाबा की प्रतिमा के समीप रखी दानपेटी को लेकर फरार हो गया। सुबह पूजा-अर्चना करने दौरान दानपेटी गायब मिलने पर मंदिर महंत ने पुलिस को सूचना दी। लखनपुर थाना पुलिस ने मौके पर जांच पडताल की। लेकिन, अज्ञात युवक का सुराग नही लग सका। गौरतलब है कि, 6 जुलाई की रात लखनपुर में करीब एक दर्जन ट्यूबवैल से केबल चोरी की वारदात हुई।

बड़ का पुरा में सवामणी कार्यक्रम आयोजित

हिण्डौन सिटी, (निसं)। बड़ का पुरा में स्थित शनिवार को सवामणी कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं सहित ग्रामीणों को भोजन प्रसादी पाई।

वन्दना पब्लिक स्कूल में विद्यालय समय पश्चात सवामणी का कार्यक्रम आयोजित हुआ इस अवसर पर ग्राम के प्रतिष्ठित व्यक्ति व छात्र-छात्राओं ने भोजन प्रसादी पाई। प्रधानाचार्य ने बताया सफल हुए छात्र-छात्राओं का स्वागत करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के दौरान पूर्व छात्र डॉ. रोहित कुमार, आईईएस मनीष कुमार, पूर्व छात्रा डॉ. भावना जाटव का भी स्वागत किया। कार्यक्रम में प्रधानाचार्य प्रकाशचंद जाटव, प्रधानाचार्य मानसिंह जाटव, ताराचंद जाटव, पूरणमल, राकेश जगरिया, प्रधानाचार्य उदयसिंह, रतिराम, प्रधानाचार्य ओमप्रकाश सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

सवामणी कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने भोजन प्रसादी पाई।

इसी तरह भण्डारी परिवार की ओर से हनुमान चालिसा समारोह आयोजित किया गया। सवामणि एवं हनुमान चालीसा पाठ का आयोजन भूरोदेवी एवं श्री हाकिमसिंह भण्डारी के यहां आयोजित किया गया। इस अवसर पर कई ग्रामवासियों ने प्रसादी पाई। कार्यक्रम में हनुमान चालीसा पाठ, हवन एवं पूर्णाहुति एवं समस्त ग्रामवासी को भोजन प्रसादी का आयोजन हुआ। इस अवसर पर मानसिंह जाटव, रामस्वरूप भण्डारी, जगदीश, हाकिमसिंह, वकील, डॉ. सुनील भण्डारी, विक्रम भण्डारी भूरसिंह, डॉ. निरमा भण्डारी, बन्दना भण्डारी, अंजना ओव्या भण्डारी, शान्तिदेवी वीरवती आदि मौजूद रहे।

धार्मिक आयोजनों की धूम रही

गंगापुर सिटी, (निसं)। नहर स्थित कुशालगढ के बाबा श्री श्याम मंदिर के द्वितिय पाटोत्सव पर शनिवार को धार्मिक आयोजनों की धूम रही।

कुशालगढ के बाबा श्री श्याम मंदिर कमेटी की ओर से आयोजित रामायण पाठ के शनिवार को समापन पर हवन-यज्ञ का आयोजन किया गया। इसके बाद बाबा श्याम का पंचामृत स्नान पंडित अशोक दीक्षित के सानिध्य में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया गया। इसके बाद बाबा श्याम का नोटो से बडा ही आलौकिक श्रृंगार किया गया। इससे पहले सामुहिक हनुमान चालीसा पाठ भी किया गया। इसके बाद बाबा श्याम का भव्य अभिषेक किया गया। इस दौरान नई पौशाक पहनाकर आकर्षक श्रृंगार कर विशेष पूजा अर्चना की गई। दोपहर भोग आरती में बाबा श्याम को छप्पन भोग परोस कर मनुहार पूर्वक भोग लगाया गया। पाठ के समापन पर कन्याओं को जिमाया गया। कार्यक्रम संयोजक संतोष महंत, गौरव पंडित, अतुल मधुबन, गोलू सरदार और दीपक सलेमपुर ने बताया कि सुबह मंगला के साथ ही बाबा के भक्तो रैला शुरू हो गया। जो कि पट बंद होने तक अनवरत चलता रहा। आज बाबा श्याम के दर्शन दिनभर खुले रहे जिससे भक्तो को परेशानी नहीं उठानी पडी। सभी भक्त कतारबद्ध होकर बाबा श्याम के जयकार लगाते हुए दर्शन कर रहे थे वहीं वॉलियंटर्स व्यवस्थाओ को संभालने का काम कर रहे थे।

निगरानी समिति की बैठक 16 को

करौली, (निसं)। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शिवचरण मीना ने बताया कि जिला विकास समन्वय व निगरानी समिति की वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय त्रैमासिक बैठक सांसद भजनलाल जाटव की अध्यक्षता में 16 जुलाई को प्रात: 11 बजे से जिला कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक तैयारियों के साथ उपस्थित होने के निर्देश जारी किये हैं।

सार-समाचार

ट्रेलर ने बाइक सवार दंपत्ति को कुचला

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर के मथुरा गेट थाना इलाके के सारस चौराहे पर सुबह एक ट्रेलर ने बाइक सवार दंपत्ति को बुरी तरह रौंद दिया था। उसी जगह एक और बड़ा हादसा होने से टल गया। आगरा जयपुर नेशनल हाइवे पर एक ट्रैक्टर ट्रॉली अनियंत्रित होकर स्पीड में रॉंग साइड चली गई। गनीमत यह रही कि ट्रैक्टर ट्रॉली किसी वाहन से नहीं टकराई। पुलिस का कहना है ट्रैक्टर ट्रॉली के ड्राइवर ने शराब पी हुई थी। सारस चौकी इंचार्ज एएसआई राधा किशन ने बताया कि घटना दोपहर करीब डेढ बजे की है। एक ट्रैक्टर ट्रॉली चालक केवलादेव घना पक्षी विहार की तरफ से आगरा की तरफ जा रहा था। चालाक ट्रैक्टर ट्रॉली को काफी स्पीड में चला रहा था। जैसे ही वह सारस चौराहे पर पहुंचा तो, अचानक ट्रैक्टर ट्रॉली डिवाइडर से टकरा गई। डिवाइडर से टकराते ही ट्रैक्टर ट्रॉली डिवाइडर पार कर आगरा जयपुर नेशनल हाईवे की दूसरी तरफ जयपुर जाने वाले रास्ते पर पहुंची। गनीमत यह रही कि वहां से कोई वाहन नहीं जा रहा था नहीं तो, ट्रैक्टर ट्रॉली से टकराने से कोई बड़ा हादसा हो सकता था। घटना को देख तुरंत पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। जिसके बाद उन्होंने ड्राइवर को देखा तो, पता लगा उसने शराब पी हुई है। जिसके बाद उसका मेडिकल करवाया गया। ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया है। ट्रैक्टर ट्रॉली को जब्त कर लिया गया है। ड्राइवर ने पूछताछ में अपना नाम वीरेंद्र निवासी जाटौली घना होना बताया है।

कॉलेज आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

गंगापुर सिटी, (निसं)। राजकीय पीजी कॉलेज में प्रथम सेमेस्टर के छात्र-छात्राओं ने दस्तावेज जमा करने की समय सीमा बढाने करते हुए कॉलेज प्रिंसिपल सुमित्रा मीणा के माध्यम से कॉलेज आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। छात्र नेता सीताराम गुर्जर ने बताया कि प्रथम वर्ष के कई स्टूडेंट के ट्रांसफर सर्टिफिकेट और जाति प्रमाण पत्र अभी तक तैयार नहीं हो पाए हैं। साथ ही अधिकांश छात्रों के मूल दस्तावेज भी अधूरे हैं। छात्र मनोज सैनी ने बताया कि नए शैक्षणिक सत्र में प्रवेश के दौरान फीस जमा करने में तकनीकी समस्याएं आ रही है। इस मुद्दे को भी प्रिंसिपल के समक्ष रखा गया। ज्ञापन देने के दौरान सीताराम गुर्जर, मनोज सैनी, अंजली गुर्जर, मोनिका प्रजापत, मेघा भंडारी, भारती माली और समीक्षा खटाना मौजूद रहे।

गुरू व महंतों का किया सम्मान

करौली, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के निर्देानुसार करौली जिले के भाजपा जिला अध्यक्ष गोवर्धन सिंह जादौन एवं कार्यक्रम के जिला संयोजक पूर्व विधायक रमेश मीणा के नेतृत्व में जिला एवं मंडल स्तर पर गुरुजनों एवं मंहत्तो का सम्मान किया गया। इसी क्रम में करौली शहर मंडल पर गोमती कॉलोनी स्थित संत गोमती दास के आश्रम पर संत एवं पुजारियो का सम्मान किया गया। इस दौरान जिला महामंत्री सुरेश शुक्ला,जिला उपाध्यक्ष योगेश शर्मा उर्फ योगी,शहर मंडल अध्यक्ष आशुतोष तिवारी,मंडल मंत्री कपिल देव पाराशर, पुरुषोत्तम शर्मा,जगदीश तिवारी,अज्जू पाराशर आगरा वाले,देवेंद्र शर्मा एडवोकेट, सीताराम शर्मा एडवोकेट, पंडित महेश व्यास,विनोद शर्मा, पूरन शुक्ला आदि लोग उपस्थित रहे।

पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन

गंगापुर सिटी,(निसं)। महात्मा गांधी राजकीय स्कूल नंबर 3 में एक विशेष पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम भारत सरकार के अमृत पर्यावरण महोत्सव और राजस्थान सरकार के मुख्यमंत्री पौधारोपण महा अभियान के तहत आयोजित किया गया। सवाई माधोपुर के जिला शिक्षा अधिकारी देवीलाल मीणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। शहरी संकुल केंद्र प्रभारी ओम प्रकाश बैरवा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। जिला अध्यक्ष रूप सिंह मीणा विशिष्ट अतिथि थे। मुख्य अतिथि मीणा ने वनों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि वन वर्षा को आकर्षित करते हैं। वे जलवायु संतुलन बनाए रखते हैं। वन मृदा संरक्षण में मदद करते हैं। साथ ही ग्लोबल वार्मिंग की समस्या के समाधान में योगदान देते हैं। संकुल प्रभारी ओमप्रकाश बैरवा ने छात्रों को प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किशोर को कम से कम 10 पेड लगाने हैं। छात्रों को स्कूल और घर के आसपास खाली जगह पर पेड लगाने की सलाह दी गई।

सीवरेज लाइन का काम अधूरा, कॉलोनी में भरा पानी

सवाई माधोपुर। नगर परिषद प्रशासन की लापरवाही व अनदेखी के कारण चलते हुए सीवरेज लाइन के अभाव में लोग जलभराव जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। जानकारी अनुसार यह मामला सवाई माधोपुर न्यू शूटिंग लोज रोड डॉ, अशोक मीणा के सामने वाली गली गणपति नगर का है। सीवरेज लाइन के अभाव में चलते अधिकांश जगह गलियों में सिवरेज लाइन डाली हुई है। जबकि चौथी गली में सिवरेज की लाइन नहीं डाली गई है।

कॉलोनी वासियों का कहना है कि कॉलोनी में लगभग लगभग सभी मकानों का निर्माण भी हो चुका है। रामावतार गुप्ता,मनीष जैन,टिंकू जांगिड,बुद्धि प्रकाश सैनी,केशव,मोनू गुप्ता,संजय शर्मा, भरत, आदि अन्य कॉलोनियों वासियों ने जानकारी में बताया कि नगर परिषद एवं जनप्रतिनिधियों को भी जानकारी में बताया लेकिन अभी तक प्रशासन ने समस्याओं का समाधान नहीं किया गया।कॉलोनी में लोग सीवरेज की समस्या से परेशान हैं। करीब कई महीनो से सीवरेज के चलते गंदा पानी रास्ते पर फैला हुआ है। बारिश के दौरान यह समस्या और बढ जाती है,क्योंकि पानी निकलने का रास्ता नहीं होने के कारण बारिश का पानी एकत्रित हो जाता है। अब तो पानी में फिसलने का डर और सता रहा है। ऐसा नहीं है कि इस संबंध में शिकायत नहीं की गई। लेकिन समस्या ज्यों की त्यों बनी हुई है। बारिश के दौरान मच्छर बढने से बीमारियां फैलने का डर भी सताने लगा है। सिवरेज लाइन के अभाव के चलते के कारण गंदगी रोड पर फैल रही है। गणपति नगर कॉलोनी में पिछले उन्होंने बताया कि गंदा पानी कॉलोनी में फैला हुआ है। मजबूर लोगों को उसी में होकर गुजरना पड रहा है। हालात यह है कि आसपास के घरों में 24 घंटे पानी बदबू मारता है। साथ ही गंदगी के साथ पानी भी एकत्रित होने के कारण लोगों को फिसलने का डर सताता रहता है। इस संबंध में नगर परिषद के उच्चाधिकारियों तक शिकायत की गई है, लेकिन अभी तक समस्या का कोई हल नहीं निकला है।इन समस्याओं से गुजर रहे लोग इस गंदगी और बदबूदार पानी के कारण कॉलोनी में घरों के आसपास गंदगी फैली हुई है। मच्छर पनपने के कारण बीमारियां फैलने की दहशत बनी हुई है। आसपास के खाली प्लॉटों में पानी जमा होने से मच्छर बढ रहे हैं। जिससे अन्य बीमारियों का होने का अंदेशा बना हुआ है। बताया कि जिससे कॉलोनी वासियों ने सीवरेज लाइन की समस्या उत्पन्न ना हो जिसको लेकर जिला प्रशासन एवं नगर परिषद प्रशासन से कॉलोनी निवासियों ने सीवरेज लाइन डलवाने मांग की। स्थानीय लोगों ने बताया कि नगर परिषद को शिकायत की है, लेकिन करीब कई महीने से समस्या का कोई समाधान नहीं हुआ है। बारिश में हालात और ज्यादा खराब हो रहे हैं। मच्छर बढ रहे हैं तो पानी बदबू मारने लग रहा है जिससे लोग परेशान हैं।

सीवरेज लाइन का काम अधूरा होने से कॉलोनी में भरा पानी।

धार्मिक कार्यक्रम आयोजित

भरतपुर, (निसं)। भुसावर कस्बे के हिंडौन सडक मार्ग स्थित प्राचीन शीतला माता मंदिर पर आषाढ मास की पूर्णिमा के पावन अवसर पर शीतला माता भक्त मंडल के सहयोग से मंदिर प्रांगण में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जहां श्रद्धालुओं ने दर्शन कर मनौतिया मांगी गई। शीतला माता मंदिर के भगत गोविंदा प्रजापत ने जानकारी देते हुए बताया कि शीतला माता मंदिर के प्रांगण में आषाढ मास की पूर्णिमा के पावन अवसर पर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन भक्त मंडल और जन सहयोग से किया गया। जहां सर्वप्रथम मां शीतला देवी की प्रतिमा का अलौकिक, मनमोहक श्रृंगार किया गया और दोपहर बाद भजन, कीर्तन सत्संग कार्यक्रम का आयोजन महिला मित्र मंडली के द्वारा भजनों के माध्यम से शीतला माता का आवाहन करते हुए एक बार मां आ जाओ फिर आकर चली जाना,, आ जाओ शीतला माता घर के मुकाम में,, कैसी बैठी विकट पहाड़न में,, मां के बीच भवन में लटके बाजे टुनटुनईया,, कन्या बनकर के मैया आ जइयो आदि भजन सुनाते हुए लांगुरिया सुना कर उपस्थित श्रद्धालुओं को नृत्य करने पर मजबूर कर दिया। भजन संध्या, कीर्तन, सत्संग का समापन मां शीतला देवी, कोठी वाले हनुमान जी, ठाकुर जी, भैरव बाबा, भगवान शनि देव को 21 किलो निर्मित सामठी का भोग लगाकर वितरण किया गया। जहां कस्बा भुसावर सहित आसपास के ठामीण अंचल के लोगों ने दर्शन करते हुए मनौतिया मांगते हुए माता रानी से परिवार में सुख, शांति,समृद्धि एवं क्षेत्र में खुशहाली की मनोकामनाएं मांगी गई।

चिकित्सालय परिसर में 151 पौधे लगाए

रुदावल/भरतपुर, (निसं)। भाजपा द्वारा चलाए जा रहे वन एवं पर्यावरण तथा एक पेड मां के नाम अभियान के तहत भाजपा मंडल रुदावल के पदाधिकारियों ने सीएचसी के चिकित्साकर्मियों के साथ चिकित्सालय परिसर में पौधरोपण किया।

मंडल अध्यक्ष वीरेन्द्र सिंह व अभियान के संयोजक सत्यप्रकाश गुर्जर व सह संयोजक कुलदीप लवानियां के नेतृत्व में चिकित्सालय परिसर में 151 पौधे लगाकर इनका संरक्षण करने का संकल्प लिया। साथ ही इस अभियान के अन्तर्गत अधिक संख्या में सार्वजनिक स्थानों व घरों में पेड लगाने के लिए प्रेरित किया। पौधरोपण कार्यक्रम में महिलाओं ने भी उत्साह के साथ अपनी भागीदारी निभाई। संयोजक सत्यप्रकाश गुर्जर ने बताया कि प्रथम चरण में चिकित्सालय परिसर में 151 पेड लगाकर उनकी देखभाल करते हुए पौधों के पोषण, संरक्षण एवं संवर्धन का संकल्प लिया है। इस साथ ही अन्य स्थानों पर भी 5000 पौधे लगाने का भी लक्ष्य रखा है। इन पेडों के संरक्षण करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को जिम्मेदारी दी जाएगी। इस अवसर पर चिकित्सा प्रभारी डा. राहुल गर्ग ने पेड़ों से होने वाले लाभों के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि पेड़ हमारी व आगे आने वाली पीढी के जीवन के लिए बहुत आवश्यक हैं।

भरतपुर में वन एवं पर्यावरण अभियान में भाजपा कार्यकर्ता व चिकित्साकर्मियों ने चिकित्सालय परिसर में 151 पौधे लगाए।

कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा, करौली

क्रमांक:- समसा/करौली/लेखा/2025-26/577 दिनांक: 11.07.2025

खुली निविदा सूचना संख्या - 12,13,14/2025-26

कार्यालय अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा करौली में वित्तीय वर्ष 2025-26 में विभिन्न गतिविधि पर आधारित प्रशिक्षणो में बैठक एवं आवास व्यवस्था (अनुमानित लागत-550000), अल्पाहार एवं भोजन (अनुमानित लागत-975000), टेंट एवं फर्नीचर व्यवस्था (अनुमानित लागत- 350000) की आवश्यकता है। इच्छुक निविदादाता/फर्म अपनी दरे कार्यालय में निर्धारित दिनांक-11.07.2025 से 17.07.2025 दोपहर 12.00 बजे तक प्रस्तुत कर सकते है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण कार्यालय में कार्यालय समय एवं sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है।

Nit 12-UBN NO.- RSE2526SSOB00361
Nit 13-UBN NO.- RSE2526SSOB00362
Nit 14-UBN NO.- RSE2526SSOB00359

(सर्वेश कुमार गुप्ता)
अति. जिला परियोजना समन्वयक
समग्र शिक्षा, करौली

भरतपुर में सारस चौराहे पर भीषण सड़क हादसा, महिला समेत दो की मौत

गैस टैंकर की टक्कर से बाइक सवार महिला समेत दो जनों की मौत हो गई, टैंकर चालक फरार हुआ

भरतपुर, (निसं)। भरतपुर में आगरा-जयपुर नेशनल हाइवे स्थित सारस चौराहे के पास एक गैस टैंकर ने दो बाइक सवारों को कुचल दिया। हादसे में महिला और पुरुष दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना मथुरा गेट थाना इलाके के सारस चौराहे के पास शनिवार सुबह छह बजे के करीब हुई। दंपती रोड क्रॉस कर रहे थे, इस दौरान जयपुर से आगरा की तरफ जाते टैंकर ने दोनों को कुचल दिया।

सारस चौकी इंचार्ज एएसआई राधा किशन ने बताया सुबह लगभग छह बजे एक गैस टैंकर जयपुर से आगरा की तरफ जा रहा था। इसी दौरान पुलिस लाइन की तरफ से बाइक पर आए दंपती ने रोड क्रॉस किया। टैंकर ने बाइक को साइड से चपेट में लिया और घसीटते हुए ले गए। इसके बाद बाइक और दंपती सारस चौराहे से टकराए। उनकी ऑन स्पॉट डेथ हो गई। सारस चौकी पुलिस और मथुरा गेट थाना पुलिस मौके पर पहुंची। टैंकर ड्राइवर गाड़ी वहीं छोड़कर फरार हो चुका था। दंपती के शव और बाइक डिवाइडर के पास पड़े मिले। बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। शवों की तलाशी लेने पर मिले दस्तावेज से दोनों की शिनाख्त हुई। व्यक्ति का नाम नेत्रपाल गुर्जर (36) और उसकी पत्नी कृपा (32) निवासी हेलक (भरतपुर) हैं। शिनाख्त के बाद दोनों के परिजनों को घटना की सूचना दी। आरबीएम अस्पताल की मॉर्च्युरी में शवों को रखवाया गया है।

भरतपुर में सारस चौराहे पर हुये भीषण सड़क हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ लग गई।

- दंपती रोड क्रॉस कर रहे थे, इस दौरान जयपुर से आगरा की तरफ जाते टैंकर ने दोनों को कुचल दिया

सारस चौकी इंचार्ज एएसआई राधाकिशन ने बताया नेत्रपाल हेलक गांव में ही खेती किसानी करता था। उसके तीनों बच्चे बेटी निधि (19), नेहा (18) और बेटा दुर्गेश (15) भरतपुर में पुलिस लाइन इलाके में अपने मामा मुरारीलाल के यहां रहकर पढ़ाई कर रहे थे। माता-पिता उन्हीं से मिलने लिए आए थे। शनिवार को वे हेलक लौट रहे थे। इस दौरान हादसा हो गया। बेटी निधि बीएसटी कर रही है, नेहा ने एसटीसी किया है और दुर्गेश 12वीं में पढ़ता है। पुलिस ने टैंकर को जब्त कर लिया है और ड्राइवर का पता लगाने में जुटी है।

फतहसागर झील का जलस्तर सात फीट पार पहुंचा

मौसम विभाग ने 13 से 15 जुलाई तक उदयपुर में तेज बारिश की संभावना जताई

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर में शनिवार को हल्की धूप के साथ एक बार फिर लोगों को गर्मी का अहसास हुआ। जल संसाधन विभाग के अनुसार बड़गांव व मावली में एक-एक इंच बारिश दर्ज की गई। शुक्रवार रात हुई बारिश के बाद शहर में मौसम में कुछ परिवर्तन हुआ और गर्मी से थोड़ी राहत मिली। डबोक स्थित मौसम विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार को अधिकतम तापमान 32.2 तथा न्यूनतम तापमान 24.4 डिग्री दर्ज किया गया। सांय 5.30 बजे समाप्त 12 घंटों में 36.3 मी.मी. वर्षा दर्ज की गई।

मौसम विभाग ने उदयपुर में आज भी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। पिछोला से फतहसागर में पानी की आवक जारी होने से फतहसागर झील का जलस्तर साढ़े सात फीट पहुंच गया है। इधर, जावरमाइंस इलाके में स्थित टीडी डेम में अच्छी पानी की आवक हुई। इधर 13 फीट क्षमता वाली फतहसागर झील में जलस्तर 7.51 फीट हो गया है। यहां पर पिछोला झील से लिंक चैनल के जरिए पानी की आवक हो रही है। पानी फतहसागर में डायवर्ट होने से पिछोला का जलस्तर घटकर 9.15 फीट हो गया है।

- बड़गांव व मावली में एक-एक इंच बारिश दर्ज की गई

इधर टीडी के आसपास क्षेत्र में पिछले दो दिन से हो रही तेज बारिश से टीडी डेम में पानी की आवक हुई। उदयपुर से करीब 32 किलोमीटर दूर उदयपुर-अहमदाबाद हाइवे पर टीडी से 3 किलोमीटर अंदर स्थित टीडी डेम का जलस्तर 10 फीट 8 इंच हो गया है। मौसम विभाग के अनुसार 13 से 15 जुलाई तक उदयपुर में तेज बारिश हो सकती है। मौसम विभाग की ओर से येलो अलर्ट भी जारी किया है।

इस बार अभी तक उदयपुर जिले में औसतन से भी कम बारिश हुई है। इसकी वजह से झीले भी खाली है। हालांकि बारिश के मौसम से पूर्व मानसी वाकल योजना में बने डेम में जमा पानी को छोड़ा गया था, जिससे झीलों का जलस्तर बढ़ गया है। शहरवासियों को बारिश का इंतजार है। मौसम केंद्र जयपुर ने उदयपुर संभाग के उदयपुर, सलूंबर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़, प्रतापगढ़, बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिले में आज बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इधर बीते चौबीस घंटे में उदयपुर जिले में सर्वाधिक 12 मिलीमीटर बारिश सोम पिकअप वियर में हुई।

बासनपीर मामले में हासम खान सहित 23 गिरफ्तार

पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता हासम खान समेत 23 जनों को गिरफ्तार किया।

जैसलमेर, (निसं)। बासनपीर गांव में पौराणिक छतरियों के मामले में पुलिस ने मुख्य साजिशकर्ता हासम खान (50) को गिरफ्तार किया है।

एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि गांव में हुए इतने बड़े बवाल में सबसे बड़ा हाथ हासम खान का था। हासम खान ने ही ग्रामीणों को उकसाया और प्रशासन को समुदाय विशेष के खिलाफ परिवाद देकर मामला बिगाड़ा। उसने दोनों तरफ लोगों को भड़काकर माहौल खराब किया और उसके बाद ग्रामीणों ने छतरियों के निर्माण के दौरान बाधा पहुंचाई और पुलिस व अन्य लोगों पर पत्थरबाजी की। एसपी ने बताया कि

- बासनपीर गांव में पौराणिक छतरियों के मामले में पुलिस ने कार्रवाई की

पुलिस ने राजकार्य में बाधा का मुकदमा दर्ज कर 23 लोगों को गिरफ्तार किया, जिसमें ज्यादातर महिलाएं शामिल हैं। फिलहाल मौके पर शांति है और पुलिस हासम खान के पीछे किसका हाथ है, इसको लेकर जांच कर रही है। इसके साथ ही अन्य लोग जो पत्थरबाजी की घटना में शामिल हैं, उसको लेकर दबिशें दे रही है। गिरफ्तार आरोपी मरवत पत्नी नजीर खां, सुमरि पुत्री नुरे खां, तीजा पत्नी आदत खां, हुरा पत्नी रमजान खां, हसीना पत्नी हमल खां, इंतिया पत्नी जमशेर खां, ईस्लाम खां पुत्र अजीज खां, जाकिर खां पुत्र भागे खां, बच्चे खान पुत्र काबल खां, सुभान खां पुत्र सादक खां, बसीर खां पुत्र हकीम खां, राणेखां पुत्र जंगी खां, आसीन खांन पुत्र नेने खां, इमामत पत्नि मुबारक खां, मदीना पत्नी ईदन खां, जामा पुत्री नूरे खां, बिस्मिला पत्नी दौसे खां, अनीमत पत्नी सखी मोहम्मद, बिस्मिल्ला पत्नी सादक खां, असीयत पत्नी गुलाम खां, नजीरां पुत्री हिन्दाल खां, हसीना पत्नी हलीम खां, हासम खां पुत्र सरादीन खां है।

सूने मकान से सोना-चांदी के जेवर सहित नगदी चोरी

रायला व बनेड़ा क्षेत्र में चोरों ने तीन दिन में चार वारदातें की

भीलवाड़ा, (निसं)। जिले के रायला और बनेड़ा क्षेत्र में बेखौफ चोरों ने पिछले तीन दिनों में चार चोरी की वारदातों को अंजाम दिया है।

क्षेत्र में बढ़ते चोरों के आतंक से परेशान जनता के खौफ का माहौल है। चोरों ने दिनदहाड़े रामदेवजी का खेड़ा में एक और वारदात को अंजाम देते हुए पांच लाख के माल पर हाथ साफ किया है।

रायला ग्राम पंचायत के रामदेवजी का खेड़ा में दिनदहाड़े चोरों ने एक घर को उस समय निशाना बनाया जब परिवार अपने दैनिक कार्य पर गया हुआ थे। मोहनलाल रेगर ने बताया कि वह मजदूरी के लिए भीलवाड़ा गया हुआ था। मेरी बच्ची मवेशियों को चराने के लिए गई थी और मेरे बेटे काम पर गए हुए थे। सुबह ग्यारह से दो के बीच में इस वारदात को अंजाम दिया गया। पीछे की दीवार फांदकर चोर घर में घुसे पेटी का ताला तोड़कर घर के अंदर रखे सोने-चांदी के आभूषण उड़ा कर ले गए। करीब 70 हजार रुपये नकद, तीन तोला सोना रामनवमी, मोती, झुमकी और दो किलो चांदी की कनगती, पायल के आभूषण चोरी हो गए। सूचना पर रायला पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। पुलिस द्वारा आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है, जिससे आरोपियों की पहचान में मदद मिल सके। चोरी की यह वारदात क्षेत्र में दहशत और चिंता का कारण बन गई है। ग्रामीणों ने जल्द से जल्द चोरों की गिरफ्तारी की मांग की है।

भाजपा के वरिष्ठ नेता दलपत सुराणा का निधन

उदयपुर, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता दलपत सुराणा का लंबी बीमारी के पश्चात निधन हो गया। सुराणा के निधन से भारतीय जनता पार्टी परिवार में शोक की लहर छा गई।

दलपत सुराणा (फाइल फोटो)।

भाजपा के वरिष्ठ नेता राज्यसभा सांसद चुन्नीलाल गरासिया, उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, शहर विधायक ताराचंद जैन, ग्रामीण विधायक फूल सिंह मीणा,भाजपा शहर जिला अध्यक्ष गजपाल सिंह राठौड़, देहात जिला अध्यक्ष पुष्कर तेली, भाजपा के जिला प्रभारी बंशीलाल खटीक, सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रमोद सामर, भारतीय जनता पार्टी पूर्व जिला अध्यक्ष रवींद्र श्रीमाली, चंद्रगुप्त सिंह चौहान, मांगीलाल जोशी, दिनेश भट्ट, पूर्व महापौर चंद्रगुप्त सिंह चौहान, रजनी डांगी, पूर्व सभापति युधिष्ठिर कुमावत, पूर्व महापौर जीएस टांक, पूर्व उप महापौर पारस सिंघवी, लोकेश द्विवेदी, ओबीसी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष जगदीश शर्मा, महिला मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष पिंकी मांडावत, अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेंद्र चौहान, भारतीय जनता पार्टी शहर जिला महामंत्री डॉक्टर किरण जैन, मनोज मेघवाल, देहात जिला महामंत्री आकाश बागरेचा, दीपक शर्मा, भारतीय जनता पार्टी शहर जिला उपाध्यक्ष तखत सिंह शक्तावत, प्रेम सिंह शक्तावत, अतुल चंडालिया, राजकुमार चित्तौड़ा, खूबी लाल पालीवाल, विजय लक्ष्मी कुमावत, देवीलाल शर्मा आदि ने भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ कार्यकर्ता दलपत सुराणा के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

भाजपा नेताओं ने कहा कि प्रारंभ से ही संगठन के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने वाले एवं कितने भी वरिष्ठ नेता राष्ट्रीय नेता जब उदयपुर आते थे तो उनको अपनी कार में नाथद्वारा एकलिंग जी आदि के भ्रमण कराना और उनको हर संभव सहयोग प्रदान करते थे। वे बड़े ही जीवट वाले व्यक्ति थे। प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी जी के शासनकाल में इन्होंने खेलकूद के माध्यम से विदेश में भी भारत का खेल प्रबंधक के नाते प्रतिनिधित्व किया था। इनके केंद्रीय एवं राष्ट्रीय नेताओं से निकट संबंध होने का उदयपुर को हमेशा लाभ प्राप्त हुआ। भारतीय जनता पार्टी परिवार ने सुराणा को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से उनकी आत्मा को चिर शांति एवं परिवार जनों को संभल प्रदान करने की प्रार्थना की।

मेजा नहर में प्रौढ़ की लाश मिली

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के प्रताप नगर थाना क्षेत्र स्थित आवरी माता मंदिर के निकट मेजा नहर में एक प्रौढ़ की लाश मिलने से सनसनी फैल गई।

प्रताप नगर थाना पुलिस ने बताया कि आवरी माता मंदिर के पास मेजा नहर में शनिवार सुबह एक व्यक्ति की लाश तैरने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस को मौके पर एक अधेड़ का शव मिला, जिसे नहर से निकालकर एमजी अस्पताल की मोर्चरी भिजवा दिया गया। इस बीच, मृतक की पहचान बापूनगर में छात्रावास के पीछे रहने वाले मंगलसिंह (50) पुत्र उम्मेदसिंह राजपूत के रूप में कर ली गई। मृतक के भाई तेज सिंह ने बताया कि मंगल सिंह शराब पीने के आदी थे। उनकी मौत पर किसी प्रकार की शंका नहीं है। तेज सिंह ने शव का पोस्टमार्टम कराने से भी इनकार कर दिया।

अधिवक्ता के पुत्र का अपहरण, मारपीट कर नकदी लूटी

दो बदमाशों के खिलाफ सूरजपोल थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया

उदयपुर, (निसं)। अधिवक्ता के पुत्र का अपहरण कर बंधक बना उसके साथ मारपीट कर नकदी लूटने वाले दो बदमाशों के खिलाफ सूरजपोल थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया।

जानकारी के अनुसार अधिवक्ता चेतन पुत्र गणतप लाल मैनारिया निवासी गांगा गली गणेश घाटी घंटाघर ने लक्ष्यराजसिंह उर्फ चिकु पुत्र राजेन्द्रसिंह राठौड़ निवासी जगदीश चौक, भरत के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। उसने बताया कि मेरा पुत्र सार्थक दौ सौ रूपये लेकर दस जुलाई को नाश्ता करने के लिए घर से आरएमवी जाने के लिए रवाना हुआ, जहां बदनोर हवेली के समीप मिले आरोपी ने रोककर जगदीश चौक छोड़ने को कहा। इनकार करने पर आरोपी मेरे पुत्र का अपहरण कर जगदीश चौक पार्किंग पर ले गए, जहां बंधक बनाकर उसके साथ मारपीट कर नकदी छीन ली। वहां से आरोपी लक्ष्मयराजसिंह मेरे पुत्र को लेकर आरएमवी पहुंचा, जहां पुलिस को सूचना करने पर मेरे पुत्र को उदियापोल सेंट्रल जेल की तरफ ले जाकर छोड़कर फरार हो गया। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर लिया है, जिसकी जांच एएसआई चन्द्रभानसिंह कर रहे हैं। आरोपी लक्ष्यराजसिंह के खिलाफ पूर्व में तीन अपराधिक प्रकरण घंटाघर पुलिस थाने में दर्ज है।

सड़क हादसे में खलासी की मौत

उदयपुर, (निसं)। खेरोदा थाना क्षेत्र में सड़क हादसे में एक जने की मौत हो गई। खेरोदा थाना क्षेत्र हाइवे से अनियंत्रित कंटेनर पुलिया से निचे जा गिरा। हादसे में गंभीर घायल खलासी खलासी की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार खेरोदा थाना क्षैत्र में गत दिनों चित्तौड़ से उदयपुर की तरफ आ रहा कंटेनर अनियंत्रित होकर नवाणिया रेलवे ब्रीज से निचे जा गिरा। हादसे में चालक दोस मोहम्मद पुत्र रफीक मोहम्मद तथा खलासी नाणा पाली निवासी नरेश पुत्र छोगालात गंभीर धायल हो गए थे, जिन्हें उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां नरेश की मौत हो गई। सूचना मिलने पर भटेवर चौकी प्रभारी महेन्द्रसिंह ने मृतक का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

नशे में धुत्त विद्यार्थियों का एमजी हॉस्पिटल में हंगामा

भीलवाड़ा, (निसं)। भीलवाड़ा के विजयराजे सिंधिया मेडिकल कॉलेज के स्टूडेंटों की एक शर्मनाक करतूत सामने आई है, मेडिकल की शिक्षा को शर्मसार करते यह विद्यार्थी शराब के नशे में धुत्त होकर एमजी हॉस्पिटल में हंगामा करते हुए नजर आ रहे हैं, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हड़कंप मचा हुआ है। जानकारी के अनुसार गत दिनों मेडिकल कॉलेज में अध्यनरत डॉक्टरेट की पढ़ाई कर रहे सुनील यादव नामक युवक ने अपने कुछ साथियों के साथ एमजी हॉस्पिटल में जमकर हंगामा किया। शराब के नशे में धुत इन विद्यार्थियों को जब गार्ड ने अपने वाहनों को पार्किंग में लगाने की बात कही तो हॉस्पिटल परिसर ने ही अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए हंगामा खड़ा कर दिया। वहां मौजूद भीड़ ने शामिल किसी युवक ने इन नशेड़ी विद्यार्थियों का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद चिकित्सा विभाग कार्रवाई की बात कर रहा है।

पंजाब के व्यवसायी संजय वर्मा हत्याकांड में बीकानेर से तीन युवक गिरफ्तार

हत्याकांड में शामिल शूटरों को बीकानेर के व्यास कॉलोनी इलाके में रुकवाया था

बीकानेर, (निसं)। पंजाब के अबोहर में कपड़ा व्यवसायी संजय वर्मा की गोली मारकर हत्या करने के मामले में बीकानेर के तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। हत्याकांड में शामिल शूटरों को बीकानेर के व्यास कॉलोनी इलाके में रुकवाया गया था। पंजाब पुलिस तीनों युवकों को अपने साथ ले गई है।

जानकारी के अनुसार सात जुलाई को पंजाब के अबोहर में कपड़ा व्यवसायी और न्यू वियरवेल शोरूम के मालिक संजय वर्मा को गाड़ी से उतरते ही शूटरों ने गोली मार दी थी। इस चर्चित हत्याकांड के तार बीकानेर से जुड़ गए हैं। गोली मारने वाले शूटरों को बीकानेर के जेएनवीसी थाना क्षेत्र की खतूरिया कॉलोनी में किराये के कमरों में रुकवाया था। पंजाब पुलिस की टीमें बीकानेर आईं और यहां डीएसटी व जेएनवीसी थाना पुलिस के सहयोग से नोखा में कुचोर अगुणी निवासी इन्द्रपाल बिश्नोई को खतूरिया कॉलोनी के कमरे से हिरासत में लिया। उसकी निशानदेही पर कुचोर अगुणी से संदीप खीचड़ और पवन खीचड़ को भी हिरासत में लिया है। तीनों ने हत्याकांड के शूटरों को छह-सात दिन बीकानेर में रुकवाया। इसके अलावा हत्याकांड में शामिल अभियुक्तों से रुपयों का ट्रांजेक्शन भी किया। सात गाड़ियों में सवार होकर पंजाब पुलिस की टीमें बीकानेर पहुंची और तीनों आरोपियों को अपने साथ ले गई। एक टीम बीकानेर के दंतौर में रुकी है। पता चला है कि हत्याकांड के तार श्रीगंगानगर से भी जुड़े हैं। पंजाब पुलिस श्रीगंगानगर के घड़साना-रावला में खोजबीन कर रही है। बीकानेर से पकड़े गए तीनों युवक आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि इस मामले में पंजाब की फाजिल्का पुलिस ने दो युवकों को पटियाला में पकड़ा और अबोहर ले गई थी, जहां पुलिस से मुठभेड़ में दोनों की मौत हो गई थी। बताया जा रहा है कि कपड़ा व्यवसायी संजय की हत्या आरजु बिश्नोई गैंग ने की है। इसका मुख्य आरोपी पंजाब में अजीमगढ़ निवासी शक्ति कुमार व दो अन्य को माना जा रहा है। आठ जुलाई को पंजाब के पंजपीर टिब्बा के बैकसाइड मुठभेड़ में पुलिस कस्टडी में जिला पटियाला के मरदानपुरा उर्फ गद्दापुर निवासी जसप्रीत सिंह उर्फ जस्सू पुत्र हरजीत सिंह व पंडिता खेड़ी निवासी रामरतन पुत्र रमेश कुमार मारे गए थे। 10 जुलाई को रामरतन का परिवार अबोहर पहुंचने पर पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर उसका शव परिजनों को सौंप दिया था। वहीं, 11 जुलाई शुक्रवार को जसप्रीत सिंह का परिवार भी अबोहर पहुंचा। शव का पोस्टमार्टम करवाकर पुलिस ने परिजनों को सौंप दिया। शव को पटियाला ले गए। संजय वर्मा हत्याकांड में पंजाब पुलिस की गिरफ्त में आए तीनों युवकों के खातों में 1.40 लाख रुपए अमेरिका से डाले गए हैं।

पंजाब में फाजिल्का के एसएसपी गुरमीतसिंह के मुताबिक बीकानेर से हिरासत में लिए गए इन्द्रपाल बिश्नोई, संदीप खीचड़ और पवन खीचड़ के खातों में रुपयों का लेनदेन हुआ। छानबीन करने पर सामने आया कि आरोपियों के खाते में अमेरिका से 1.40 लाख रुपए डाले गए थे। फाजिल्का पुलिस और एंटी गैंगस्टर टॉस्क फोर्स ने ज्वाइंट ऑपरेशन में अब तक हत्याकांड के पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जबकि, नामजद मुख्य आरोपी शक्ति सहित दो अज्ञात हमलावरों की तालाश लगातार जारी है। व्यवसायी की हत्या किसने और क्यों करवाई, इसको लेकर पंजाब पुलिस ने स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। हालांकि, आरजु बिश्नोई गैंग ने हत्या की जिम्मेदारी ली है।

शिकारियों ने तीन मोर का शिकार किया, ग्रामीणों पर फायरिंग की

भरतपुर, (निसं)। डीग जिले के कामां थाना इलाके में कुछ शिकारियों ने तीन मोर का शिकार कर लिया। जब ग्रामीणों ने शिकारियों को रोकने की कोशिश की तो, शिकारियों ने ग्रामीणों पर फायरिंग कर दी। तीन लोगों के छर्रे लगे हैं। अभी तक ग्रामीणों की तरफ से पुलिस में कोई शिकायत नहीं दी गई है। दो घायलों का इलाज भरतपुर में राजकीय आरबीएम अस्पताल में जारी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। टोर्च से रोशनी करते ही शिकारियों ने गोली चलाई थी।

घायल युवक को अस्पताल में भर्ती कराया।

रमसो निवासी बोलखेड़ा ने बताया कि मुझे सूचना मिली थी कि हमारे गांव के पास तलाई गांव का जंगल पड़ता है, वहां पर कुछ शिकारी मोर का शिकार कर रहे हैं। मुझे ग्रामीणों ने फोन कर घटना की सूचना दी थी। घटना देर रात करीब एक बजे की थी। कुछ ग्रामीण पहले से जंगल में मौके पर ही थे, जिसके बाद रमसो भी मौके पर पहुंचा। जैसे ही मैं जंगल में पहुंचा तो, रमसो को लगा कि वह ग्रामीण हैं। जैसे ही रमसो ने टॉर्च से देखा तो, चार लोगों के हाथ में बंदूक थी और चार लोगों के हाथों में लाठी थी। उसमें से तीन लोगों के हाथ में तीन मोर के शव लटके हुए थे। रमसो ने टॉर्च से उन्हें देखा तो, उन्होंने तुरंत रमसो की तरफ गोली चला दी। रमसो के पैर, हाथ और पेट में करीब 12 छर्रे लगे हैं, जिसके बाद शिकारी वहां से फरार हो गए। बाकी के ग्रामीण रमसो को लेकर कामां अस्पताल पहुंचे, जहां से उसे आरबीएम अस्पताल में रेफर कर दिया गया। आठ शिकारी 3 मोर का शिकार कर ले गए।

घायल युवक राजेश ने बताया कि हमें सूचना मिली थी कि तलाई के जंगल में कुछ लोग मोर का शिकार कर रहे हैं। कुछ ग्रामीण और मेरे चाचा रमसो मौके पर पहुंचे। जैसे ही हम जंगल में पहुंचे तो, शिकारियों ने हमारे ऊपर फायरिंग कर दी। हमने शिकारियों को रोका तो उन्होंने तीन राउंड हमारे ऊपर फायरिंग कर दी, जिसके छर्रे हमारे शरीर में लगे थे। घटना में राजेश रामसो के ज्यादा छर्रे लगे हैं वहीं बिरजी नाम के व्यक्ति के 2 छर्रे लगे हैं। जिसे कामां अस्पताल में भर्ती किया गया है। कुछ शिकारियों को ग्रामीण पहचानते हैं।

- ग्रामीणों ने शिकारियों को रोकने की कोशिश की तो शिकारियों ने फायरिंग कर दी
- तीन लोगों के छर्रे लगे, दो घायलों का इलाज भरतपुर में राजकीय आरबीएम अस्पताल में जारी

ग्रामीणों का कहना है कि करीब आठ दिन पहले भी जंगल से फायरिंग की आवाज आई थी। फिलहाल पुलिस शिकारियों का पता लगाने में जुट गई है।

कामां थाना अधिकारी अनिल गौतम का कहना है कि मामले को लेकर पूछताछ की जा रही है। अभी तक पुलिस को इस मामले को लेकर कोई शिकायत नहीं मिली है। अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि मोर का शिकार किया गया है। सत्यवीर रेंजर का कहना है कि ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर जाकर जांच की गई तो, वहां कोई भी मोर के शिकार करने जैसे सबूत नहीं मिले हैं।

10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगने वाले लॉरेंस गैंग के दो गुर्गे गिरफ्तार

लॉरेंस गैंग गिरोह के गुर्गे नेत्रपाल सिंह और मान प्रजापति ने कारोबारी से 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी

- लॉरेंस गैंग को विदेश में बैठा अनमोल बिश्नोई चला रहा है। गिरोह के गुर्गे सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से व्यापारियों और ज्वैलर्स की जानकारी लेते है और गिरोह के गुर्गे को देते है
- गिरफ्तार दोनो आरोपियों ने बताया कि विदेश में बैठकर अनमोल बिश्नोई संगठित गिरोह का संचालन कर रहा है। वो फेसबुक मैसेंजर,टेलिग्राम जैसे सोशल मीडिया के माध्यम से धनाढ्य लोगों की जानकारी जुटाता है और उन्हे टारगेट कर इसकी जानकारी गिरोह के गुर्गे को देता है

जयपुर। साइबर थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई कर लॉरेंस गैंग के दो गुर्गे को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस गिरफ्तार दोनो गुर्गे से गिरोह के अन्य बदमाशों के बारे में गहनता से पूछताछ करने में जुटी है। पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि लॉरेंस गैंग को विदेश में बैठा अनमोल बिश्नोई चला रहा है।

गिरोह के गुर्गे सोशल मीडिया अकाउंट के माध्यम से व्यापारियों और ज्वैलर्स की जानकारी लेते है और गिरोह के गुर्गे को देते है। जिसके बाद गैंग के गुर्गे ज्वैलर्स और व्यापारियों को धमकी देकर फिरौती की मांग करते है। गैंग के गुर्गो को फिरौती की राशि में से कुछ प्रतिशत हिस्सा मिलता है।

डीसीपी क्राइम कुंदन कुंदन कंवरिया ने बताया कि लॉरेंस गैंग गिरोह के गुर्गे नेत्रपाल सिंह और मान प्रजापति उर्फ मंगलचन्द उर्फ मान बॉक्सर ने कारोबारी से 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी। शिकायत मिलने के बाद विशेष टीम व तकनीकी सहायता के साथ मुखबिर की सूचना पर दोनो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस पूछताछ में सामने आया है कि कनाडा और जर्मनी में बैठकर लॉरेंस गैंग के गुर्गे राजस्थान के व्यापारियों और ज्वैलर्स की जानकारी जुटा कर उन्हे जान से मारने की धमकी देते है और फिरौती की मांग करते है। हाल ही में गिरोह के गुर्गे ने एक कारोबारी को सोशल मीडिया के माध्यम से धमकी देकर 10 करोड़ रुपए की फिरौती मांगी थी।

पुलिस को सूचना मिली की कुण्डा ,आमेर निवासी नेत्रपाल और मान बॉक्सर उर्फ मान प्रजापति जो फाईनेंसर है।

जयपुर में रहकर लॉरेंस गिरोह के लिए व्यापारियों और ज्वैलर्स को धमकी देकर फिरौती मांगने का काम कर रहे है। मुखबिर की सूचना का सत्यापन करने के बाद पुलिस ने दोनो आरोपियों को दबोच लिया।

पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार दोनो आरोपियों ने बताया कि विदेश में बैठकर अनमोल बिश्नोई संगठित गिरोह का संचालन कर रहा है।

वो फेसबुक मैसेंजर, टेलिग्राम जैसे सोशल मीडिया के माध्यम से धनाढ्य लोगों की जानकारी जुटाता है और उन्हे टारगेट कर इसकी जानकारी गिरोह के गुर्गे को देता है। जिसके बाद वाट्स एप्प कॉल, सिंगनल एप्प के जरिए कॉल कर जान से मारने की धमकी देकर फिरौती की मांग करता है।

नशीला पदार्थ खिलाकर छात्रा से दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

- गांव से आए सामान को लेने का बहाना बनाकर होटल में बुलाया था

जयपुर। जालूपुरा थाना इलाके में गत दिनों पहले एक होटल में नशीला पदार्थ खिलाकर कॉलेज छात्रा से दुष्कर्म करने वाले आरोपी शिवलाल प्रजापत (28) प्रजापत,कुम्हारो का बास आसलायी,देचू फलोदी निवासी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि गांव से आए रिश्तेदार युवक ने झूठ बोलकर कॉलेज छात्रा को मिलने बुलाया और फिर नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ दुष्कर्म किया था।

पुलिस ने बताया कि जयपुर में पढ़ाई करने वाली 20 वर्षीय युवती ने मामला दर्ज करवाया था कि वह एक प्राइवेट कॉलेज में स्टूडेंट है। उसकी मां ने आरोपित युवक को धर्म का भाई बना रखा है। मुंह बोला रिश्तेदार होने के कारण आरोपित से उसकी बातचीत होती रहती थी। उसका घर पर आना-जाना भी था। आरोप है कि मार्च-2025 में आरोपित गांव से जयपुर आया था। जयपुर आने पर आरोपित ने कॉल कर बताया कि उसकी मां ने कुछ सामान देने के लिए भेजा है।

झूठ बोलकर सामान लेने के लिए उसे जालूपुरा स्थित होटल में मिलने बुलाया। होटल में आने पर आरोपित रिश्तेदार ने उसे धोखे से नशीला पदार्थ खिला दिया। बेहोशी की हालत में आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। विरोध करने पर डरा-धमकाकर चुप रहने का दबाव बनाया। आरोपी रिश्तेदार ब्लैकमेल कर उसे होटल में बुलाता रहा और दो -तीन बार उसके साथ देहशोषण किया। गिरफ्तार आरोपी से पुलिस गहनता से पूछताछ करने में जुटी है।

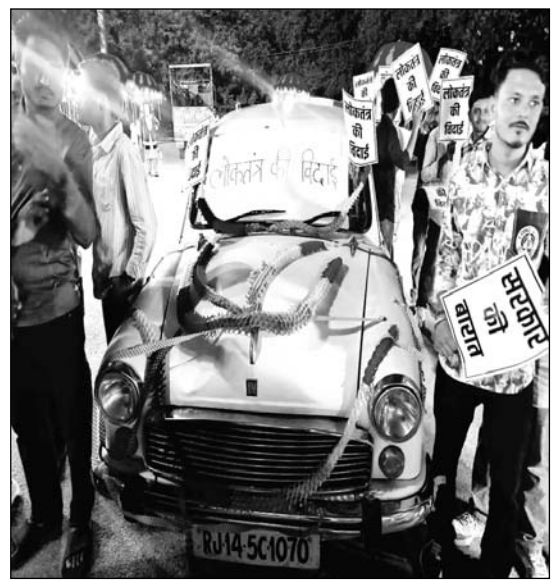

छात्र संघ चुनाव बहाल करवाने को लेकर जयपुर में राजस्थान यूनिवर्सिटी के कैंपस में एक अनोखी बारात निकली है जिसका नाम है ''लोकतंत्र की विदाई'' और इसमें दूल्हे के रूप में घोड़ी पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बैठे हैं, वहीं बारात में मुख्यमंत्री के कैबिनेट के साथी है।

'अस्थाई सफाई कर्मचारियो को स्थाई किया जावे'

जयपुर। अखिल राजस्थान अनुसूचित जाति जन जाति पिछडी जाति अधिकारी कर्मचारी संयुक्त महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष अशोक सामरिया ने कहा की वाल्मिकी समाज को प्राथमिकता देते हुए कार्यालयो व अन्य जगहो पर कार्यरत अस्थाई सभी सफाई कर्मचारियो स्थाई किया जावे एवं स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए नियमित जांच के साथ कार्यस्थल पर सफाई किट जिसमे विशेष जूते , दस्ताने , मास्क, ट्रॉली आदी भी उपलब्ध कराए जाना चाहिए।

सफाई कर्मचारी एवं वाल्मिकी समाज को लेकर संगठन कार्यालय जयपुर मे चर्चा हुई जिसमे संयुक्त वाल्मिकी एवं सफाई श्रमिक संघ नगर निगम जयपुर के अध्यक्ष नन्दकिशोर डंडोरिया ने कहा वाल्मिकी समाज सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक रूप से आज भी पिछडा हुआ है । वर्षो से हम सर्वसमाज कि सेवा कर रहे है लेकिन हमारे ही अधिकारो पर कुठाराघात किया जा रहा है ।

मानव तस्करी पर राजस्थान पुलिस का कदम : दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन

- गृह मंत्रालय के निर्देशों पर 18-19 जुलाई को होगा मंथन, अपराध पर लगेगी लगाम
- यह अहम कदम गृह मंत्रालय महिला सुरक्षा डिवीजन भारत सरकार के उप सचिव (पीआर और एटीसी) द्वारा जारी पत्र 11 मार्च 2024 और 16 जून 2025 के अनुपालन में उठाया गया है

जयपुर। मानव तस्करी जैसे जघन्य अपराध के खिलाफ लड़ाई में राजस्थान पुलिस एक महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है। गृह मंत्रालय भारत सरकार के महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों के क्रम में राजस्थान पुलिस मुख्यालय की सिविल राइट्स एवं एएचटी शाखा 18 जुलाई से जयपुर स्थित राजस्थान पुलिस अकादमी में दो दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन कर रही है। यह सम्मेलन 19 जुलाई तक चलेगा।

पुलिस महानिदेशक (सिविल राइट्स) मालिनी अग्रवाल ने बताया कि यह अहम कदम गृह मंत्रालय महिला सुरक्षा डिवीजन भारत सरकार के उप सचिव (पीआर और एटीसी) द्वारा जारी पत्र 11 मार्च 2024 और 16 जून 2025 के अनुपालन में उठाया गया है। इन पत्रों में मानव तस्करी के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और रणनीतियों को लेकर विस्तृत मार्गदर्शन दिया गया था। जिस पर गहन मंथन आवश्यक था।

इस दो दिवसीय सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य मानव तस्करी से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर गहन विचार-विमर्श करना है। इसमें तस्करी के बदलते स्वरूप, पीड़ितों की पहचान और बचाव, उनके पुनर्वास के तरीके, और अपराधियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित करने पर खास जोर दिया जाएगा। यह सम्मेलन राज्य भर के पुलिस अधिकारियों और संबंधित हितधारकों के लिए एक साझा मंच प्रदान करेगा। यहां वे अपने अनुभव साझा कर सकेंगे, चुनौतियों पर चर्चा कर सकेंगे, और मानव तस्करी को रोकने तथा पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए प्रभावी समाधानों पर मंथन कर पाएंगे। ऐसी उम्मीद है कि इस सम्मेलन से मानव तस्करी के खिलाफ लड़ाई में नई रणनीतियाँ और ठोस कदम सामने आएंगे।

सम्मेलन का आयोजन पुलिस महानिदेशक सिविल राइट्स एवं एएचटी मालिनी अग्रवाल के नेतृत्व में हो रहा है। उनकी टीम इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरी तरह से जुटी हुई है।

विद्वत्सम्मान समारोह आज

जयपुर। राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त दो महान विद्वानों की स्मृति में विद्वत्सम्मान समारोह का आयोजन रविवार को अपराह्न 4 बजे तिलकनगर स्थित लाल बहादुर शास्त्री महाविद्यालय में किया जाएगा यह समारोह पं. नवलकिशोर कांकर की 115वीं जयंती एवं आचार्य डॉ. नारायण शास्त्री कांकर की 95वीं जयन्ती पर आयोजित हो रहा है। इन दोनों को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। कार्यक्रम की अध्यक्षता महामण्डलेश्वर स्वामी ज्ञानेश्वर पुरी करेंगे। मुख्य अतिथि देवस्थान प्रन्यास बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष एस. डी. शर्मा होंगे।

9 दिवसीय धार्मिक यात्रा निकाली

- श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ, जयपुर के तत्वावधान में आयोजित धार्मिक यात्रा भट्टारक जी की नसिया से रवाना हुई

जयपुर। जैन धर्म, संस्कृति और सिद्धांतों के प्रचार-प्रसार हेतु समर्पित श्री दिगम्बर जैन पद यात्रा संघ, जयपुर के तत्वावधान में आयोजित 9 दिवसीय धार्मिक यात्रा शनिवार भट्टारक जी की नसिया से मंगलमय वातावरण में रवाना हुई। रवानगी से पूर्व मंदिर में सामूहिक देव दर्शन, मंगल आरती और विश्व कल्याण प्रार्थना की गई। इसके बाद गणमान्य अतिथियों ने जैन ध्वज दिखाकर वातानुकूलित बसों में सवार होकर यात्रा दल को शुभकामनाओं के साथ रवाना किया।

संघ के संरक्षक सुभाष चन्द जैन ने बताया कि यह यात्रा जैन भक्ति, साधना, तीर्थ दर्शन और आत्मिक उन्नित का अनुपम संगम होगी, जिसमें अनेक श्रद्धालु सम्मिलित हुए हैं। यात्रा संयोजक अमरचन्द दीवान, सुरेश ठोलिया और विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि यात्रा का पहला रात्रि विश्राम सिद्धक्षेत्र सोनागिर जी में हुआ।

रविवार को 78 मंदिरों की पर्वत वंदना तथा तलहटी में दर्शन-पूजन के बाद यात्रा दल खजुराहो होते हुए कुण्डलपुर बड़े बाबा पहुंचेगा, जहां रात्रि विश्राम होगा। आगामी पड़ावों में बहोरीबंद, जबलपुर, रामटेक, नेमगिरी, अंतरिक्ष पाश्र्वनाथ, कारंजा, भातकुली, मुक्तागिरी, शेगांव, भोजपुर, भोपाल, चांदखेडी और कोटा शामिल हैं। 20 जुलाई की रात्रि को यात्रा जयपुर लौटेगी।

कॉगनिटिव एआई ब्लॉक्स से अब जेईई व नीट टॉपर्स की तरह पढ़ सकेगा हर स्टूडेंट

- न्इन्ही मेथड्स पर बनाये गए ऑनलाइन नेक्स कोर्सेज व सीएलआई असेसमेंट टेस्ट एनटीएससी को भी लॉन्च किया

जयपुर। स्टूडेंट्स के लिए पढाई में इंटरेस्ट व हार्ड वर्क को लम्बे समय तक लगातार कर पाना सबसे मुश्किल होता है। जयपुर नारायणा के चीफ ऐकडेमिक ऑफिसर आशीष अरोरा ने पढ़ने के ऐसे स्टडी मेथड्स व तकनीक डेवेलप की हैं जिनके द्वारा कोई भी स्टूडेंट थोड़े से प्रयास से टॉपर्स जैसे स्टडी कर सकता है और अपनी परफॉरमेंस को इम्प्रूव कर सकता है। स्टूडेंट्स में परफॉरमेंस इम्प्रूवमेंट उनके कॉगनिटिव लर्निंग इंडेक्स (सीएलआई) से आँका जाता है। ये पढ़ाई के मेथड्स व तकनीक कॉगनिटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर आधारित है जिसे पिछले लगभग 15 से ज्यादा सालों के टॉपर्स के स्टडी पैटर्न व उनके द्वारा फॉलो किये गए ऐकडेमिक रीसोर्सेस की रिसर्च कर बनाया गया है।

इन मेथड्स को स्टेप बाई स्टेप फॉलो करने पर लगातार सीएलआई में बढोतरी प्राप्त की जा सकती है। जेईई व नीट के हाई परफॉर्मर्स के सीएलआई असेसमेंट से पता चलता है कि जिन स्टूडेंट्स का सीएलआई 70 या ज्यादा है उनके सक्सेस की सम्भावना काफी अधिक रहती है।

शनिवार को नारायणा जयपुर में आशीष अरोरा द्वारा इन्ही मेथड्स को प्रॉपर फॉलो करने का लाइव डेमो भी दिया गया और इन्ही मेथड्स पर बनाये गए ऑनलाइन नेक्स कोर्सेज व सीएलआई असेसमेंट टेस्ट एनटीएससी को भी लॉन्च किया। लाइव डेमो के समय इस साल के जेईई व नीट जयपुर सिटी टॉपर्स भव्य जेठानंदानी (आल इंडिया रैंक 46 जेईई एडवांस्ड 2025) व सौम्य शर्मा (आल इंडिया रैंक 14 नीट 2025) भी उपस्थित थे जिन्होंने आशीष अरोरा सर की मॅटरशिप में 2025 में जयपुर सिटी टॉप किया है। भव्य और सौम्य ने भी इन्ही मेथड्स के आधार पर पर अन्य पूर्व टॉपर्स जैसी तैयारी की और सक्सेस हासिल की।

इस तकनीक में पहले स्टूडेंट की बेसिक स्टडी हैबिट्स का एनालिसिस आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस द्वारा करके उनके स्टडी गैप्स को ब्लॉक स्टडी द्वारा भरा जाता है। ब्लॉक स्टडी पैटर्न से बहुत सारे एवरेज स्टूडेंट्स ने अपनी परफॉरमेंस को कई गुना इम्प्रूव किया है। अब हर स्टूडेंट इस तकनीक द्वारा आसानी से अपने स्टडी पैटर्न को चेंज कर चैट जीपीटी पर प्रॉपर प्रॉम्प्स को लिंक कर परफॉरमेंस इम्प्रूव कर सकते हैं।

इन मेथड्स से बिना किसी एक्स्ट्रा रिसोर्स के इन स्टडी पैटर्न को चेंज कर खुद स्टूडेंट्स अपनी सेल्फ स्टडी से जेईई व नीट क्रैक कर सकते हैं। जो पेरेंट्स कोचिंग इंस्टिट्यूट के ऑफलाइन कोर्सेज की फीस अफ़ोर्ड नहीं कर सकते उन स्टूडेंट्स के लिए ये स्टडी मेथड एक वरदान साबित हो रहा है। नारायणा जयपुर द्वारा भी इन स्टडी पैटर्न पर आधारित ऑनलाइन कोर्सेज जिनकी फीस मात्र रु 199 से रु 999 तक है लॉन्च किये जा रहे हैं और सरकारी स्कूल के स्टूडेंट्स के लिए इन सभी कोर्सेज की फीस मात्र रु 11 रहेगी।

सत्यम शिवम् सुंदरम् देवालय में 100वां यज्ञ सम्पन्न

संकटमोचन हनुमान जी को समर्पित यज्ञ सम्पन्न हुआ।

जयपुर। जल भवन स्थित सत्यम शिवम् सुंदरम् देवालय में राजस्थान राज्य कर्मचारी संघ जलदाय विभाग के अध्यक्ष महेन्द्र शर्मा के सान्निध्य में देवों के देव महादेव एवं संकटमोचन हनुमान जी को समर्पित यज्ञों की श्रृंखला निरंतर जारी है।

इसी क्रम में, इस शनिवार को 100वां पवित्र यज्ञ श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में सम्पन्न हुआ। कर्मचारी संघ अध्यक्ष महेन्द्र शर्मा ने बताया कि इन यज्ञों का उद्देश्य प्रदेश में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार, सामूहिक खुशहाली और समाज में सकारात्मकता का प्रसार करना है। उन्होंने कहा, धर्म और अध्यात्म के माध्यम से समाज में न केवल सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह होता है, बल्कि यह हमारे कार्यस्थलों और संस्थानों में भी समर्पण, सेवा और सहयोग की भावना को प्रबल करता है। यह विशेष यज्ञ श्रद्धालुओं की व्यापक उपस्थिति और गहन भक्ति भाव के साथ सम्पन्न हुआ, जो देवालय के आध्यात्मिक उद्देश्यों को और अधिक सशक्त बनाता है।

गोविंद देवजी मंदिर में गायत्री महायज्ञ आज

जयपुर। सावन के पहले सोमवार की पूर्व संध्या पर आराध्य देव गोविंद देवजी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी के सान्निध्य में रविवार सुबह आठ से दस बजे तक शिव गायत्री महायज्ञ का आयोजन किया जाएगा। मंदिर के सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया कि यज्ञ पूर्णतया निशुल्क है। किसी भी तरह के सामान लाने की आवश्यक्ता नहीं है। यज्ञ में सभी को आहुतियां प्रदान करने का अवसर मिलेगा। शनिवार को आयोजन की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

गायत्री परिवार राजस्थान के प्रभारी ओमप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि यज्ञ का शुभारंभ ठाकुर श्री राधा गोविंद देवजी भगवान, देवमाता गायत्री और गुरु सत्ता के पूजन के साथ होगी। सोडशोपचार पूजन, सबके कल्याण की कामना के साथ स्वस्तिवाचन के बाद अग्नि प्रज्जवलन होगा। गायत्री एवं महामृत्युंजय महामंत्र से साथ यज्ञ भगवान को आहुतियां प्रदान की जाएंगी। इस मौके पर भारतीय संस्कृति के अनुसार जन्म दिन और विवाह दिवस संस्कार भी कराए जाएंगे। यज्ञ का संचालन गायत्री शक्तिपीठ ब्रह्मपुरी की टोली संपन्न कराएगी।

भाजपा का सघन पौधारोपण अभियान, हर बूथ पर लगाए जाएंगे 50 पौधे : मदन राठौड़

- भाजपा पौधे लगाने के साथ ही पौधों के सरंक्षण के लिए कार्यकर्ताओं की तय करेगी जिम्मेदारी : मदन राठौड़

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की ओर से शुरू किए गए वन एवं पर्यावरण अभियान के तहत प्रदेश भर में मानसून के दौरान सघन पौधारोपण किया जाएगा। इसके लिए भाजपा प्रत्येक बूथ पर 50 पौधे लगाएगी। इसके लिए बूथ स्तर पर भाजपा कार्यकर्ता के साथ आमजन की भी सहभागिता रहेगी। राठौड़ ने कहा कि शनिवार को अभियान के प्रदेश स्तरीय टोली की बैठक आयोजित की गई। बैठक में पौधरोपण लक्ष्य के साथ पौधों के सरंक्षण की भी जिम्मेदारी तय करने का निर्णय लिया गया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने हरित राजस्थान के लक्ष्य को साकार करने के लिए प्रदेशवासियों से पौधरोपण का आ ान किया। राठौड़ ने कहा कि पौधरोपण राजनीतिक मुद्दा नहीं है, इसमें हर पार्टी के लोगों को जुड़ना चाहिए, अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए। आमजन की सहभागिता बढ़ने पर हमारा राजस्थान हरियाली की ओर तेजी से बढ़ेगा। ऐसे में भाजपा के कार्यकर्ताओं के साथ जनप्रतिनिधि भी इस अभियान से जुडेंगे और अपने क्षेत्रों में पौधारोपण अभियान चलाएंगे।

पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष नाहर सिंह जोधा, पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, प्रदेश प्रवक्ता अशोक सैनी, नारायण मीना, प्रेम सिंह बनवासा, श्याम शर्मा, निलम गुर्जर, श्याम सिंह राजावत सहित वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की टोली से प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने अभियान को लेकर संवाद किया। बैठक में पौधरोपण के साथ उनके सरंक्षण के लिए पौध पालक भी नियुक्त करने का निर्णय लिया गया है। इसके साथ ही सघन वृक्षारोपण अभियान के लिए भाजपा ने सभी जिलों में जिला संयोजकों की नियुक्ति कर दी है, शीघ्र ही हर मंडल में मंडल संयोजक भी नियुक्त कर दिए जाएंगे।

जवाहर कला केन्द्र में गोल्डन जुबली नाटक का मंचन

- हरिशंकर परसाई की कहानी एक फिल्म कथा का नाट्यय रूपांतरण कर दो घंटे के मनोरंजन से भरे नाटक को तैयार किया

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की ओर से आयोजित नटराज महोत्सव का शनिवार को दूसरा दिन रहा। रंगायन सभागार में सौरभ नायर के निर्देशन में नाटक गोल्डन जुबली खेला गया। हरिशंकर परसाई की कहानी एक फिल्म कथा का नाट्यय रूपांतरण कर इस दो घंटे के मनोरंजन से भरे नाटक को तैयार किया गया। नाटक में गीत-संगीत की लाइव प्रस्तुति ने इसे और भी खास बनाया। महोत्सव के तीसरे दिन रविवार को सुबह 11 बजे संवाद सत्र में अभिनेता कुमुद मिश्रा, शुभ्रज्योति बरत और गोपाल दत्त के बीच रंगमंच को लेकर वार्ता होगी। शाम 4 बजे अभिनेता आदिल हुसैन एक्टर्स प्रोसेस एक्सपर्ट सेशन में गहन चर्चा करेंगे। शाम 7 बजे सुमित व्यास के निर्देशन में नाटक पुराने चावल का मंचन होगा।

गोल्डन जुबली दर्शकों को 80-90 के दशक के रेट्रो युग में ले जाता है। रंगायन का मंच मानो एक पर्दा बन जाता है जिस पर पुराने दौर की फिल्म चल रही है। वैसे तो नाटक रंजना और राकेश की प्रेम कहानी के इर्द गिर्द घूमता है लेकिन यह एक फिल्म की कहानी है

सभागार में नाटक गोल्डन जुबली खेला गया।

जो जुड़ी है अपने जमाने के सुपर स्टार रहे कुमार साहब से जो इन दिनों गुमनामी के अंधेरे में खो गए है। एक लेखक कुमार साहब के पास राकेश और रंजना की प्रेम कहानी लेकर आता है जिस पर वह कुमार साहब को हीरो रखते हुए फिल्म बनाना चाहता है।

लेखक नाटक का सूत्रधार बनकर अंत तक साथ रहता है। वह कुमार साहब को कहानी सुनाता है जिसको मंच पर कलाकार जीवंत करते दिखाई देते हैं। राकेश धनवान परिवार से आता है और रंजना गरीब घर की लड़की है। राकेश रंजना को गुंडों से बचाता है और उसका दिल जीत लेता है। इस मोड़ से दोनों की प्रेम कहानी आगे बढ़ती है। खलनायक सुरेन्द्र सिंह रंजना से विवाह करना चाहता है। सुरेन्द्र सिंह की रंजना में दिलचस्पी नायक-नायिका की मुश्किलें बढ़ा देती है। अंत में सुरेन्द्र सिंह का नौकर लाखन जिससे वह जानवरों की तरह व्यवहार करता था सुरेन्द्र को गोली मार देता है।

यहां निर्देशक ने रंजना और राकेश की कहानी का परिणाम तय करने का भार दर्शकों के कंधों पर छोड़ दिया है। उधर कुमार साहब इस कहानी पर आधारित मूवी में काम करने को राजी होते है और दोबारा सफलता का सहरा पहनने व मूवी के गोल्डन जुबली होनेकी कामना उनके मन में हिलोरे मारने लगती है। मनोरंजन से भरा यह नाटक कटाक्ष करता है वर्ग भेद व अन्य सामाजिक कुरीतियों पर।

डॉ. सत्यनारायण सिंह द्वितीय स्मृति व्याख्यान आज

जयपुर। स्व. डॉ. सत्यनारायण सिंह पूर्व आई.ए.एस. की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर दिनांक 13 जुलाई, 25 रविवार, सांय 6 बजे आर.आई.सी. (राजस्थान इन्टरनेशनल सेंटर) में ''डॉ. सत्यनारायण सिंह द्वितीय स्मृति व्याख्यान'' का आयोजन किया जा रहा है कार्यक्रम संयोजक डॉ. रिपुन्जय सिंह ने बताया है कि उनके स्वर्गीय पिताजी डॉ. सत्यनारायण सिंह जी की स्मृति में आयोजित ''शासन और मानवता'' व्याख्यानमाला उनके अद्वितीय व्यक्तित्व, अनुकरणीय सेवाभाव एवं प्रशासनिक उत्कृष्टता को समर्पित है। डा. सिंह ने सार्वजनिक जीवन में ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा तथा जनहित के प्रति गहरी प्रतिबद्धता के मानक स्थापित किए।

वक्ता पद्म भूषण डॉ. डी. आर. मेहता पूर्व आई.ए.एस. हैं। डॉ. मेहता का प्रशासन एवं नीति निर्माण के क्षेत्र में अत्यंत समृद्ध अनुभव रहा है। वे प्रशासन के मानवीय पहलुओं, लोक कल्याण की भावना तथा सुशासन में करूणा और संवेदनशीलता के महत्व पर पर विचार व्यक्त करेंगे। यह विषय वर्तमान परिपेक्ष्य में अत्यंत प्रासंगिक हैं।

इस अवसर पर ''जीवन के निर्मल सत्य'' तथा ''भारत के युग पुरुष'' पुस्वकों का विमोचन किया जायेगा।

वंदे भारत ने जीता जापानियों का दिल, ओसाका एक्सपो भारतीय रेल की धूम

जयपुर। जापान के ओसाका में चल रहे वर्ल्ड एक्सपो-2025 में भारतीय रेल की धूम मची है। भारतीय पवेलियन में न केवल भारतीय प्रवासी बल्कि जापानी नागरिकों की भी भारी भीड़ उमड़ रही है। एक्सपो पहुंचने वाले लोगों में वंदे भारत एक्सप्रेस और चिनाब ब्रिज को लेकर जबरदस्त उत्सुकता देखी जा रही है। लोग इनके बारे में जानने के लिए उत्सुक हैं। कई जापानी आगंतुकों को यह जानकर आश्चर्य हो रहा है कि भारत में इतनी तेज रफ्तार और अत्याधुनिक सुविधाओं वाली ट्रेनें अब आम हो गई हैं। वंदे भारत की एयरोडायनॉमिक डिजाइन, इनबिल्ट सुरक्षा फीचर्स और सेमी हाई-स्पीड क्षमताओं ने तकनीक प्रेमियों को आकर्षित किया है।

वहीं, चिनाब ब्रिज- जो दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे आर्च ब्रिज है। भारतीय रेल इंजीनियरिंग क्षमता का प्रतीक बनकर उभरा है। हिमालय की घाटियों में बना यह ब्रिज न केवल तकनीकी चुनौती को परास्त करता है, बल्कि भारत के उत्तर क्षेत्र में कनेक्टिविटी और सुरक्षा की दृष्टि से भी बेहद अहम है। जापानी दर्शक, खासकर इंजीनियरिंग और आर्किटेक्चर के छात्र,

चिनाब ब्रिज के 3 प्रेजेंटेशन और इंटरैक्टिव मॉडल को ध्यान से देख रहे हैं और इसके निर्माण से जुड़े विवरणों को जानने में गहरी रुचि ले रहे हैं।

वंदे भारत ट्रेन और चिनाब ब्रिज आधुनिक भारतीय रेल का चमकता सितारा है। बदलते भारत की पहचान है। बीते एक दशक में वंदे भारत ने अत्याधुनिक सुविधाओं के साथ रेल यात्रा को नई पहचान दी है। यात्रियों को रफ्तार यात्रा की सुविधा मिल रही है। भारतीय रेल ने देश के हर कोने में वंदे भारत के संचालन से कनेक्टिविटी का नया अध्याय लिखा है। पूरे देश में करीब 140 वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इसे वरिष्ठ नागरिकों के साथ युवाओं के बीच अपार लोकप्रियता मिली है।

इस ट्रेन में वातानुकूलित कोच, स्वचालित दरवाजे, बायो टॉयलेट्स, जीपीएस सूचना प्रणाली, ऑनबोर्ड कैटरिंग, वाई-फाई, और सीसीटीवी सुरक्षा जैसी सुविधाएं हैं। ये सुविधाएं यात्रियों को एक प्रीमियम और आरामदायक अनुभव प्रदान करती हैं, जो पहले साधारण ट्रेनों में संभव नहीं था। वंदे भारत ट्रेनें वरिष्ठ नागरिकों, विद्यार्थियों और महिलाओं के लिए विशेष रूप से उपयोगी है।विश्व एक्सपो 2025, जो कि 13 अप्रैल से 13 अक्टूबर 2025 तक चलेगा, भारत के लिए वैश्विक मंच पर अपनी उपलब्धियों और नवाचारों को साझा करने का एक सुनहरा अवसर है। जापान में इंडिया पवेलियन की लोकप्रियता न केवल भारत की बढ़ती वैश्विक साख को दर्शाती है।

तेजाजी महाराज लोक जीवन का आदर्श और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक थे : डॉ. पूनियां

सीकर/जयपुर। सीकर जिले के सिगडोला छोटा गांव में धर्म, श्रद्धा, सनातन संस्कृति और सामाजिक एकता का अनूठा उदाहरण देखने को मिला, जब वीर तेजाजी महाराज मूर्ति के प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव का आयोजन किया गया। समाजसेवी भागीरथ बगड़िया एवं रामप्यारी द्वारा अपनी शादी की 50वीं वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर वीर तेजाजी महाराज की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन करवाया, जिससे पूरे क्षेत्र में सनातन संस्कृति की मजबूती का संकल्प करने का संदेश पहुंचा।

सिगडोला छोटा गांव में वीर तेजाजी महाराज मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा कार्यक्रम में डॉ. सतीश पूनियां का लोगों ने स्वागत किया।

- समाजसेवी भागीरथ बगड़िया एवं रामप्यारी द्वारा अपनी शादी की 50वीं वैवाहिक वर्षगांठ पर वीर तेजाजी महाराज की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन

जानकारी के अनुसार सिगडोला छोटा गांव में वीर तेजाजी महाराज मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा विधि-विधान और वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सम्पन्न हुई। इस ऐतिहासिक आयोजन की अध्यक्षता भाजपा के हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने की। वहीं धार्मिक मार्गदर्शन वीर तेजाजी के मूल स्थान खरनाल से पधारे दरियाव धौलिया भोपाजी का रहा। वीर तेजाजी महाराज मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने के बाद सतीश पूनियां ने सीकर में जीणमाताजी के दर्शन कर पूजा-अर्चना की और प्रदेश एवं देशवासियों के सुख, शांति व समृद्धि की कामना की।

वीर तेजाजी महाराज मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह में डॉ. सतीश पूनियां ने अपने भाषण में वीर तेजाजी महाराज को राजस्थान के लोक जीवन का आदर्श और सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि वीर तेजाजी केवल एक लोकदेवता नहीं हैं, बल्कि हमारे संस्कारों, परंपराओं और जीवन मूल्यों के जीवंत प्रतीक हैं। वे सत्य, वचनबद्धता और परोपकार की त्रिवेणी हैं। उन्होंने विषधर सर्प को भी अपना वचन निभाने के लिए आमंत्रित किया, जो यह दर्शाता है कि तेजाजी के लिए वचन की मर्यादा सर्वोच्च थी।

डॉ. पूनियां ने भागीरथ बगड़िया और रामप्यारी द्वारा समाज के लिए किए गए इस कार्य को अनुकरणीय बताते हुए कहा कि आज जब लोग वर्षगांठ के अवसर पर निजी उपभोग को महत्व देते हैं, उस समय यह दंपती समाज को समर्पित कार्य करके आने वाली पीढ़ियों को सच्चा संस्कार दे रही है, जो समाज, प्रदेश एवं देश के उत्थान का महत्वपूर्ण काम है, जो हम सबके लिए अनुकरणीय है। यह सिर्फ एक मूर्ति स्थापना नहीं है, यह सामाजिक चेतना, श्रद्धा और धर्म के प्रति समर्पण का सजीव उदाहरण है। डॉ. पूनियां ने भारतीय संस्कृति में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि हमारे देश की ताकत हमारी माताएं और बहनें हैं। उन्होंने कहा कि महिलाएं खुद भूखी रह सकती हैं, लेकिन परिवार को भरण पोषण करवाकर संतुष्ट होती हैं। पर्यावरण की रक्षा हो या धर्म की सेवा, महिलाएं हमेशा अग्रणी रही हैं। उन्होंने आईएएस रेखा सिहाग का उल्लेख करते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने यह मुकाम हासिल कर दिखाया और युवाओं, बहन-बेटियों को उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से आव्हान किया कि वे तेजाजी महाराज के जीवन मूल्यों को आत्मसात करें और समाजहित एवं राष्ट्रहित में कार्य करें।

इस अवसर पर जलदाय मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, पूर्व केन्द्रीय कृषि मंत्री कैलाश चौधरी, पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, संत सिद्धेश्वरानंद महाराज, भाजपा पूर्व किसान मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हरिराम रणवा, सीकर भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज बाटड़ और पूर्व विधायक रतनलाल जलधारी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और गणमान्य अतिथि मंच पर उपस्थित रहे। मंदिर की विधिवत स्थापना अतिथियों के कर-कमलों से सम्पन्न हुई। कार्यक्रम के दौरान भाजपा राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन ओंकार मूंड ने किया और आभार अभिनंदन अमित बगड़िया ने किया। हजारों श्रद्धालु आयोजन में शामिल हुए और पूरे गांव ने इस उत्सव को श्रद्धा, आस्था और एकता के संगम के रूप में मनाया।

प्रधानमंत्री रोजगार मेला युवाओं के लिये वरदान बना

- जोधपुर में 134 युवाओं को केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत व अन्य विशिष्ट अतिथियों ने नियुक्ति पत्र सौंपे
- प्रधानमंत्री रोजगार मेला युवाओं को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहभागी बनने की दिशा में एक प्रभावित कदम है : केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत
- जोधपुर में डॉ. सम्पूर्णानंद मेडिकल कॉलेज के सभागार में 16वें रोजगार मेला समारोह का आयोजन हुआ

जोधपुर, (कासं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को प्रधानमंत्री रोजगार मेला के अंतर्गत देशभर में 47 स्थानों पर आयोजित समारोहों में 51,000 से अधिक नवनियुक्त अभ्यर्थियों को वर्चुअल माध्यम से नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

इसी क्रम में उत्तर-पश्चिम रेलवे, जोधपुर मंडल के तत्वावधान में डॉ. सम्पूर्णानंद मेडिकल कॉलेज, जोधपुर के सभागार में 16वें रोजगार मेला समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जोधपुर में आयोजित समारोह में केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, राज्यसभा सांसद राजेन्द्र गहलोत, जोधपुर विधायक अतुल भंसाली तथा जोधपुर दक्षिण नगर निगम की महापौर विनीता सेठ ने चयनित 134 युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किए।

कार्यक्रम की शुरुआत में मंडल रेल प्रबंधक अनुराग त्रिपाठी ने मंचासीन अतिथियों का पुष्पगुच्छ और राजस्थानी साफा पहनाकर स्वागत किया। तत्पश्चात दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसमें अपर मंडल रेल प्रबंधक राकेश कुमार एवं वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अभिषेक गांधी भी सम्मिलित हुए।

मुख्य अतिथि गजेन्द्र सिंह शेखावत ने अपने उद्बोधन में केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि रेलवे सहित सभी विभागों में तेजी से प्रगति हो रही है। उन्होंने नियुक्त अभ्यर्थियों को राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ कार्य करने का आव्हान करते हुए कहा कि आने वाले 25 वर्षों में भारत को विकसित एवं भव्य राष्ट्र बनाने का सपना इन युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही साकार होगा। उन्होंने अपने संबोधन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रोजगार सृजन हेतु प्रतिबद्धता को रेखांकित करते हुए कहा कि यह मेला युवाओं को आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सहभागी बनने की दिशा में एक प्रभावित कदम है उन्होंने नियुक्त अभ्यर्थियों से ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और सेवा भावना के साथ कार्य करने का आव्हान किया।

जोधपुर में आयाजित इस रोजगार मेले के अवसर पर अतिथियों द्वारा134 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे गए, जिनमें से 81 अभ्यर्थी रेलवे के विभिन्न विभागों इंजीनियरिंग, परिचालन, एसएण्डटी, यांत्रिक, विद्युत, लेखा, कार्मिक एवं मेडिकल 53 अभ्यर्थी अन्य केंद्रीय विभागों सीमा सुरक्षा बल, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, डाक विभाग, आईआईटी, जल शक्ति मंत्रालय आदि से थे।

इस अवसर पर समारोह में उत्तर-पश्चिम रेलवे जोधपुर मंडल के डीआरएम अनुराग त्रिपाठी, एडीआरएम राकेश कुमार, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अभिषेक गांधी, आरपीएफ सीनियर डीएससी नीतीश शर्मा, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर (सामग्री प्रबंधक) एवं (समन्वय) मनोहर सिंह, डीसीएम हितेश यादव, सहायक कार्मिक अधिकारी नरेंद्र सिवासिया व राधेश्याम चितारा सहित रेलवे एवं विभिन्न विभागों के अनेक वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का सफल आयोजन का रूप देने के लिए कार्मिक विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं सहायक कार्मिक अधिकारी नरेंद्र सिवासिया का अहम योगदान रहा। कार्यक्रम का मंच संचालन अंजू पुरोहित एवं राजकुमार जोशी ने किया।

अजमेर उत्तर में सैटेलाइट अस्पताल शुरू

अजमेर, (कासं)। राज्य सरकार की चिकित्सा सुविधाओं को जन जन तक पहुँचाने की संकल्पना को साकार करते हुए हरिभाऊ उपाध्यायन नगर पुष्कर रोड़ क्षेत्र में अस्थाई भवन में सैटेलाइट अस्पताल की शुरुआत की गई है। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने शनिवार को सैटेलाइट चिकित्सालय का शुभारंभ किया। इसका संचालन हरिभाऊ उपाध्याय नगर स्थित रा. जनजाति बालिका छात्रावास परिसर में किया जाएगा। देवनानी ने कहा कि यह चिकित्सालय अजमेर उत्तर विधानसभा क्षेत्र की वर्षों पुरानी आवश्यकता थी। अब धरातल पर मूर्त रूप ले रहा है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा बजट में की गई इस महत्वपूर्ण घोषणा को तेजी से अमल में लाते हुए अब कोटड़ा क्षेत्र में अस्थाई तौर पर अस्पताल शुरू किया गया है। स्थाई भवन निर्माण की प्रक्रिया भूमि आवंटन के साथ ही प्रारंभ हो चुकी है और यह अस्पताल लगभग 29 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होगा। उन्होंने कहा कि अस्थाई भवन के रूप में राजकीय जनजाति बालिका छात्रावास परिसर का उपयोग किया जा रहा है।

अस्पताल में नर्सिंग स्टाफ के बीच विवाद गहराया

- महिला नर्सिंगकर्मी ने सिटी पुलिस थाना नसीराबाद में शिकायत दी

नसीराबाद, (निसं)। राजकीय अस्पताल नसीराबाद में शनिवार सुबह नर्सिंग स्टाफ के बीच ड्यूटी के दौरान शुरू हुई मामूली कहासुनी देखते ही देखते गंभीर विवाद में तब्दील हो गई। मामला उस समय उग्र हो गया जब मेल नर्सिंग स्टाफ के एक कर्मचारी ने महिला नर्सिंगकर्मी के साथ कथित तौर पर अभद्र भाषा का प्रयोग किया और काम करने से इनकार कर दिया। विवाद इतना बढ़ा कि बात हाथापाई तक जा पहुंची। महिला नर्सिंगकर्मी का आरोप है कि मेल स्टाफ ने शराब के नशे में गाली-गलौज करते हुए माहौल खराब किया और जानबूझकर काम में बाधा डाली। घटना की सूचना मिलते ही महिला नर्सिंगकर्मी के परिजन अस्पताल पहुंच गए, जहां दोनों पक्षों में तीखी बहस और धक्का-मुक्की भी हुई। मौके पर मौजूद स्टाफ ने किसी तरह स्थिति को शांत कराया। घटना को लेकर महिला नर्सिंगकर्मी ने सिटी पुलिस थाना नसीराबाद में लिखित शिकायत दी है। अस्पताल परिसर के बाहर हुए इस घटनाक्रम को लेकर स्टाफ में तनाव और असुरक्षा का माहौल बन गया है। मरीजों और तीमारदारों के बीच भी घटना को लेकर चर्चा बनी रही।

डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक ने वृक्षारोपण किया

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा पर्यावरण संरक्षण की दिशा में हरियालो राजस्थान संकल्पना के तहत शनिवार को वृक्षारोपण अभियान की शुरुआत की गई।

इस अवसर पर प्रबंध निदेशक केपी वर्मा ने पंचशील स्थित निगम मुख्यालय में पौधारोपण कर इस अभियान का शुभारंभ किया। उनके साथ निदेशक तकनीकी मुकेश चंद बाल्दी, मुख्य अभियंता अशोक कुमार एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। प्रदेश में मानसून के आगमन के मद्देनजर 12 जुलाई शनिवार को अजमेर डिस्कॉम के विभिन्न कार्यालयों एवं जीएसएस परिसरों में लेसवा गोंदा प्रजाति के पौधों का वृहद स्तर पर वृक्षारोपण किया गया। अजमेर डिस्कॉम को वृत्तावार पौधारोपण का लक्ष्य रखा गया है।

प्रिंसिपल को पत्नी ने एक युवती के साथ आपत्तिजनक स्थिति में पकड़ा

- मौके पर जुटी भीड़ ने प्रिंसिपल और उसके साथी की पिटाई कर दी

श्रीगंगानगर, (निसं)। यहां सरकारी स्कूल के प्रिंसिपल की लोगों ने पिटाई कर दी। आरोप है कि प्रिंसिपल एक युवती और एक साथी अधिकारी के साथ कार में आपत्तिजनक स्थिति में बैठा था। तीनों को प्रिंसिपल की पत्नी ने मौके पर पकड़ लिया। इस दौरान मौके पर जुटी भीड़ ने प्रिंसिपल और उसके साथी की पिटाई कर दी। वहीं, आरोपी की पत्नी और कार में बैठी युवती की बीच भी सड़क पर मारपीट हुई। घटना सूरतगढ़ थाना इलाके के इंदिरा सर्किल इलाके में नौ जुलाई की रात की है। सूरतगढ़ थानाधिकारी दिनेश सारण ने बताया कि मामला पारिवारिक है। आरोपी जसवीर सिंह ठुकराना गांव के स्कूल में प्रिंसिपल है। सिंह और उनकी पत्नी के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा है।

पत्नी ने 9 जुलाई को दी शिकायत में बताया कि मैं अपने छोटे बेटे के साथ स्कूटी पर इंदिरा सर्किल खाना लेने जा रही थी। रास्ते में पति की कार खड़ी देखी। उसमें पति जसवीर सिंह के साथ नरेश रिणवा बैठा था। रिणवा एजुकेशन डिपार्टमेंट में अतिरिक्त मुख्य शिक्षा ब्लॉक अधिकारी है। उनके साथ ही कार में एक लड़की भी थी। मुझे सामने से आता देख पति ने कार को तेजी से भगाया और मेरी स्कूटी को टक्कर मार दी। महिला ने बताया कि कुछ दूर जाने के बाद उनकी कार का टायर फट गया। मैं पीछा करते हुए मौके पर पहुंची। कार से उतरे नरेश रिणवा ने मेरे साथ दुर्व्यवहार किया और बाल भी नोंचे। हंगामा होता देख मौके पर भीड़ जुट गई। लोगों की मदद से पति, एसीबीईओ और लड़की को पकड़कर आरोपियों की पिटाई भी की।

पत्नी ने आरोप लगाया कि तीनों शराब के नशे में थे। कार से शराब की बोतल, फास्ट फूड के पैकेट और आपत्तिजनक सामग्री मिली। मौके पर जुटी भीड़ ने इसका वीडियो बनाया। मैंने तुरंत सिटी थाना (सूरतगढ़) में सूचना दी। पुलिस एसीबीईओ नरेश रिणवा और युवती को थाने ले गई। वहीं, आरोपी प्रिंसिपल कार छोड़कर मौके से फरार हो गया। घटना की एफआईआर 11 जुलाई को एसपी के आदेश के बाद दर्ज हुई है।

मामले में पकड़ गए एसीबीईओ नरेश रिणवा का कहना है कि नौ जुलाई की रात मैं पैदल चल रहा था। इस दौरान प्रधानाचार्य जसवीर सिंह ने मुझे देखा और कार में लिफ्ट दी। प्रधानाचार्य की पत्नी की ओर से लगाए गए सभी आरोप झूठे हैं।

थाना अधिकारी दिनेश सारण ने बताया कि एसपी के आदेश पर सिटी थाना में प्रिंसिपल पत्नी की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर प्रधानाचार्य पति, एसीबीईओ और युवती के खिलाफ शनिवार दोपहर मामला दर्ज किया गया है। प्रिंसिपल की पत्नी ने मारपीट, किडनैप, जान से मारने की नीयत और अन्य विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच डीएसपी प्रतीक मील करेंगे।

दिनेश सारण ने बताया कि महिला ने रिपोर्ट में बताया कि उसकी शादी 2006 में जसवीर सिंह पुत्र टेकसिंह धालीवाल के साथ हुई थी। उसका पति शराबी और अय्याश किस्म का है और रोजाना नशा करता है। इसके साथ ही गाली-गलौज और बेवजह उस पर शक करता है। 9 जुलाई की रात को करीब 8:30 बजे वह अपने बेटे परमवीर सिंह के साथ इंदिरा सर्किल पर एक होटल से खाना लेने के लिए जा रही थी। इसी दौरान इंदिरा सर्किल पर पति की कार खड़ी दिखाई दी। जब मां-बेटे कार के पास गए तो उसका पति उसे देखकर घबरा गया। महिला ने आरोप लगाया कि इसी दौरान कार से उतरे एसीबीईओ ने उसके साथ दुर्व्यवहार किया, उसके बाल पकड़े पड़े और जातिसूचक गालियां निकालते हुए उसे गाड़ी में धकेलकर किडनैप करने का भी प्रयास किया। इस दौरान उसके पति ने कार स्टार्ट कर उन्हें टक्कर मारने की कोशिश की।

भरतपुर में सारस चौराहा पर फ्लाईओवर बनाने की मंजूरी के बाद भी काम अटका

लोगों का कहना है कि आगरा-जयपुर नेशनल हाइवे स्थित सारस चौराहा सबसे खतरनाक पॉइंट है, यहां आए दिन हादसे होते हैं

भरतपुर, (निसं)। शहर में 11 जानलेवा पॉइंट हैं, जिनमें से 8 ब्लैक स्पॉट हैं, जहां सालाना 500 से अधिक दुर्घटनाएं होती हैं और 50 से अधिक लोग अपनी जान गंवा देते हैं। इनमें से तीन बड़े पॉइंट हैं सारस चौराहा, केवलादेव घना क्रासिंग और शीशम तिराहा। इन पॉइंट्स पर दुर्घटनाओं की संख्या अधिक होने के कारण इन्हें ब्लैक स्पॉट घोषित किया गया है। सारस चौराहा पर फ्लाईओवर बनाने की मंजूरी सड़क एवं परिवहन मंत्रालय ने दे दी है। इसकी जिम्मेदारी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को सौंपी गई है। फ्लाईओवर का डिजाइन तैयार हो गया है और डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) भी तैयार हो चुकी है, लेकिन इसके बावजूद भी फ्लाईओवर का काम शुरू नहीं हुआ।

स्थानीय निवासियों का कहना है कि आगरा-जयपुर नेशनल हाइवे स्थित सारस चौराहा सबसे खतरनाक पॉइंट है। यहां आए दिन हजारों की संख्या में लोगों का आवागमन होता है। यही वजह है कि यहां आए दिन हादसे होते हैं और कई लोग जान भी गवां देते हैं। इसी को देखते हुए यहां लंबे समय से फ्लाईओवर की मांग चली आ रही है। करीब तीन साल पहले सारस चौराहा पर फ्लाईओवर बनाने की मंजूरी सड़क एवं परिवहन मंत्रालय ने दे दी है। इसकी जिम्मेदारी भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को सौंपी गई है। फ्लाईओवर का डिजाइन तैयार हो गया है और डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) भी तैयार हो चुकी है

भरतपुर में सारस चौराहा पर फ्लाईओवर बनाने की मंजूरी के बाद भी अटका हुआ है।

- भरतपुर शहर में 11 जानलेवा पॉइंट हैं, जिनमें से 8 ब्लैक स्पॉट हैं, जहां सालाना 500 से अधिक दुर्घटनाएं होती हैं
- इनमें से तीन बड़े पॉइंट हैं सारस चौराहा, केवलादेव घना क्रासिंग और शीशम तिराहा, इन पॉइंट्स पर दुर्घटनाओं की संख्या अधिक होने के कारण इन्हें ब्लैक स्पॉट घोषित किया गया है

आगरा-जयपुर एनएच-21 पर सूर्या सिटी से सारस चौराहा से टर्न लेते हुए शीशम तिराहे से आगे, लेकिन मलाह पुल से पहले तक पुल बनेगा। इसकी लंबाई 1780 मीटर होगी। शहरवासियों के आवागमन के लिए पांच अंडरपास बनेंगे। पुष्पवाटिका पर 12 मीटर, सारस चौराहा पर 30 मीटर के 4, केवलादेव घना पर 12 मीटर, वीपीएस पार्क पर 12 मीटर के दो तथा शीशम तिराहे पर 21 मीटर के दो पास बनेंगे, जिससे शहरवासियों और घना आने वाले पर्यटकों को सहुलियत होगी। यातायात को देखते हुए फ्लाईओवर फोरलेन का डिजाइन किया गया है, जिससे ट्रेफिक बदस्तूर चलता रहे। इसकी चौडाई 29 मीटर रखी गई है। इस रोड पर प्रतिदिन करीब 12 हजार वाहनों का आवागमन है। डिजाइन के मुताबिक कुछ स्थानों पर फ्लाईओवर पिलर पर रहेगा, पैनल बनेंगे। छह स्थानों पर पिलर डिजाइन किए गए हैं। प्रोजेक्ट में दोनों सर्विस रोड का भी प्रावधान किया गया है। इससे छोटे वाहनों आसानी से घना रोड और शहर में एंट्री कर सकेंगे, लेकिन इसके बावजूद भी अभी तक फ्लाईओवर का काम शुरू नहीं हुआ है, जिससे लोगों को काफी परेशानी हो रही है। लोगों की यही मांग है जल्द से जल्द यह फ्लाईओवर बने, जिससे हादसों में कमी हो।

जंगली जानवर के हमले में 12 मवेशियों की मौत

चिकित्सा विभाग की टीम ने मौके पर जाकर जांच की।

मसूदा, (निसं)। मसूदा उपखंड क्षेत्र के ग्राम भेरूखेड़ा में एक बार फिर से जंगली जानवर ने मवेशियों पर हमला कर दिया। हमले में करीब एक दर्जन मवेशियों को मौत के घाट उतार दिया। वहीं दो मवेशियों को घायल कर दिया। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंचे मसूदा पशु चिकित्सक डॉक्टर दिनेश सुवासिया ने बताया कि मौके पर पशु चिकित्सालय के चिकित्सक मय टीम द्वारा मौके पर मृतक मवेशियों का पोस्टमार्टम किया गया। संबंधित थानों में एफआईआर के लिए प्रमाणित बताया गया। मौका पर्चा मौके पर तैयार किया गया। साथ ही अन्य घायल जानवरों का इलाज किया गया। वहीं ग्रामीणों ने पैंथर की आशंका जताई है।

- ग्रामीणों ने पैंथर के हमले की आशंका जताई

भेरूखेड़ा निवासी भंवर पुत्र छोगा रावत के बाड़े में बंधी करीब एक दर्जन मवेशियों को रात्रि के समय जंगली जानवर ने शिकार कर दिया, जिसका

हादसे में घायल वृद्ध की मौत

उदयपुर, (निसं)। शहर के समीप नाई थाना क्षेत्र में कार ने दो बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में घायल वृद्ध की उपचार के दौरान मौत हो गई।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार को नाई थाना क्षेत्र खेरिया घाटे में कार ने दो बाइक को चपेट में ले लिया। हादसे में घायल श्रमिक बाइक चालक दयालाल पूर्बिया (64) पुत्र भेरूलाल निवासी अदकालया की मौत हो गई। दयालाल व साथी बंशीलाल छह जुलाई को अलसीगढ़ क्षेत्र में मजदूरी कर वापस घर लौट रहा था। जहां बीच रास्ते में खेरिया घाटे में कार ने दो बाइक को चपेट में ले लिया था। हादसे में एक बाइक पर सवार नारूलाल (25) पुत्र गणेश निवासी छोटी उन्दरी की मौके पर मौत हो गई थी तथा दूसरी बाइक पर सवार झाड़ोल हॉल नया खेड़ा निवासी बंशीलाल पूर्बिया एवं दयालाल घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया था। नारू भी मजदूरी कर बाइक पर घर लौट रहा था। सूचना मिलने पर नाई पुलिस थाने के हेड कांस्टेबल मंगेजाराम ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया।

आखिरी मैच में जब हम लोग आ रहे थे तब पता चला था कि डिओगो जोटा की कार दुर्घटना में मौत हो गई। मैं पुर्तगाल का प्रशंसक हूं क्योंकि सीआर7 (क्रिस्टियानो रोनाल्डो) भी उसी टीम से खेलते हैं। मैं बहुत भावुक हूं। - मो. सिराज

भारतीय गेंदबाज, फुटबाल खिलाड़ी डिओगो जोटा की मौत पर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

सचिन तेंदुलकर

विंबलडन 2025 में सचिन तेंदुलकर ने विंबलडन में जाने के अपने अनुभव, टेनिस के दिग्गजों के प्रति अपनी प्रशंसा और क्रिकेट तथा टेनिस के बीच आश्चर्यजनक समानताओं को साझा किया। विंबलडन 2025 में सचिन तेंदुलकर ने कहा, यह अविश्वसनीय है। जैसे लोग कहते हैं कि लॉर्ड्स क्रिकेट का घर है, वैसे ही यह टेनिस का मक्का है। मैं विंबलडन देखते हुए बड़ा हुआ हूं, और सात-आठ साल की उम्र से ही, जब मैंने टेनिस को थोड़ा-बहुत समझना शुरू किया, तब से मेरे लिए हमेशा विंबलडन सबसे पहले और फिर बाकी ठौंड स्लैम ही रहे हैं।

क्या आप जानते हैं ?... 1983 के बाद से विंबलडन में महिला एकल फाइनल में पहला 6-0 का शुरुआती सेट - जब मार्टिना नवरातिलोवा ने एंड्रिया जैगर को 6-0, 6-3 से हराया था।

इटली ने टी-20 विश्व कप 2026 के लिए क्वालीफाई कर इतिहास रचा

हैग (स्विट्जरलैंड), 12 जुलाई। इटली ने अगले साल भारत और श्रीलंका में होने वाले पुरुष टी20 विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर लिया है। यह पहली बार होगा जब वे विश्व कप का हिस्सा होंगे। उनके साथ नीदरलैंड्स ने भी इस टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया है। दोनों टीमों ने यूरोपियन क्वालिफायर में शीर्ष दो स्थान हासिल कर यह उपलब्धि अपने नाम की। पिछले चार टी20 विश्व कप का हिस्सा रह चुके स्कॉटलैंड को जर्सी के खिलाफ आखिरी गेंद पर हार झेलनी पड़ी और वे क्वालिफाई करने से चूक गए। उन्हें चार मैचों में सिर्फ एक मैच में जीत मिली। आख़िरी मैच में एक विकेट से जीत के बावजूद जर्सी भी टूर्नामेंट से बाहर हो गया क्योंकि एक अन्य मैच में नीदरलैंड्स ने इटली को हरा दिया। इटली और जर्सी दोनों के पास पांच-पांच अंक थे, लेकिन बेहतर नेट रन रेट के चलते इटली 2026 टी20 विश्व कप में जगह बनाने में सफल रहा।

नारायणा क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 12 जुलाई। अंडर-16 अरावली कप में लक्ष्य क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 31 ओवर में 162 रन 10 विकेट के नुकसान

पर बनाए। योषित गुर्जर ने सर्वाधिक 50 रनों का योगदान दिया ! नारायणाक्रिकेट अकादमी की ओर से दक्ष ने तीन और सत्यम पांडे ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी नारायणाक्रिकेट अकादमी ने 30 ओवर में 163 रन 8 विकेट के नुकसान पर बना कर जीत हासिल कर ली। गौरव सैनी ने 39, सत्यम पांडे ने 33 और रवि कश्यप ने 32 रनों का योगदान दिया। लक्ष्य क्रिकेट अकादमी की ओर से तनुज गुर्जर और प्रियांशु सैनी ने दो-दो विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच सत्यम पांडे को चुना गया।

अंडर-14 फ्रेंड्स क्रिकेट कप एस.एच.एस. क्रिकेट एकेडमी 14 रन से विजेता

जयपुर, 12 जुलाई। एस.एच. एस. क्लब, द्वारा आयोजित प्रथम अंडर 14 फेडस किकेट कप

में खेले गये मैच मे एस.एच.एस एकेडमी और स्कॉलर्स क्रिकेट एकेडमी के मध्य खेले गये मैच में टॉस जीत कर एस.एच.एस क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया ।एस.एच.एस क्रिकेट एकेडमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 282/10 36.0 ओवर मे बनाए। एस.एच. एस क्रिकेट एकेडमी की ओर से संचित मलिक ने 163 रन, जयेश सिंह ने 24 रन और जयदेव ने 19 रन बनाये। स्कॉलर्स क्रिकेट एकेडमी की और से गेंदबाजी करते हुए लक्की राठोर ने 57 रन देकर 3 विकेट, वेदान्त ने 29 रन देकर के 2 विकेट स्लोक सिंह शेखावत ने 29 रन देकर के 3 विकेट, जय बी ने 33 रन देकर के 1 विकेट लिया। स्कॉलर्स क्रिकेट एकेडमी ने बल्लेबाजी करते हुए 268/8 38.2 ओवर मे बनाऐ। स्कॉलर्स क्रिकेट एकेडमी कि ओर से स्लोक सिंह शेखावत ने 107 रन, जय बी ने 31 रन, लक्की राठोर ने 24 रन बनाये। एस.एच.एस क्रिकेट एकेडमी गेंदबाजी करते हुए रनवीर सिंह ने 39 रन देकर 1 विकेट, मानवेन्द्र सिंह ने 62 रन देकर 2 विकेट, एम कुमावत ने 37 रन देकर 1 विकेट, जयेश सिंह ने 41 रन देकर 1 विकेट लिया। एस.एच. एस क्रिकेट एकेडमी 14 रन से विजेता हुई।

'ईएपीएल द इवेंट मैनेजर्स एंड आर्टिस्ट प्रीमियर लीग' का पोस्टर हुआ विमोचन

जयपुर, 12 जुलाई। जयपुर में होगी एक अनोखी क्रिकेट प्रतियोगिता 'ईएपीएल द इवेंट मैनेजर्स एंड आर्टिस्ट प्रीमियर लीग' जिसका आयोजन 15 से 17 अगस्त 2025 तक किया जाएगा। इस आयोजन में राजस्थान के इवेंट मैनेजर्स और आर्टिस्ट्स भाग लेंगे जिसके पोस्टर का विमोचन एक भव्य समारोह में कल देर रात किया गया। कार्यक्रम में इवेंट इंडस्ट्री के कई दिग्गज ऋतुराज खन्ना, जेडी मेहता, मोहित माहेश्वरी, अनिल भाटी और अरशद हुसैन जैसे लोग उपस्थित थे। इस आयोजन के आयोजक यश माहेश्वरी ने कहा कि इस टेनिस बॉल टूर्नामेंट में 8 टीमें भाग लेंगी, हर टीम में 7 मेल और 1 फीमेल खिलाड़ी होंगे जो 8 ओवर के मुकाबलों होंगे जिसमें शार्ट बाउंड्री के साथ रोमांस का स्तर अलग होगा।

दोनों टीमें पहली पारी में 387-387 रन पर आउट, इंग्लैंड का दूसरी पारी में स्कोर 2/0

राहुल ने शतक लगाया, जबकि पंत और जडेजा ने अर्द्धशतक जड़े

लॉर्ड्स, 12 जुलाई। भारत और इंग्लैंड के बीच तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। भारत और इंग्लैंड का स्कोर पहली पारी में बराबर रहा और कोई भी बढ़त हासिल नहीं कर सकी है।

भारत और इंग्लैंड के बीच लॉर्ड्स टेस्ट के तीसरे दिन का खेल समाप्त हो गया है। भारत की पहली पारी 387 रन पर ऑलआउट हुई, जबकि इंग्लैंड ने दिन के खेल की समाप्ति तक दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के दो रन बनाए हैं। स्टंप्स के समय जैक क्राउली दो और बेन डकेट खाता खोले बिना क्रीज पर मौजूद थे।भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पहली पारी में बढ़त लेने से चूक गई। इंग्लैंड ने पहली पारी में 387 रन बनाए थे और भारत भी इतने ही रन बना सका जिससे पहली पारी में दोनों टीमों का स्कोर बराबर रहा।

इंग्लैंड की दूसरी पारी के दौरान माहौल उस वक्त तनावपूर्ण हो गया जब बुमराह के ओवर में क्राउली समय पास करने के लिए ब्रेक ले रहे थे। बुमराह सहित भारतीय टीम के सभी खिलाड़ी इस बात से नाराज दिखे। दरअसल, इंग्लैंड की पारी उस वक्त शुरू हुई जब दिन का खेल समाप्त होने के करीब था। ऐसे में इंग्लैंड के बल्लेबाज बिना किसी जायज कारण के समय बर्बाद कर रहे थे। बुमराह की गेंद फेंकने के बाद क्राउली ने अंगुली में चोट लगने का हवाला देकर फिजियो को मैदान पर बुलाया। इससे गिल सहित पूरी भारतीय टीम ने उनको आड़े हाथों लिया। इस दौरान क्राउली और गिल के बीच तीखी नोकझोंक हुई। डकेट भी गिल के गर्म तेवर का शिकाए हुए। इससे क्राउली और डकेट चिढ़ गए। बुमराह का ओवर जैसे ही खत्म हुआ क्राउली ड्रेसिंग रूम की ओर चल दिए। ऐसा लग रहा था कि वह बुमराह का सामना करने से डर रहे हैं। स्टंप्स के बाद जब दोनों टीमों के खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में लौट रहे थे तो भी माहौल गर्म ही नजर आया। इंग्लैंड की नजरें अब चौथे दिन मजबूत स्कोर बनाने पर होंगी, जबकि भारतीय टीम जल्द से जल्द इंग्लैंड की दूसरी पारी समेटना चाहेगी।

भारत को पहली पारी में 387 रन पर ऑलआउट करने के बाद इंग्लैंड की दूसरी पारी शुरू हो गई है। इंग्लैंड के लिए जैक क्राउली के साथ बेन डकेट क्रीज पर उतरे हैं। भारतीय टीम इंग्लैंड के खिलाफ पहली पारी में बढ़त लेने से चूक गई है। इंग्लैंड ने पहली पारी में 387 रन बनाए थे और भारत भी इतने ही रन बना सका जिससे पहली पारी में दोनों टीमों का स्कोर बराबर रहा। भारत के लिए केएल राहुल ने शतक लगाया, जबकि ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा ने अर्धशतक जड़े। इसके बावजूद भारतीय टीम बढ़त लेने में सफल नहीं रही। भारत ने पिछले चार विकेट 11 रन के अंतराल पर गंवाए जिस कारण वह बढ़त हासिल नहीं करने में कामयाब नहीं हो सकी।

भारत ने तीसरे दिन की शुरुआत तीन विकेट पर 145 रन से की। भारत के लिए केएल राहुल और पंत ने पारी आगे बढ़ाई।केएल राहुल और ऋषभ पंत ने शुरुआती सत्र में शानदार प्रदर्शन किया। पंत ने अर्धशतक लगाया, लेकिन वह रन आउट होकर पवेलियन लौट गए।पंत तेजी से रन चुराने के चक्कर में आउट हो गए।पंत 112 गेंदों पर आठ चौकों और दो छक्के की मदद से 74 रन बनाकर आउट हुए। पंत और केएल राहुल के बीच चौथे विकेट के लिए 141 रनों की साझेदारी हुई। पंत के आउट होते ही लंच ब्रेक की घोषणा की गई। भारत ने पहले सत्र में 103 रन बनाए और सिर्फ एक विकेट गंवाया। भारत ने शुरुआत सत्र में 4.58 के रन रेट से बल्लेबाजी की।

लंच ब्रेक के बाद राहुल ने अपना 10वां टेस्ट शतक पूरा किया, लेकिन राहुल शतक लगाने के बाद अपना विकेट गंवा बैठे। राहुल 177 गेंदों पर 13 चौकों की मदद से 100 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद रवींद्र जडेजा ने नीतीश कुमार रेड्डी के साथ मिलकर मोर्चा संभाला और दोनों बल्लेबाजों ने उपयोगी साझेदारी की जिससे भारत का स्कोर 300 रन के पार पहुंच गया।बेन स्टोक्स ने नीतीश रेड्डी को आउट कर भारत को छठा झटका दिया। नीतीश और जडेजा के बीच 72 रनों की साझेदारी हुई।

भारतीय टीम के अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा ने अर्धशतक जड़ा। जडेजा ने 87 गेंदों पर पचासा पूरा किया। जडेजा का यह इस दौरे पर लगातार तीसरा अर्धशतक है। जडेजा की शानदार पारी से भारत का स्कोर 350 रन के पार पहुंचा।भारत को रवींद्र जडेजा के रूप में सातवां झटका लगा। जडेजा शानदार बल्लेबाजी कर रहे थे, लेकिन 131 गेंदों पर आठ चौकों और एक छक्के की मदद से 72 रन बनाकर आउट हुए। जडेजा ने वॉशिंगटन सुंदर के साथ मिलकर 50 रनों की साझेदारी की। जडेजा जब आउट हुए तब भारत का स्कोर 376 रन था। यानी भारतीय टीम बढ़त लेने से 12 रन ही दूर थी, लेकिन भारत ने नियमित अंतराल पर विकेट गंवाए और बढ़त हासिल नहीं कर सकी।

स्वियाटेक ने अनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से रौंदकर पहला विंबलडन खिताब जीता

लंदन, 12 जुलाई। पूर्व विश्व नंबर 1 खिलाड़ी इगा स्वियाटेक ने शनिवार को एकतरफा अंदाज में खेले गए फाइनल में अमेरिकी खिलाड़ी अमांडा अनिसिमोवा को 6-0, 6-0 से रौंदकर अपने करियर का छठा ग्रैंड स्लैम एकल खिताब - और ऑल इंग्लैंड क्लब में पहला खिताब जीत लिया - जिससे वह सभी कोर्ट पर ग्रैंड स्लैम चैंपियन बन गईं। 57 मिनट के प्रभावशाली प्रदर्शन में, स्वियाटेक ने पिछले वसंत में चौथी बार रौलां गैरो ट्रॉफी जीतने के बाद से अपना पहला खिताब जीता, और प्रमुख फाइनल में अपना रिकॉर्ड 6-0 कर लिया।

ओपन एरा में पोलैंड की ओर से पहली विंबलडन एकल चैंपियन बनने के अलावा, यह जीत स्वियाटेक के करियर की 100वीं ग्रैंड स्लैम मैच जीत भी है। 2019 में ग्रैंड स्लैम मुख्य ड्रॉ में पदार्पण के बाद से अब तक ग्रैंड स्लैम मुख्य ड्रॉ में उनका रिकॉर्ड 100-20 का हो गया है। 1983 के बाद से विंबलडन में महिला एकल फाइनल में पहला 6-0 का शुरुआती सेट - जब मार्टिना नवरातिलोवा ने एंड्रिया जैगर को 6-0, 6-3 से हराया था। इससे पहले, 1973-75 के सभी फाइनल में पहले सेट 6-0 से बराबर रहे थे - जिसमें 1973 में बिली जीन किंग की तत्कालीन 18 वर्षीय क्रिस एवर्ट पर 6-0, 7-5 से जीत भी शामिल है।

ईएसपीएन के लिए कमेंट्री करते हुए एवर्ट ने उस फाइनल के शुरुआती दौर को याद करते हुए कहा, "मैं धुंध में थी।" दूसरे सेट के शुरुआती दौर में अनिसिमोवा ने दमदार स्ट्रोक्स लगाए - जिसमें 90 मील प्रति घंटे की रफ़्तार से फोरहैंड विनर भी शामिल था जिससे स्कोर 30-30 हो गया और स्वियाटेक की सर्विस 6-0, 1-0 हो गई। लेकिन इसका स्कोरबोर्ड पर कोई असर नहीं हुआ।

भारत-ए पुरुष हॉकी टीम ने फ्रांस को हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की

आइंडहोवन, 12 जुलाई। भारत ए पुरुष हॉकी टीम ने यूरोप दौरे पर अपनी शानदार फॉर्म जारी रखते हुए अपने तीसरे मुकाबले में फ्रांस को 3-2 से हराकर अपनी लगातार तीसरी जीत दर्ज की। आइंडहोवन के हॉकी क्लब ओरांजे-रूड में खेले गये मुकाबले में आज भारत ए पुरुष हॉकी टीम के लिए फॉरवर्ड आदित्य अर्जुन लालगे ने दो गोल किए, उनके साथी बॉबी सिंह धामी ने भी गोल किया। आदित्य अर्जुन लालगे ने पहला गोल किया, जिसके बाद उन्होंने एक पेनल्टी कॉर्नर को भी गोल में बदला। बॉबी सिंह धामी ने भारत के लिए तीसरा गोल किया और जीत हासिल की। वहीं, फ्रांस के लिए दोनों गोल क्लेमेंट की ओर किये गये। जीत के बाद भारत ए टीम के कोच शिवेंद्र सिंह ने कहा, भारत ए पुरुष हॉकी टीम इस दौरे की तैयारी में पर्दे के पीछे कड़ी मेहनत कर रही है और यह देखकर बहुत अच्छा लग रहा है कि मैदान पर भी सब कुछ ठीक चल रहा है। इस दौरे पर हमें कुछ और मैच खेलने हैं और मुझे पूरा विश्वास है कि टीम अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखेगी।

ग्रेट ब्रिटेन के कैश और ग्लासपूल ने विंबलडन युगल खिताब जीतकर इतिहास रच दिया

लंदन, 12 जुलाई। जूलियन कैश और लॉयड ग्लासपूल ने 89 वर्षों में विंबलडन में पुरुष युगल खिताब जीतने वाली पहली ब्रिटिश जोड़ी बनकर इतिहास रच दिया। इस जोड़ी ने आज ऑस्ट्रेलिया के रिंकी हिजिकाटा और डचमैन डेविड पेल की गैर-वरीयता प्राप्त जोड़ी को 6-2, 7-6 (7-3) से हराकर अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। 28 वर्षीय कैश और 31 वर्षीय ग्लासपूल 1960 में माइक डेविस और बॉबी विल्सन के बाद फाइनल में पहुंचने वाली पहली ब्रिटिश जोड़ी बन चुकी थीं। लेकिन बीबीसी की एक खबर के अनुसार, 1936 में विंबलडन में पैट ह्यूजेस और रेमंड टकी के बाद यह पहली बार है जब दो ब्रिटिश खिलाड़ी किसी ग्रैंड स्लैम में पुरुष युगल चैंपियन बने हैं। ग्लासपूल ने एक रोमांचक मैच के बाद कहा,"जब आप ऐसा कहते हैं तो यह अविश्वसनीय लगता है। मैंने इसके बारे में ज़्यादा नहीं सोचा था। हम इस दिन को ज़िंदगी भर नहीं भूलेंगे।" कैश ने आगे कहा, "इस साल हमारे दो लक्ष्य थे - एक ट्यूरिन (एटीपी फ़ाइनल) में जगह बनाना और दूसरा एक ग्रैंड स्लैम जीतना।यहां ऐसा करना, इससे ज्यादा मायने नहीं रखता।" शुरुआत में जब कैश ने एक अविश्वसनीय ओवरहेड स्मैश लगाकर जीत सुनिश्चित की, तो दोनों ने अपने कोचिंग बॉक्स की ओर मुड़कर हवा में मुट्ठियाँ उठाईं, लेकिन फिर दोनों ने मुस्कुराते हुए कोर्ट में अपनी ट्रॉफियां लहराईं। पिछले महीने क्वींस और ईस्टबोर्न में मिली सफलता के बाद, उन्होंने सीज़न का तीसरा ग्रास-कोर्ट खिताब जीतने का जश्न मनाया।

कुंबले ने उठाई क्रिकेट नियमों में बदलाव की मांग

पंत का रन आउट होना दुर्भाग्यपूर्ण रहा : कुंबले

लंदन, 12 जुलाई। जियो हॉटस्टार के विशेषज्ञ, अनिल कुंबले और स्टीव हार्मिसन ने मैच सेंटर लाइव पर बात करते हुए, तीसरे दिन के पहले सत्र पर विचार किया। उन्होंने भारत की बल्लेबाजी की तारीफ की, लेकिन साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि कैसे पंत के आउट होने से इंग्लैंड को एक महत्वपूर्ण जीवन रेखा मिली। तीसरे टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को पहले सत्र के बाद मैच सेंटर लाइव पर बात करते हुए, जियोहॉटस्टार विशेषज्ञ अनिल कुंबले ने ऋषभ पंत के दुर्भाग्यपूर्ण रन-आउट पर अपनी राय दी: "मुझे लगता है कि शुरुआत में ऋषभ पंत ने कॉल किया और फिर यह सोचकर हिचकिचाए कि कोई रन नहीं है। और फिर केएल ने तुरंत शुरुआत की। इसलिए ऋषभ पंत की शुरुआती हिचकिचाहट ने शायद उनकी प्रतिक्रिया में देरी की। और फिर उन्हें रन लेना पड़ा क्योंकि केएल सीधे दौड़कर लक्ष्य पर पहुंच रहे थे। यह निश्चित रूप से अनावश्यक था, क्योंकि आप अगली तीन गेंदों को रोक सकते थे, लंच पर जा सकते थे, और फिर जो करना था कर सकते थे- या उस शानदार प्रदर्शन को जारी रख सकते थे जो इन दोनों बल्लेबाजों ने पहले सत्र में किया था।"

केएल राहुल और ऋषभ पंत के बीच शानदार साझेदारी पर बात करते हुए, कुंबले ने कहा: "उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। मेरा मतलब है, एक शानदार साझेदारी। ऐसा नहीं है कि उन्हें कड़ी टक्कर देनी पड़ी-नियंत्रित आक्रामकता। मुझे लगा कि पहला सत्र निश्चित रूप से भारत का था। लेकिन उन्होंने इंग्लैंड को लंच सत्र में थोड़ा आत्मविश्वास दिया क्योंकि जोफ्रा आर्चर ने उस सत्र में केवल चार ओवर ही फेंके। वह लंच के बाद वापसी करेंगे और फिर कुछ विकेट लेने की कोशिश करेंगे। और उन्हें मौका क्यों दिया जाए? मेरा मतलब है, भारत आसानी से उनसे मैच छीन सकता था। और दुर्भाग्य से ऋषभ पंत रन आउट हो गए।"

स्टीव हार्मिसन ने इस बात पर टिप्पणी की कि कैसे पंत के आउट होने से इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण में जान आ गई: "मैं इसे देखता हूं और सोचता हूं, वाह, यह इंग्लैंड के लिए कितनी बड़ी जीवन रेखा है। यह एक बहुत बड़ी जीवन रेखा है। मुझे लगा कि इंग्लैंड ने पहले आधे घंटे में वाकई अच्छी गेंदबाजी की। केएल राहुल ने अपने स्वाभाविक अंदाज में खेला। गेंद उनके पास आ रही थी, उन्होंने जो भी दिया उसे लिया। उन्होंने विकेट के ठीक सामने बाउंड्री के लिए कुछ खूबसूरत शॉट लगाए।

भारत की अंडर-20 महिला टीम कल उज्बेकिस्तान के साथ पहला मैत्री मुकाबला खेलेगी

ताशकंद, 12 जुलाई। भारत की अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम रविवार को उज्बेकिस्तान के साथ अपना पहला मैत्री मुकाबला खेलेगी। भारतीय टीम यहां उज्बेकस्तान के साथ दो मैत्री मैच खेलेंगी। पहला मैच 13 जुलाई को डू स्टलिक स्टेडियम में भारतीय समयानुसार साढ़े आठ बजे से खेला जाएगा। बेंगलुरु के पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस में प्रशिक्षण के बाद भारतीय टीम शुक्रवार सुबह उज्बेकिस्तान की राजधानी पहुंची और शाम को जिम में अभ्यास किया। कल होने वाले मैच से पहले आज शाम टीम ने अभ्यास किया। भारतीय टीम इन मैत्री मैचों का उपयोग अगले महीने होने वाले एएफसी अंडर-20 महिला एशिया कप क्वालीफायर की तैयारी के लिए कर रही है। क्वालीफायर में भारतीय टीम का मुकाबला इंडोनेशिया, तुर्कमेनिस्तान और मेजबान म्यांमार से होगा। भारतीय टीम के मुख्य कोच जोआकिम एलेक्जेडरसन ने कहा, हम एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी का सामना करना चाहते थे ताकि हमें अंदाजा हो सके कि एशियाई क्वालीफायर में हमारा क्या अभ्यास है।

राज्य स्तरीय जूनियर तैराकी प्रतियोगिता का शुभारम्भ

कोटा, 12 जुलाई। राजस्थान तैराकी संघ के तत्वावधान में कोटा जिला तैराकी संघ द्वारा राज्य स्तरीय जूनियर तैराकी प्रतियोगिता का शुभारम्भ कोटा के विजयाराजे सिन्धिया तरणताल पर हुआ। प्रतियोगिता का उद्घाटन कोटा के सभांगीय आयुक्त राजेन्द्र सिंह शेखावत, आईएएस द्वारा किया गया। समारोह में अनिल व्यास अध्यक्ष राजस्थान तैराकी संघ एवं नरेन्द्र बिडला अध्यक्ष, कोटा जिला तैराकी संघ उपस्थित थे। व्यास ने बताया कि 15 जिलो से 172 बालक एवं 85 बालिकाये भाग ले रहे हैं। इस प्रतियोगिता के आधार पर अहमदाबाद में होने वाली राष्ट्रीय प्रतियोगिता दिनांक 4 से 8 अगस्त तक राजस्थान का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम का चयन किया जायेगा। व्यास ने बताया कि इन तैराको से राजस्थान को पदक मिलने की सम्भावना हैं. साथ ही व्यास ने कोटा शहर द्वारा उपलब्ध करवाई गई सुविधाओ के लिए आभार व्यक्त किया। आज प्रात:कालीन सत्र में उदयपुर की विधि सनाढ्य ने छात्रा वर्ग की 200 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रॉक में 03:01:07 समय के साथ किर्ती टॉक उदयपुर 03:01:74 (2022) का रिकार्ड तोड कर नया रिकार्ड बनाया। इसमें दूसरे स्थान पर जयपुर की रतिका खाटा 03:01:46 एवं कोटा की परी 03:26:37 तीसरे स्थान पर रही। इसी प्रकार छात्रा वर्ग की 100 मीटर की बटर फ्लाई प्रतियोगिता में फिरदौस कायमखानी, भीलवाडा का 01:09:68 (2018) का रेकार्ड तोडकर दक्षिणा जोशी, टोंक ने 01:09:18 समय निकालकर नया रेकार्ड बनाया इसमें दूसरे स्थान पर जयपुर की एनिका अग्रवाल 01:12:84 एवं तीसरे स्थान उदयपुर की रिद्दिमा सिंह 01:19:22 तीसरे स्थान पर रही।

डीएलएस मेथड से जीती संस्कार क्रिकेट अकादमी

जयपुर, 12 जुलाई। संस्कार क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में 140/7 रन बनाए। जिसमें दिव्यांशु गौर ने 38 रन व आदित्य झाला ने 23 रनों का योगदान दिया।एमी क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में मनीष व नीतिराज सिंह को 2-2 विकेट मिले। लक्ष्य का पीछा करने उतरी एमी क्रिकेट एकेडमी 8.2 ओवर में 49/1 रन (डीएलएस मेथड) बना सकी जिसमें मानित ने नाबाद 21 रन व मोहम्मद कुबेब ने नाबाद 13 रनों का योगदान दिया। संस्कार क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में हनी प्रताप सिंह को 1 विकेट मिला। डीएलएस मेथड से संस्कार क्रिकेट अकादमी ने 82 रनों से जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच दिव्यांशु गौर रहे।

उदय सिंह राजावत के पंजे से जीती रेलवे क्रिकेट अकादमी : दूसरा मैच आर डी क्रिकेट अकादमी व रेलवे क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया। जिसमें आर डी क्रिकेट अकादमी ने 17.5 ओवर में 61 रन पर ऑल आउट हो गई। जिसमें अनिल कुमार ने 24 रन व विजय चौधरी ने 23 रनों का योगदान दिया। रेलवे क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में उदय सिंह राजावत ने 3.5 ओवर में 8 रन देकर 5 विकेट व और अरनव वशिष्ठ ने 2 ओवर में 2 रन देकर 3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी रेलवे क्रिकेट अकादमी 8.3 ओवर में 62/1 रन बनाकर मैच अपने नाम किया।जिसमें मयंक परमार ने 29 रनों का योगदान दिया। आर डी क्रिकेट अकादमी की ओर से गेंदबाजी में अमन तुरपाणी को 1 विकेट मिला। मैन ऑफ द मैच उदय सिंह राजावत रहे।

सीरीज के अंतिम मैच में मंधाना और श्री चरणी पर होगी नजरें

बर्मिंघम, 12 जुलाई। बर्मिंघम में भारत महिला और इंग्लैंड महिला टीम के बीच शनिवार को टी20 सीरीज का अंतिम मैच भले ही सीरीज के समीकरण के लिहाज से खास मायने ना रखता हो लेकिन दोनों ही टीमें अंतिम मैच में जीत हासिल कर वनडे सीरीज का रुख जरूर करना चाहेंगी। हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम पहले ही इंग्लैंड में ऐतिहासिक टी20 सीरीज जीत हासिल कर चुकी है वहीं मेजबान इंग्लैंड की नजरें हार के अंतर को पाटने पर होंगी।

पिच और परिस्थितियां : महिला टी20 में एजबस्टन में पहली बल्लेबाजी करते हुए सर्वोच्च स्कोर 167 पर दो है। जबकि न्यूनतम स्कोर 46 है। यहां 19 महिला टी20 में 10 बार पहले बल्लेबाजी करने वाली टीम को जीत हासिल हुई है जबकि नौ बार बाद में बल्लेबाजी करने वाली टीम को जीत हासिल हुई है।

संभावित : भारतीय टीम में दूसरे मैच के बाद कोई बदलाव नहीं हुआ है क्योंकि कप्तान हरमनप्रीत चोट के चलते पहला मैच नहीं खेल पाई थीं। हालांकि हरमनप्रीत इस सीरीज में अब तक बल्ले के साथ खास प्रभाव नहीं छोड़ पाई हैं।

भारत : स्मृति मंधाना, शेफाली वर्मा, जेमिमाह रॉड्रिग्स, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), अमनजोत कौर, दीप्ति शर्मा, राधा यादव, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा, श्री चरणी इंग्लैंड की टीम अपने नियमित कप्तान नैट सिवर-ब्रंट के बिना खेल रही है। दूसरे मैच में बल्लेबाजी के दौरान सिवर-ब्रंट चोटिल हो गई थीं जिसके चलते टैमी बोमॉन्ट को टीम की कमान सौंपी गई। हालांकि सिवर-ब्रंट वनडे सीरीज के दल में शामिल हैं और उनके पहले वनडे से फिट होने की पूरी उम्मीद है।

इंग्लैंड : सोफिया डंकली, डैनी वायट-हॉज, ऐलिस कैप्सी, टैमी बोमॉन्ट (कप्तान), एमी जोंस (विकेटकीपर), पेज स्कोलफील्ड, सोफी एक्लस्टोन, इसी वॉन्ग, चार्ली डीन, लॉरेन फाइलर, लॉरेन बेल मंधाना और श्री चरणी पर रहेंगी नजरें।

वीनस ने 16 माह की अनुपस्थिति के बाद वाशिंगटन का निमंत्रण स्वीकार किया

वाशिंगटन, 12 जुलाई। सात बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन वीनस विलियम्स ने वाशिंगटन ओपन के लिए वाइल्डकार्ड स्वीकार कर लिया है जो 16 महीनों में उनका पहला प्रतिस्पर्धी मैच होगा। 45 वर्षीय खिलाड़ी ने मार्च 2024 में मियामी ओपन के बाद से कोई प्रतिस्पर्धा नहीं की है और उन्होंने आखिरी बार अगस्त 2023 में सिनसिनाटी ओपन में एक मैच जीता था। पूर्व विश्व नंबर एक खिलाड़ी वर्तमान में डब्ल्यूटीए वेबसाइट पर निष्क्रिय के रूप में सूचीबद्ध हैं, जिसका अर्थ है कि उनकी कोई रैंकिंग नहीं है। विलियम्स ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, "डीसी के बारे में कुछ खास है - ऊर्जा, प्रशंसक, इतिहास।इस शहर ने हमेशा मुझे बहुत प्यार दिया है और मैं वहां फिर से प्रतिस्पर्धा करने के लिए उत्सुक हूं।"

मुख्यमंत्री ने खनन पट्टों की अवधि बढ़ाने की आवेदन तिथि बढ़ाई

जनप्रतिनिधियों की मांग थी कि लाइसैंस धारक समय से अवधि बढ़ाने का आवेदन नहीं कर पाये

जयपुर, 12 जुलाई । मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने क्वारी लाइसेंस धारकों एवं अप्रधान खनिज लीज धारकों को राहत प्रदान करते हुए, खनन पट्टों की अवधि वृद्धि के प्रार्थना पत्र प्रस्तुत करने की तारीख 30 सितम्बर, 2025 तक बढ़ाये जाने की प्रशासनिक अनुमति प्रदान की है। इसके लिए राजस्थान अप्रधान खनिज रियायत नियमावली-2017 के नियम 9 (3ए) एवं नियम 10 (3ए) में संशोधन किए जाएंगे।

मुख्यमंत्री के इस निर्णय से जहां राज्य सरकार के राजस्व में वृद्धि होगी, वहीं अवैध खनन पर भी प्रभावी अंकुश लगेगा। साथ ही, अवधि समाप्त क्वारी लाइसेंसों के डेलिनियेशन की कार्यवाही में आने वाली व्यावहारिक समस्याओं से निजात मिलने के कारण करीब 2500 क्वारी लाइसेंस धारकों को राहत मिलेगी।

विभिन्न जनप्रतिनिधियों द्वारा मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाया गया था कि खान एवं भूविज्ञान विभाग के डीएमजी ऑनलाइन सिस्टम पर क्वारी लाइसेंस के डाटा ऑनलाइन अपडेट नहीं होने से बहुत से क्वारी लाइसेंसधारक अवधि वृद्धि का ऑनलाइन आवेदन पूर्व में निर्धारित तारीख 31 मार्च, 2025 तक करने से वंचित रह गए थे।

उल्लेखनीय है कि वैध खनन को बढ़ावा देने और खनिज क्षेत्र में "ईज ऑफ डूइंग बिजनेस" पर जोर देते हुए नियमों के सरलीकरण के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है। इस क्रम में अप्रधान खनिजधारकों को लीज अवधि बढ़ाने के लिए अलग-अलग स्तर पर आवेदन करने की आवश्यकता समाप्त करते हुए, अप्रधान खनिज लीज अवधि में वृद्धि के अधिकार संबंधित खनिज अभियंता व सहायक अभियंता को दिए गए हैं। इसी प्रकार, अप्रधान खनिज के खनन पट्टों और क्वारी लाइसेंस की अवधि वर्ष 2040 तक बढ़ाए जाने के बाद देय प्रीमियम राशि एकमुश्त जमा कराने में असुविधा को देखते हुए, अधिकतम पांच किश्तों में प्रीमियम राशि जमा कराने की छूट प्रदान कर दी गई है। राज्य सरकार के इन निर्णयों से अप्रधान खनिज लीज व क्वारी लाइसेंस धारकों को बड़ी राहत मिली है।

- मुख्यमंत्री भजनलाल के निर्णय से राज्य सरकार के राजस्व में वृद्धि होगी तथा अवैध खनन पर प्रभावी अंकुश लगेगा।
- खान एवं भू विभान विभाग के डीजीएम ऑनलाइन सिस्टम पर क्वारी लाइसेंस के डेटा ऑनलाइन अपडेट नहीं होने के कारण बहुत से लाइसैंसी 31 मार्च 2025 तक आवेदन नहीं कर पाये थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

"उदयपुर फाइल्स" पर लगी रोक हटायें

उदयपुर, (निसं)। बहुचर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड पर बनी फिल्म "उदयपुर फाइल्स" पर रोक लगने के बाद, दिल्ली हाईकोर्ट ने केन्द्र सरकार से इस पर फैसला करने के निर्देश जारी किए हैं। इस पर शनिवार को कन्हैयालाल साहू की पत्नी जशोदा साहू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर इस फिल्म पर लगी रोक को हटाने की मांग की है।

उन्होंने पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री को बताया कि इस फिल्म में जिस तरह से कन्हैयालाल की हत्या की गई, वही बताया गया है, लेकिन हत्या करने वाले लोगों की मानसिकता के लोग अब फिल्म पर रोक लगाने की मांग कर रहे हैं, जो कि गलत है।

इस फिल्म के माध्यम से सच्चाई लोगों के सामने रखी जा रही है। जशोदा साहू ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने के लिए समय मांगा है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की ओर से समय मिलने के बाद वे अपने दोनों बच्चों के साथ दिल्ली जाकर मोदी से मुलाकात कर अपनी पीड़ा उन्हें बताना चाहती हैं, ताकि जो न्याय मिलने में देरी हो रही है, उसमें भी तेजी आ सके और उनके पति की हत्या करने वाले हत्यारों को जल्द से जल्द सजा मिल सके।

जानकारी के अनुसार, दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर होने के बाद कोर्ट ने अंतरिम रोक लगा दी थी।

- कन्हैया लाल साहू की पत्नी ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा।

एसओजी ने प्राध्यापक स्कूल शिक्षा भर्ती परीक्षा 2022 के अर्थशास्त्र विषय के पेपर लीक मामले में चार प्राध्यापकों को गिरफ्तार किया।

एसओजी ने अर्थशास्त्र के चार प्राध्यापकों को गिरफ्तार किया

ये गिरफ्तारियाँ प्राध्यापक भर्ती परीक्षा 2022 के अर्थशास्त्र के पेपर लीक मामले में की गई हैं

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) की टीम ने कार्रवाई करते हुए प्राध्यापक स्कूल शिक्षा भर्ती परीक्षा 2022 के अर्थशास्त्र विषय के पेपर लीक मामले में चार प्राध्यापकों (अर्थशास्त्र) को गिरफ्तार किया है। उन्हें कोर्ट में पेश किया गया, जहां पूछताछ के लिए उन्हें चौदह जुलाई तक पीसी रिमांड पर सौंपा गया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एटीएस और एसओजी वीके सिंह ने बताया कि एसओजी द्वारा प्राध्यापक स्कूल शिक्षा भर्ती परीक्षा 2022 के अर्थशास्त्र विषय के पेपर के परीक्षा पूर्व लीक मामले में आरोपित रोशन बांगड़वा निवासी रेनवाल जयपुर हाल प्राध्यापक अर्थशास्त्र राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बासनी जिला नागौर, वैदेही मीणा निवासी सिकराय जिला दौसा हाल प्राध्यापक अर्थशास्त्र राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय जाशमा ब्लॉक भोपाल सागर जिला चित्तौड़गढ़ ,ओमप्रकाश निवासी ओसियां जिला जोधपुर हाल प्राध्यापक अर्थशास्त्र राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पांचौड़ी जिला नागौर और पदमा निवासी सेड़वा जिला बाड़मेर हाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सनावडा जिला बाड़मेर को गिरफ्तार किया है। इन सभी आरोपियों को जोधपुर में परीक्षा से पूर्व लीक पेपर पढ़ाया गया था। इस प्रकरण में अब तक 14 आरोपित गिरफ्तार हो चुके हैं।

- गिरफ्तार प्राध्यापकों को अदालत ने 14 जुलाई तक पुलिस रिमांड पर सौंपा।
- इन सभी आरोपियों को जोधपुर में परीक्षा से पूर्व लीक पेपर पढ़ाया गया था।

ईंधन स्विच बंद होने से हुई थी अहमदाबाद विमान दुर्घटना

प्रारंभिक जांच के अनुसार पायलटों ने दोनों स्विच चालू किये, पर विमान फिर ऊपर नहीं उठ सका

नयी दिल्ली, 12 जून। एयर इंडिया की अहमदाबाद विमान दुर्घटना की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि उड़ान संख्या 171 के लंदन के लिए उड़ान भरने के कुछ क्षण बाद ऊंचाई खो रहे उस विमान के एक पायलट ने देखा कि कॉकपिट में लगे ईंधन वाले दोनों स्विच बंद हैं। पायलटों ने स्विच चालू कर दिए थे, लेकिन समय इतना कम था और विमान इतना नीचे गया था कि वह फिर ऊपर उठ नहीं पाया और नीचे एक छात्रावास से टकरा गया।

दुर्घटना के एक माह बाद जारी भारतीय वायुयान दुर्घटना अन्वेषण ब्यूरो (एएसआईबी) की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट के अनुसार, कॉकपिट संभाल रहे दोनों पायलटों में से एक ने उन क्षणों में कहा था- 'तुमने कट ऑफ क्यों किया', इस पर दूसरे का जवाब था- ' मैंने नहीं किया' ! इस संवाद के बाद कुछ ही पल में सब कुछ समाप्त हो गया था।

यहां 'कट ऑफ' से मतलब विमान के दोनों इंजनों को ईंधन की आपूर्ति करने वाली प्रणाली को चालू और बंद करने के लिए कॉकपिट में लगे दोनों स्विच बंद होने से था। पहले पायलट के प्रश्न के उत्तर में दूसरे का कहना था कि उसने स्विच बंद नहीं किए थे।

एएसबीआई की अंतरिम रिपोर्ट के अनुसार, पायलटों ने विमान को बचाने का बहादुरी से प्रयास किया। ईंधन कटौती के 10-14 सेकंड के भीतर, उन्होंने दोनों ईंधन स्विच को वापस 'रन' की स्थिति में किया। रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि विमान के दोनों इंजनों ने स्वचालित रूप से पुन: कार्य करना शुरू कर दिया। इंजन 1 में सुधार के संकेत दिखाई दिए और इंजन 2 के फिर से प्रज्ज्वलित होने की प्रकिया होने लगी थी, लेकिन अपर्याप्त समय और कम ऊँचाई के कारण विमान को टक्कर से नहीं बचाया जा सका।

रिपोर्ट का कहना है कि जब विमान के इंजनों ने काम करना बंद किया था उस समय वह केवल 625 फुट ऊपर था और इंजन पुन: आरंभ करने की प्रक्रिया में 29 सेकंड से कहीं अधिक समय लगता है। आज के जेट इंजन उड़ान के दौरान पुन: चालू हो जाते हैं, लेकिन इसमें कई मिनट लग जाते हैं और इसके लिए विमान अधिक ऊँचाई पर होना चाहिए।

अंतरिम जांच रिपोर्ट के अनुसार, गत 12 जून को अहमदाबाद से उड़े बोइंग बी787-8 ड्रीमलाइनर विमान ने पूरी गति और शक्ति से हवाई पट्टी से उड़ान भरी थी, लेकिन कुछ ही क्षण में ही विमान के इंजन दोनों इंजनों को तेल मिलना बंद हो गया था और तेल न मिलने से विमान तेजी से ऊंचाई खोने लगा और एक मेडिकल कॉलेज के छात्रावास भवन से जा टकराया।

रिपोर्ट के अनुसार ईंधन प्रणाली के दोनों स्विच सेकेंड भर के अंतर में बंद हुए थे। इस दुर्घटना में विमान के यात्री को छोड़ कर चालक दल सहित उसमें बैठे सभी व्यक्तियों और छात्रावास भवन के कुछ लोगों सहित 271 लोगों की मौत हो गयी थी।

- एएसबीआई की अंतरिम रिपोर्ट के अनुसार 10-14 सैंकड में पायलट ने ईंधन स्विच को "रन" की स्थिति में लाए। इंजन-1 में सुधार के संकेत दिखाई दिये तथा इंजन-2 में फिर प्रज्जवलित होने की प्रक्रिया होने लगी थी।

सोनाली मिश्रा रेलवे सुरक्षा बल की पहली महिला महानिदेशक बनीं

नई दिल्ली, 12 जुलाई। वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी सोनाली मिश्रा को रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की पहली महिला महानिदेशक नियुक्त किया गया है।

अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि वह मनोज यादव की जगह यह जिम्मेदारी संभालेंगी। मनोज यादव 31 जुलाई को सेवानिवृत्त होने वाले हैं।

सोनाली 1993 बैच की मध्य प्रदेश कैडर की भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी हैं। कार्मिक मंत्रालय द्वारा जारी एक आदेश के मुताबिक, कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने सोनाली मिश्रा की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। वे 31 अक्तूबर, 2026 को सेवानिवृत्ति तक इस पद पर बनी रहेंगी।

अधिकारियों ने बताया कि सोनाली मिश्रा आरपीएफ की पहली महिला अधिकारी होंगी, जिन पर अन्य कर्तव्यों के अलावा रेलवे संपत्ति और यात्रियों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी है। वे वर्तमान में मध्य प्रदेश पुलिस में अतिरिक्त महानिदेशक (चयन) के पद पर तैनात हैं।

- वे 1993 बैच की मध्यप्रदेश कैडर की आईपीएस अधिकारी हैं।

आईआईएम कलकत्ता के बॉयज़ हॉस्टल में युवती के साथ दुष्कर्म

पुलिस के अनुसार पीड़िता को जॉब काउंसलिंग के लिये बॉयज़ हॉस्टल बुलाया गया था

कोलकाता, 12 जुलाई। कोलकाता के दक्षिणी बाहरी इलाके जोका में प्रतिष्ठित भारतीय प्रबंधन संस्थान-कलकत्ता (आईआईएम-सी) के बॉयज़ हॉस्टल में एक युवती के साथ बलात्कार की घटना सामने आई है। इस घटना के बाद आईआईएम संस्थान में हड़कंप मच गया है। आईआईएम कलकत्ता का कहना है कि पीड़िता संस्थान की छात्रा नहीं है और वह अपनी सहेली के साथ हॉस्टल में ठहरी हुई थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पीड़िता को जॉब काउंसलिंग सैशन के लिए बॉयज़ हॉस्टल में बुलाया गया था, जहां उसके साथ घटना को अंजाम दिया गया।

पीड़ित छात्रा का आरोप है कि शुक्रवार को कैंपस में ही बॉयज़ हॉस्टल के एक छात्र ने उसके साथ बलात्कार किया। उसने देर शाम हरिदेवपुर पुलिस स्टेशन में इसकी शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के आरोपी परमानंद टोप्पनवार को गिरफ्तार कर लिया गया है। टोप्पनवार को 19 जुलाई तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है।

छात्रा ने अपने बयान में आरोप लगाया कि जॉब काउंसलिंग सेशन के लिए उसे हॉस्टल में बुलाया गया था। वहां, उसे पिज्जा और कोल्ड ड्रिंक सर्व किया गया था। उसे लगता है कि कोल्डड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाया गया था, जिसके बाद वह बेहोश हो गई थी। होश में आने पर, उसे एहसास हुआ कि उसके साथ दुष्कर्म हुआ है।

एक पुलिस अधिकारी के अनुसार, छात्रा ने आगे कहा कि जब उसे होश आया तो आरोपी ने धमकी दी और कहा कि घटना के बारे में अगर उसने किसी को बताया तो उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। इसके बाद पीड़िता ने तुरंत अपनी सहेली से संपर्क किया और हरिदेवपुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। आरोपी छात्र को शुक्रवार की रात हिरासत में लिया गया और बाद में औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल मामले की जांच जारी है।

- पीड़िता ने अपने बयान में कहा कि हॉस्टल में उसे पीत्ज़ा व कोल्ड ड्रिंक दिया गया। उसे लगता है कोल्ड ड्रिंक में नशीला पदार्थ मिलाया गया था जिससे वह बेहोश हो गई।
- आईआईएम कलकत्ता के अधिकारियों का कहना है कि पीड़िता संस्थान की छात्रा नहीं है और वह अपनी सहेली के साथ हॉस्टल में ठहरी थी।

पिछले दस दिन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

थी और 4 जुलाई को प्रमुख उद्योगपति गोपाल खेमका की हत्या हुई थी।

विक्रम झा की हत्या 10 दिनों के भीतर ऐसी तीसरी हत्या है।

तेजस्वी यादव ने बिगड़ती कानून व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को जिम्मेदार ठहराया।

हत्या की इन घटनाओं ने आगामी बिहार विधानसभा चुनावों से पहले, सत्तारूढ़ एनडीए और विपक्षी आरजेडी गठबंधन के बीच तनाव को और बढ़ा दिया है। जहां आरजेडी ने मौजूदा प्रशासन पर पूरी तरह से चरमरा जाने का आरोप लगाया है, वहीं एनडीए नेताओं ने विपक्ष पर "जंगलराज" को फिर से लाने के प्रयास का आरोप लगाया है। जंगलराज शब्द का प्रयोग पहले की सरकारों से जुड़ी अराजकता के लिये किया जाता रहा है।

निशक्त हुए एईएन के बकाया ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शर्मा ने बताया कि प्रार्थी एग्रीकल्चर विभाग में एक जुलाई 1995 को जूनियर इंजीनियर के पद पर नियुक्त हुआ। इस दौरान नवंबर 2013 में उसे ब्रेन हेमरेज हुआ, जिससे उसके पैरालाइसिस हो गया। उसके मेडिकल परीक्षण में भी 80 फीसदी निशक्तता आई।

पैरालाइसिस होने के कारण वह विभाग में गैर हाजिर रहा, जिस पर विभाग ने उसके वेतन सहित, अन्य सेवा परिलाभ रोक लिए। इसे हाईकोर्ट में चुनौती देते हुए कहा गया कि विभाग द्वारा निशक्त व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम 2016 के अंतर्गत सुरक्षित होने के कारण, उनके सेवा परिलाभ रोके नहीं जा सकते हैं। इसलिए प्रार्थी को गैर हाजिर अवधि के वेतन सहित, अन्य सेवा परिलाभ का भुगतान ब्याज सहित करवाया जाए। अदालत ने प्रार्थी के पक्ष में निर्णय देते हुए विभाग को उसे बकाया वेतन व सेवा परिलाभ देने के लिए कहा।

लालू यादव के ज्येष्ठ पुत्र ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पूरी प्रतिबद्धता के बावजूद, लालू यादव मूलत: एक पारिवारिक नेता ही बने रहे हैं। संभावना जताई जा रही है कि पिता-पुत्र के बीच टकराव जल्द ही खत्म हो सकता है, और अंतत: तेज प्रताप को आगामी विधानसभा चुनाव में राजद के टिकट पर ही उतारा जाएगा।

तथापि, अगर तेज प्रताप अलग राह पर जाने की अपनी धमकी को अमली जामा पहनाते हैं, तो एनडीए (भाजपा-जदयू) गठबंधन निश्चित तौर पर राजद के "पारिवारवाद" के खिलाफ जोरदार चुनावी हमला करेगा।

हसनपुर से विधायक तेज प्रताप ने भले ही नेतृत्व की भूमिका छोटे भाई तेजस्वी को काफी पहले ही सौंप दी हो, लेकिन राजद से जुड़े टिकट वितरण और नीति निर्माण जैसे मामलों पर अपना दावा उन्होंने अब तक नहीं छोड़ा है। महुआ में आयोजित यह रैली, तेजस्वी पर दबाव बनाने की रणनीति के रूप में देखी जा रही है। रैली में तेज प्रताप ने साफ कर दिया कि अब वे पुराने नियमों पर नहीं चल रहे हैं। उन्होंने कहा, "मैं अब जनता की मर्जी से चल रहा हूँ। लोग जहाँ से चुनाव लड़ने को कहेंगे, मैं वहीं जाऊँगा। रही बात पार्टी की, तो समय बताएगा।"

'विधि विज्ञान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आधारभूत सुविधाएं मुहैया कराना राज्य सरकार का दायित्व है, लेकिन कई बार निर्देश देने के बाद भी पिछले दस सालों में इस पर कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। ऐसे में यह राज्य सरकार की केवल लापरवाही नहीं है, बल्कि जानबूझकर न्याय प्रणाली में रुकावट डालने का प्रयास है। जस्टिस उमाशंकर व्यास ने यह निर्देश पॉक्सो से जुड़े मामले में आरोपी की जमानत याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। सुनवाई के दौरान अदालत के सामने आया कि ट्रायल कोर्ट के कई प्रयासों बाद भी एफएसएल रिपोर्ट नहीं आई है और ट्रायल कोर्ट ने केस के निस्तारण के लिए और समय दिए जाने का आग्रह किया है। इस पर अदालत ने कहा कि एफएसएल रिपोर्ट नहीं आने से केस की ट्रायल पूरी नहीं हो रही है, बल्कि अभियुक्त को भी अनावश्यक तौर पर अभिरक्षा में रहना पड़ रहा है। यह उसके जल्द ट्रायल के अधिकारों का हनन है। पूर्व में भी अदालत ने डीजीपी व एसीएस होम को बुलाकर उनसे कार्रवाई के लिए कहा था, लेकिन उन्होंने आश्वासन के सिवाय धरातल पर कुछ भी सार्थक प्रयास नहीं किया, यह अत्यधिक गंभीर है।

कश्मीर में आतंकवादियों की 3.2 करोड़ रु. की संपत्तियां कुर्क

श्रीनगर, 12 जुलाई। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने राष्ट्र विरोधी तत्वों के खिलाफ कार्रवाई के तहत, गंदेरबल जिले में शनिवार को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से सक्रिय तीन आतंकवादियों की 3.2 करोड़ रुपये की अचल संपत्तियां कुर्क कीं। पुलिस ने जिन आतंकवादियों की संपत्तियां कुर्क कीं, उनकी पहचान कुराग गंदेरबल निवासी फारूक अहमद राठेर, हटबुरा गंदेरबल निवासी नूर मोहम्मद पार्रे और खुरहामा गंदेरबल निवासी मोहम्मद मकबूल सोफी के रूप में हुई है। तीनों 2009 में खीरबवानी थाना में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की धारा 13 के तहत दर्ज एक मामले में आरोपी हैं। पुलिस ने कहा कि अदालत के आदेशों के अनुपालन में तीनों की कुल नौ कनाल और डेढ़ मरला जमीन कुर्क की गयी। पुलिस ने कहा,यह कार्रवाई केन्द्र शासित प्रदेश की संप्रभुता और अखंडता के लिए हानिकारक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के पुलिस के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है। यह आतंकवाद और ऐसे तत्वों को सहायता या बढ़ ावा देने वालों के प्रति शून्य-सहिष्णुता की नीति को दर्शाता है।

राजस्व न्यायालयों में लम्बित...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कारण, मूल वादी के जीवनकाल से परे, निर्णयों में देरी हो रही है। अक्सर ये मामले कई पीढ़ि यों तक चलते हैं।अदालत ने इन न्यायालयों के संबंधित नियमों में संशोधन पर विचार करने के लिए कहा है। अदालत ने कहा कि राजस्व व अपीलीय राजस्व न्यायालयों में अफसरों की नियुक्ति के लिए व्यापक परीक्षा आयोजित करने की प्रक्रिया शुरू करनी चाहिए, ताकि राजस्व और प्रक्रियात्मक कानूनों में उनकी कानूनी कुशलता की जाँच और परीक्षण किया जा सके। जस्टिस अनूप कुमार ढ ंड ने यह निर्देश शक्ति सिंह व अन्य की याचिका पर दिया। अदालत ने कहा कि इन न्यायालयों के संचालन के लिए एक एसओपी तैयार कर उसे लागू करना चाहिए, ताकि इन न्यायालयों में लंबित केसों का निस्तारण हो सके। पुराने लंबित केसों को प्राथमिकता के आधार पर तय करें, अफसरों की वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट में भी इसका उल्लेख किया जाए। अदालत ने कहा कि राजस्व न्यायालयों में लंबित राजस्व मुकदमों और विविध आवेदनों के लंबित मामलों और राजस्व अपीलीय न्यायालयों में लंबित पुरानी अपीलों की संख्या लगातार बढ़ रही है।

भागवत, मोदी से ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इस्तीफा देने को टाल सकते हैं। लेकिन भागवत के संभावित त्यागपत्र से उन्हें मजबूर होना पड़ सकता है। मोदी के संभावित उत्तराधिकारियों में अमित शाह, राजनाथ सिंह, नितिन गडकरी, शिवराज सिंह चौहान तथा वसुंधरा राजे के नाम लिये जा रहे हैं। हालांकि, आरएसएस की प्राथमिकता कौन है, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है।

मोदी ने अपनी पत्नी जशोदाबेन (73), जो एक सेवानिवृत्त शिक्षिका हैं, को विवाह के एक वर्ष बाद छोड़ दिया था। गुजरात में उनके विरोधी उन्हें "फेकू" (झूठा) कहते रहे हैं, जिन्होंने लंबे समय तक अपनी शादी को नकारा, क्योंकि उन्हें आशंका थी कि कहीं ऐसा न हो कि विवाहित होने के कारण उन्हें आरएसएस के स्वयंसेवक नहीं बनाया जाए, क्योंकि आरएसएस में केवल अविवाहित स्वयंसेवकों को ही शामिल किया जाता है।

मोदी ने दावा किया कि उन्होंने वडनगर रेलवे स्टेशन पर चाय बेची थी। वे एक चाय बेचने वाले के पुत्र अवश्य थे, परंतु उनका चाय बेचने का यह दावा संदिग्ध है क्योंकि, गुजरात के जिला मुख्यालय मेहसाणा को तारंगा (एक जैन तीर्थ) से जोड़ने वाली मीटर गेज रेलवे लाइन पर ऐसा कोई रेलवे स्टेशन था ही नहीं। मीटर गेज डीएमयू ट्रेन 1973 में शुरू हुई, और मोदी 19 साल की उम्र में, अपनी शादी के एक साल बाद, वडनगर छोड़ चुके थे।

मोदी कम उम्र में ही आरएसएस से जुड़ गये थे, जिससे उनकी शिक्षा अधूरी रह गई। चूंकि आरएसएस के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों की शैक्षिणक योग्यता उच्च स्तर की रही है, इसलिए उन पर आरोप लगाए गए कि उन्होंने, कथित रुप से, दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक और अहमदाबाद विश्वविद्यालय से स्नातकोत्तर की डिग्री एक पत्राचार विद्यार्थी के रुप में हासिल करने के फर्जी दावे किए।

'बिहार में 10 प्रतिशत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नाम ऐसे हैं, जिन्हें किसी भी जनसांख्यिकीय तर्क से नहीं समझाया जा सकता।

ये हैं "फैंटम वोटर", जनसांख्यिकीय रूप से जिनका कोई सुराग नहीं मिल रहा, लेकिन मतदाता रजिस्टर में पूरी तरह दर्ज हैं।

जुलाई 2025 तक, चुनाव आयोग के अनुसार, बिहार में 7.89 करोड़ पंजीकृत मतदाता हैं। स्वराज्य मैगज़ीन के पुनर्निर्माण अनुमान के अनुसार, वास्तविक पात्र आबादी केवल 7.12 करोड़ है यानी 9.7 प्रतिशत की वृद्धि है। औसतन प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 30,000 से अधिक अतिरिक्त नाम हैं, जबकि कुछ क्षेत्रों में यह विकृति और भी अधिक हो सकती है।

एक ऐसे राज्य में, जहां चुनावी जीत के अंतर बेहद मामूली होते हैं, मतदाता सूची में इस तरह के फर्जी नामों की उपस्थिति के वास्तविक और गंभीर लोकतांत्रिक परिणाम होते हैं।

2020 का बिहार विधानसभा चुनाव आज़ादी के बाद राज्य का सबसे कड़ा मुकाबला था: कुल सीटों में से लगभग 20 प्रतिशत सीटें, 2.5 प्रतिशत से भी कम अंतर से जीती गईं।

इनमें से 17 सीटें केवल 1 प्रतिशत से भी कम अंतर से तय हुईं।

ऐसे माहौल में, असत्यापित नामों की मौजूदगी एक बड़ा लोकतांत्रिक संकट है। फर्जी वोटर न केवल चुनावी धोखाधड़ी का रास्ता खोलते हैं, बल्कि झूठी मतदान दर और अवैध जनादेश के लिए भी मंच तैयार करते हैं।

दिल्ली में 4 मंजिला भवन गिरा, एक परिवार के 6 की मौत

जहां इमारत गिरी, वह गली 4 फिट चौड़ी है, इसलिये राहत कार्य में बहुत दिक्कतें आईं

नई दिल्ली, 12 जुलाई। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में वेलकम स्थित जनता कॉलोनी में शनिवार सुबह एक चार मंजिला इमारत भरभराकर जमींदोज हो गई। हादसे में इमारत के मुखिया और उनकी पत्नी सहित एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई जबकि पड़ोसियों सहित कुल आठ लोग जख्मी हो गए। दुर्घटना के समय बिल्डिंग में करीब 10 लोग मौजूद थे।

सुबह इमारत गिरने की आवाज सुनते ही पड़ोसी मदद को भागे। हादसे वाली बिल्डिंग से तुरंत ही एक मासूम समेत चार लोगों और पड़ोस के एक अन्य मकान से चार और लोगों को निकालकर निजी वाहनों से अस्पताल भेजा गया।

हादसे की खबर मिलते ही पुलिस के अलावा दमकल विभाग, एनडीआरएफ, जिला प्रशासन, नगर निगम सहित अन्य बचाव दल मौके पर पहुंच गए। जिस जगह इमारत गिरी वह गली महज चार फीट चौड़ी बताई जा रही है। ऐसे में वहां पर राहत और बचाव कार्य करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

ह्यूमन चेन बनाकर मलबा हटाने का प्रयास किया जा रहा है। दूसरी ओर मकान गिरने से पड़ोस के कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं। मलबा हटाने के दौरान अन्य मकान भी गिरने की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार इमारत के ग्राउंड फ्लोर पर आंगनबाड़ी केंद्र चलाया जाता था जबकि ऊपर की मंजिल पर अब्दुल मतलूब अपने परिवार के साथ रहते थे।

- मकान गिरने से पड़ौस के कई मकान क्षतिग्रस्त हो गये। मलबा हटाने के दौरान उनके भी गिरने की आशंका जताई जा रही है। अतः बेहद सावधानी से मलबा हटाया जा रहा है।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908